श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया 01:46 तक
उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 12 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 232, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वांछित अपराधी मुस्तफा का यूएई से हुआ भारत प्रत्यर्पण 14

संविधान बचाव रैली राजनीतिक पर्यटन : प्रधान 12

कांवड़ यात्रा शुरू

हरिद्वार : श्रावण मास शुरू होते ही शुक्रवार को हरिद्वार की हर की पैड़ी समेत गंगा के अन्य तटों पर कांवड़ियों का हुजूम उमड़ पड़ा। बम-बम भोले के उद्घोष हर तरफ सुनाई दिए। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के लिहाज से इस बार कड़े प्रबंध किए गए हैं।

चुनाव आयोग को बेहिसाब ताकत नहीं दी जा सकती

नई दिल्ली, एजेंसी

एक राष्ट्र, एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक में पूर्व सीजेआई बोले

देश के दो पूर्व प्रधान न्यायाधीशों न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेएस खेहर ने शुक्रवार को देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक के कुछ प्रावधानों पर सवाल उठाए, जिनमें निर्वाचन आयोग को दी गई शक्तियां भी शामिल हैं।

पूर्व सीजेआई ने कहा कि कहा कि चुनाव आयोग को बेहिसाब ताकत नहीं दी जा सकती। हालांकि, उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि यह विचार संविधान के विरुद्ध है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के बाद न्यायमूर्ति खेहर तीसरे पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) हैं, जिन्होंने विधेयक की धारा 82ए(5) के तहत विधानसभा चुनाव कराने के संबंध में चुनाव आयोग को दी गई व्यापक छूट पर सवाल उठाए हैं। न्यायमूर्ति खेहर के बाद न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति के समक्ष पेश हुए। उन्होंने पहले ही अपनी लिखित राय प्रस्तुत कर दी थी। एक सूत्र ने 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक पर दोनों न्यायविदों द्वारा व्यक्त विचारों का सारांश देते हुए कहा कि दोनों पूर्व सीजेआई ने सुझाव दिया कि विधेयक में कुछ अस्पष्ट क्षेत्र हैं, जिन पर समिति को ध्यान देना चाहिए तथा उन्होंने कुछ सुझाव भी दिए।

पूर्व सीजेआई खेहर और डीवाई चंद्रचूड़।

- विस चुनाव के संबंध में चुनाव आयोग को दी गई व्यापक छूट पर सवाल उठाए
- कहा- प्रस्तावित कानून संविधान के मूल ढांचे का नहीं करता उल्लंघन

दोनों पूर्व सीजेआई ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित कानून संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता, जैसा कि विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, यह संविधान के मूल ढांचे से छेड़छाड़ नहीं करता।

आपातकाल की स्थिति में क्या हो स्पष्टता जरूरी

प्रस्तावित कानून की एक अन्य धारा का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति खेहर ने कहा कि इसमें यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आपातकाल की स्थिति में क्या होगा। सूत्रों ने बताया कि एक और मुद्दा यह उठाया गया कि अगर किसी कारणवश विधानसभा का कार्यकाल बहुत कम, जैसे कुछ महीने, रह जाए और फिर चुनाव इतने ही सीमित समय के लिए हों, तो क्या होगा। एक पूर्व सीजेआई ने कहा कि विधेयक में यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए।

हमने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने उड़ाए, हमारे यहां शीशा तक नहीं टूटा

एनएसए बोले- पड़ोसी देश एक भी फोटो दिखाए जिसमें भारत का नुकसान नजर आए

चेन्नई, एजेंसी

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को यहां कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की सटीक मारक क्षमता का प्रदर्शन हुआ, जिसमें पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, हमें पता था कि कौन कहां है, जबकि हमारे यहां एक शीशा भी नहीं टूटा। डोभाल ने सीमा पार के खतरों को नाकाम करने में भारत की क्षमता और तकनीकी कौशल पर गौरवान्वित होने की बात कही।

डोभाल ने कहा कि सटीकता इस स्तर की थी कि भारत को पता था कि कौन कहां है। उन्होंने कहा कि पूरा अभियान 7 मई को रात एक बजे के बाद शुरू हुआ और मुश्किल से 23 मिनट तक जारी रहा। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में डोभाल ने पाकिस्तान द्वारा दावों को खारिज किया जिसमें उन्होंने भारत को नुकसान पहुंचाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि क्या आप मुझे एक भी ऐसी तस्वीर दिखा सकते हैं, जिसमें दिखता हो कि भारत को इस दौरान कोई नुकसान हुआ है।

ऑपरेशन की प्रभावशीलता पर सवाल उठाने वाले न्यूयार्क टाइम्स समेत अंतर्राष्ट्रीय मीडिया कवरेज पर एक प्रकार से निशाना साधते हुए डोभाल ने कहा, उन्होंने वही लिखा, जो वे चाहते थे। लेकिन उपग्रह चित्र असली कहानी बताते हैं कि 10 मई से पहले और बाद में 13 पाकिस्तानी एयरबेस में क्या हुआ।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी करें विकसित : डोभाल

छात्रों को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि प्रौद्योगिकी और युद्ध के बीच अहम संबंध है और देश को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करनी चाहिए। इससे पहले, पद्म विभूषण से सम्मानित और प्रख्यात नृत्यांगना पद्मा सुब्रह्मण्यम ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी और छात्रों की तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा, मुझे इस पर (ऑपरेशन सिंदूर पर) गर्व है। उन्होंने कहा, हमें इस बात पर गर्व है कि हमारी कुछ बेहतरीन प्रणालियों ने काम किया, चाहे वह ब्रह्मोस (मिसाइल) हो, एकीकृत हवाई नियंत्रण और कमान प्रणाली हो या युद्धक्षेत्र निगरानी हो। हमने नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधा, सीमावर्ती क्षेत्रों में नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में थे और हम एक भी नहीं चूके।

ढाई साल में 5जी विकसित करने के लिए आईआईटी मद्रास को सहारा

उन्होंने ढाई साल में 5जी विकसित करने में आईआईटी मद्रास और निजी क्षेत्र की भूमिका का उल्लेख किया, जबकि चीन को 5जी प्रौद्योगिकी विकसित करने में 12 साल से अधिक का समय लगा और उसने 300 अरब डॉलर खर्च किए। डोभाल ने कहा, यहां तक कि डेटा या सुरक्षा से संबंधित एक कील भी विश्वसनीय स्रोत से ही आनी चाहिए। यह या तो भारत में बनी हो या कहीं ऐसी जगह बनी हो, जो भारत के बहुत करीब हो।

आईएसआईएस के मास्टरमाइंड अबू सलमा को एनआईए ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। एनआईए ने प्रतिबंधित आईएसआईएस आतंकी समूह की गतिविधियों को बढ़ावा देने में कथित संलिप्तता को लेकर शुक्रवार को एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि रिजवान अली उर्फ अबू सलमा उर्फ मोला आईएसआईएस पुणे स्लीपर मॉड्यूल मामले में 11वां वांछित आरोपी और प्रमुख षडयंत्रकारी है। उसे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया।

- लखनऊ से किया गया गिरफ्तार

एनआईए ने कहा कि आईएसआईएस की भारत विरोधी साजिश के तहत अली ने विभिन्न स्थानों की टोह लेने में सक्रिय भूमिका निभाई थी, जिनका इस्तेमाल आतंकवादी ठिकानों के रूप में किया जा सकता था। वह गोलीबारी सिखाने और आईईडी बनाने का प्रशिक्षण देने में भी शामिल था। उसकी गिरफ्तारी में मदद पहुंचाने वाली जानकारी देने वाले को 3 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई थी। अली के खिलाफ एक स्थायी गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। 10 अन्य आरोपियों के साथ, अली ने देश को अस्थिर करने और सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने के लिए कई आतंकी कृत्यों को अंजाम देने की साजिश रची थी। अली के अलावा, गिरफ्तार सदस्यों की पहचान मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी, अब्दुल कादिर पठान, सिमाब नसीरुद्दीन काजी, जुल्फिकार अली बड़ौदावाला, शमिल नाचन के रूप में हुई है।

सुखोई से सौ किमी मारक क्षमता वाली अस्त्र मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

- मिसाइल हवा से हवा में मार करने में सक्षम रक्षा मंत्री राजनाथ ने दी बधाई

भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को ओडिशा अपतटीय क्षेत्र में सुखोई-30 एमके-आई विमान से मिसाइल 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया जो हवा से हवा में मार कर सकती है। यह मिसाइल दृश्य सीमा से परे सटीक निशाना लगाने में सक्षम है।

अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है और यह अत्याधुनिक दिशा-निर्देशन प्रणाली से सुसज्जित है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायुसेना ने स्वदेशी 'रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर' के साथ एसयू-30 एमके-आई के जरिए दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान, विभिन्न रेंज पर उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध दो प्रक्षेपक दागे गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों मामलों में, मिसाइलों ने एकदम सटीकता के साथ लक्ष्यों को नष्ट कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर' के डिजाइन और विकास में शामिल डीआरडीओ, वायुसेना और उद्योग भागीदारों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी 'फ्रीक्वेंसी सीकर' के साथ मिसाइल का सफल परीक्षण महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकी में मील का पत्थर है। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने भी बधाई दी।

अशोका फोम
SUMMER SALE
UPTO 70%
CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER
Readymade Garments
FLAT 50% TO 80%
मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

'एक्स' ने भारत में सदस्यता शुल्क 48 प्रतिशत तक घटाया

नई दिल्ली। सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' ने भारत में खाता धारकों के लिए सदस्यता शुल्क को 48 प्रतिशत घटा दिया है। एलन मस्क की अगुवाई वाली सोशल मीडिया कंपनी ने मोबाइल एप के लिए प्रीमियम खाता का सदस्यता शुल्क मासिक आधार पर 900 रुपये से लगभग 48 प्रतिशत घटाकर लगभग 470 रुपये कर दिया है।

एक्स में 'प्रीमियम' और 'प्रीमियम-प्लस' सेवा के ग्राहकों को उनके नाम या आईडी के बगल में एक 'चेकमार्क' मिलता है। इसी तरह, 'एक्स' ने वेबसाइट खातों के लिए प्रीमियम ग्राहक शुल्क 650 रुपये से लगभग 34 प्रतिशत घटाकर 427 रुपये कर दिया है। कंपनी ने अपने हैंडल पर सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क को 243.75 रुपये से 30 प्रतिशत घटाकर 170 रुपये कर दिया है।

जापान ने इंटरनेट स्पीड का बनाया रिकॉर्ड, एक सेकेंड में 10 हजार मूवी होंगी डाउनलोड

टोक्यो। जापान ने 10.20 लाख गीगाबिट्स प्रति सेकेंड की इंटरनेट स्पीड हासिल करके नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इस स्पीड से नेटफ्लिक्स की पूरी लाइब्रेरी या 10,000 4के मूवीज को महज एक सेकेंड में डाउनलोड कर सकते हैं। 150 जीबी का गेम 3 मिली सेकेंड में डाउनलोड होगा। ये भारत की औसत इंटरनेट स्पीड लगभग 63.55 एमबीपीएस से करीब 1.6 करोड़ गुना तेज है।

वहीं, एवरेज अमेरिकी इंटरनेट स्पीड से 35 लाख गुना ज्यादा तेज है। यह उपलब्धि न केवल जापान, बल्कि वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। इस तकनीक को जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने विकसित किया है। इसके लिए उन्नत फाइबर ऑप्टिक तकनीक और अत्याधुनिक सिग्नल प्रोसेसिंग का इस्तेमाल किया गया है।

JPM GROUP OF INSTITUTIONS
Affiliated to Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly (MJPRU Code: 128)
Affiliated to SCERT, Lucknow (SCERT Code: 080004). Approved by NCTE, New Delhi
Affiliated to BTE, Lucknow (BTE Code: 2354) and Approved by PCI New Delhi (PCI Code: 5493)
JPM PG COLLEGE
JPM COLLEGE OF PHARMACY
JPM COLLEGE OF TEACHER'S TRAINING
Free Registration* - Upto 100% Scholarships
D.El.Ed.
₹20,000 Scholarship for All
B.El.Ed.
Upto ₹10,000 Scholarship for All
D.Pharma
B.Sc. (Bio. Tech)
NEW COURSE
B.Sc. (Environmental Sc.)
NEW COURSE
M.Sc. (Agriculture Hons)
ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26
B.Sc.(PCM/ZBC)
B.Sc.(H.Sc.)
BBA
B.Com.
M.Sc.(Chemistry/Zoology)
M.Sc.(Human Dev.)
BCA
BA
M.Sc. (H.Sc.)
M.Sc. (Food & Nutrition)
M.Com.
MA
M.Sc. (Ag) Agronomy / Animal Husbandry & Dairying / Agricultural Chemistry.
B.Sc. (Agriculture Hons)
#T&C Apply.
100% Placement Assistance
For Eligible Candidate
Enquire Now
8899484668, 9149232322, 8057037500
www.jpmc.ac.in
Campus: Bhairpura Khajuria, Nainital Road, Bareilly (UP) 243202
City Office: City Heart Enclave, Opp. Model Town Gate, Stadium Road, Bareilly 243005 (UP)

केंद्रीय योजनाओं में बिल देने के बाद ही होगा भुगतान

शासनादेश जारी, नई व्यवस्था से 67 योजनाओं में बदलेगा मानक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बजट की स्वीकृति व भुगतान के नियम सख्त, स्पर्श प्रणाली लागू

अमृत विचार : राज्य सरकार ने भारत सरकार की योजनाओं के लिए बजट आवंटन और भुगतान को लेकर नई गाइडलाइन का शासनादेश जारी कर दिया है। अब कार्यदायी संस्था व विभाग की ओर से बिल प्रस्तुत करने के बाद ही धनराशि मिलेगी।

सरकार ने 67 केंद्रीय योजनाओं में बजट की स्वीकृति व भुगतान के नियम सख्त करते हुए इसका पूरा लेखा-जोखा एसएनए-एसपीएआरएसएच (स्पर्श) प्रणाली से करने के निर्देश दिए हैं। वित्त विभाग के सचिव मिनिस्ती एस ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव समेत विभागाध्यक्ष व प्रमुख कार्यालयाध्यक्षों को जारी आदेश में कहा है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देश के बाद केंद्र प्रायोजित योजनाओं में बजट आवंटन और भुगतान को लेकर स्पर्श प्रणाली पूरी तरह लागू होगी। इसके लिए संबंधित विभाग अपने स्तर पर सुनिश्चित करेंगे कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं में लाभार्थी या वेंडर को परियोजनाओं की गाइडलाइन के अनुसार अनुमन्यता व देयता होने पर ही भुगतान किया जा रहा है। इन योजनाओं में की जाने वाली वित्तीय स्वीकृतियों में सभी मदों व घटकों का उल्लेख करने के साथ इसकी सूचना मुख्य कोषाधिकारी साइबर ट्रेजरी, लखनऊ को करना अनिवार्य होगा।

शासन ने निर्देश दिए हैं कि एसएनए स्पर्श पोर्टल पर सभी इंप्लीमेंटिंग एजेंसियों द्वारा तैयार किए गए बिलों को मिशन व योजना मुख्यालय के आहरण-वितरण अधिकारी के माध्यम से साइबर ट्रेजरी में प्रस्तुत किए जाएंगे।

योजनाओं में आएगी पारदर्शिता और जवाबदेही

नई प्रणाली के लागू होने से योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। बीती 30 जून को कार्यशाला में भारत सरकार के अधिकारियों ने बजट आवंटन की इस नई व्यवस्था के बारे में विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया है। पहले केंद्र की 67 योजनाओं में से 28 योजनाओं के बजट आवंटन में नई व्यवस्था लागू थी, लेकिन अब 39 योजनाओं में भी व्यवस्था लागू होगी।

आज का मौसम

बादल छाए रहने और बारिश के आसार।

34.0[0] अधिकतम तापमान | 25.0[0] न्यूनतम तापमान

शहर में आज

- हजियापुर स्थित यूनानी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण प्रमुख सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा सुबह 9 बजे।
- कबीर पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ रंगकर्मी स्वर्गीय जेसी पालीवाल की द्वितीय पुण्यतिथि पर कार्यक्रम खुशलोक सभागार में अपराह्न 3 बजे।
- जिला स्तरीय एथलेटिक्स और क्रिकेट प्रतियोगिता स्पोर्ट्स स्टेडियम सुबह 11 बजे।
- रोटरी डिस्ट्रिक्ट की ओर से तरु उदय के तहत एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण पूर्वोत्तर रेलवे वर्कशॉप के पास सुबह 10 बजे।

अतिक्रमण हटाया नहीं फिर भी पूरी कर दी नालों की सफाई

नाला सफाई में साढ़े चार करोड़ खर्च कर चुका नगर निगम, जरा सी बारिश होते ही ओवर फ्लो होने लगते हैं नाले

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम के नालों की तलीझाड़ सफाई के लिए अधिकारियों ने योजना बनाई थी कि पहले अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके बाद ही नालों की सफाई की जाएगी। पर हकीकत यह है कि कई जगहों पर नालों से अतिक्रमण हटाया ही नहीं गई और सफाई की खानापूर्ति कर दी गई है। इसके कारण जरा सी बारिश होते ही नाले ओवरफ्लो हो रहे हैं और जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है।

नगर निगम ने इस बार नाला सफाई के लिए छह एजेंसियों को जिम्मेदारी दी है। इसके लिए करीब साढ़े चार करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया गया है। हर बार से अधिक बजट इस कारण दिया गया था कि नालों की तलीझाड़ सफाई की जाए। इसको लेकर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग और निर्माण विभाग को लगाया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने मई माह में सर्वे कर रिपोर्ट तैयार किया कि नाला सफाई में सबसे बड़ी बाधा नालों पर अतिक्रमण बन रहे हैं। करीब 55 से 60 प्रतिशत नालों पर जगह जगह अतिक्रमण है।

इसको लेकर नगर निगम के अधिकारियों ने योजना बनाई कि पहले अतिक्रमण हटाया जाए, इसके बाद नालों की सफाई की जाए। नगर निगम ने सिकलापुर, आजमनगर, जगतपुर रोड सहित कुछ अन्य जगहों पर अतिक्रमण हटाया, लेकिन हकीकत यह है कि सिकलापुर, शहामतगंज, जगतपुर, पीलीभीत बाईपास रोड, शाहजहांपुर रोड, कुतुबखाना, सिविल लाइन आदि जगहों पर भी नाले पर अतिक्रमण बरकरार है। इसके बावजूद नाला सफाई का काम पूरा कर दिया गया है। इसके कारण नाला सफाई ठीक से नहीं हो पाई। इस वजह से हल्की बारिश में ही जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जा रही है।

जगतपुर टंकी के सामने नाले पर अतिक्रमण। ● अमृत विचार

मालियों की पुलिया के पास नाले पर अतिक्रमण। ● अमृत विचार

शहामतगंज रोड

सिकलापुर

सिटी स्टेशन रोड

एक नजर

14 को डाक घर का काम रहेगा बाधित

बरेली अमृत विचार : डाक घरों में 14 जुलाई को आईटी 2 .0 एप्लीकेशन का रोल आउट लागू किया जाएगा। प्रवर अधीक्षक डाकघर अखिलेश कुमार के अनुसार प्रगतिशील डिजिटल प्लेटफार्म को एक निर्बाध और सुरक्षित तरीके से लागू करने के लिए 14 जुलाई का दिन तय किया गया है। इस दिन अगली पीढ़ी की एपीटी एप्लिकेशन डाक घरों में लांच की जाएगी, जो डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक बड़ी छलांग होगी। इसी के चलते 14 जुलाई को डाउन टाइम निर्धारित किया है, जिससे डाकघरों में कोई लेन-देन नहीं हो सकेगा।

बारिश में उखड़ने लगी कुछ महीने पहले बनी सड़क

बरेली, अमृत विचार : बारिश में कुछ महीने पहले बनी सड़क उखड़ने लगी है। जगह-जगह सड़क में गड्ढे हो गए हैं, इसकी वजह से वाहनों को निकलने में दिक्कत हो रही है। नकटिया से मोहनपुर तक की सड़क कई साल तक जर्जर पड़ी रही। पिछले साल लोगों ने बारिश में काफी दिक्कतें झेलीं। इसके बाद सड़क का निर्माण कराया गया। कुछ जगह पर आरसीसी की सड़क डाली गई तो कुछ जगह डामर बिछाई गई लेकिन जिस जगह डामर बिछाई गई, वहां पर अब बारिश में सड़क उखड़ने लगी है। कई जगह पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इसके अलावा जहां पर आरसीसी की सड़क बनाई, वहां भी साइड में पटरी ऊंची बनाने से पानी भर रहा है।

कहीं धूप तो कहीं बारिश, कई मोहल्लों में जलभराव

जलभराव की समस्या से शहरवासियों को नहीं मिल पा रही निजात, हो रही दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शहर में मौसम का मिजाज अजीब हो चला है। कहीं चटक धूप निकल रही है तो कहीं अचानक तेज बारिश हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी उन इलाकों के लोगों को हो रही है जहां मामूली बारिश में ही जलभराव की समस्या खड़ी हो जाती है।

शुक्रवार दोपहर बाद शहर के कुछ इलाकों में तेज बारिश से जलभराव की समस्या हो गई। जलनिकासी की व्यवस्था कमजोर होने के कारण नालियां ओवरफ्लो हो गईं और गंदा पानी गलियों में भर गया। कुछ जगहों पर सड़कों पर पानी भर गया। इस वजह से लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ा।

बारिश के मौसम में कुछ इलाकों में लगातार जलभराव से सड़कों पर गहरे गड्ढे हो गए हैं और हादसों का खतरा बढ़ गया है। दोपहर बाद बारिश के कारण मुंशी नगर, संभव नगर, जोगी नवादा, सुरेश शर्मा नगर, बीसलपुर रोड, महानगर कालोनी, बन्नूवाल नगर कालोनी में जलभराव की समस्या से लोगों को जूझना पड़ा। बीसलपुर रोड पर पुलिया और सड़क निर्माण के लिए खुदाई का काम चल रहा है। यहां पर रोड पर पानी भरने से वाहन फंस गए। इसी तरह वार्ड संख्या 75 एजाज नगर गौटिया में नाला जाम होने के कारण जलभराव हो गया। इसके कारण लोगों को आने जाने में दिक्कत हो रही है। इसकी शिकायत पार्षद सहित अन्य लोगों ने नगर आयुक्त से की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई न होने के कारण समस्या उत्पन्न हुई है।

बारिश से पीलीभीत बाईपास रोड उखड़ने लगी है। ऐसे में वाहन निकालते समय हादसे का डर बना रहता है। ● अमृत विचार

महानगर में जलभराव से लोगों को दिक्कत हो रही है। ● अमृत विचार

संभव नगर

मुंशी नगर

पांच दिन बारिश का येलो अलर्ट, उमस ने किया परेशान

बरेली ,अमृत विचार: जिले का मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को जिले में कुछ इलाकों में बारिश हुई तो कुछ इलाकों में तेज धूप खिली और बादल छाए रहे। जिससे तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई और लोग उमस भरी गर्मी में बेहाल हो गए।

शुक्रवार को अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान बढ़ने से लोग रात में भी गर्मी से परेशान रहे। हवा में नमी की मात्रा 79 फीसदी तक पहुंचने से दिनभर चिपचिपी गर्मी ने लोगों को खासा परेशान किया।मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से उठे मानसूनी बादल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे अगले कुछ दिनों में झमाझम बारिश होने की संभावना है। हालांकि अब तक मानसून की सक्रियता कमजोर बनी हुई है, लेकिन अगले 48 घंटों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि अगले कुछ दिनों तक अनावश्यक बाहर न निकलें, बारिश के दौरान बिजली उपकरणों से दूर रहें और सुरक्षित स्थानों पर ही शरण लें।

तीन महीने पहले बना फुटपाथ धंसा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : चौपुला से सिटी स्टेशन को जाने वाले रोड के किनारे तीन महीने पहले बना फुटपाथ कई जगह धंस गया है। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। तीन दिन पहले पीडब्ल्यूडी ने बार-बार उखड़ रही सड़क के गड्ढे पैचवर्क कराकर भरवा दिए थे, मगर फुटपाथ की मरम्मत नहीं कराई गई।

पीडब्ल्यूडी चौपुला से किला तक सड़क निर्माण पर दो साल में करोड़ों रुपये बर्बाद कर चुका है। तीन बार पैचवर्क कराया जा चुका है, लेकिन सड़क की बदहाली अब तक दूर नहीं हो सकी। लाखों खर्च कर बना फुटपाथ तीन माह में ही क्षतिग्रस्त होने पर अफसरों की किरकिरी हो रही है। इसके लिए विभागीय अफसर जलकल और टेलीकाम कंपनियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि बार-बार खुदाई करने की वजह से समस्या बनी है। इसको लेकर संबंधित विभागों से पत्राचार किया जा रहा है। दरअसल, मिट्टी बैठने की वजह से फुटपाथ कई जगह धंस गया है।

सिटी स्टेशन के पास बदहाल पड़ा फुटपाथ। ● अमृत विचार

- **निर्माण पर खर्च हुए थे लाखों रुपये, अफसरों का ध्यान नहीं**
- **चौपुला से सिटी स्टेशन जाने वाले रोड के किनारे बना था फुटपाथ**

> टेलीकाम कंपनी और जलकल विभाग वाले जब मनचाह, तब खुदाई करके चले जाते हैं। कई जगह गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं। दोनों को पत्र लिखा गया है कि वे खुदाई वाले स्थान को समतल कराएं। वरना उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्च स्तर पर पत्र लिखा जाएगा।
> **-भगत सिंह**, एक्सईएन, प्रांतीय खंड

बीडीए ने ब्लिंकिट के गोदाम को सील किया

गोदाम को सील करती बीडीए की टीम। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : रामपुर गार्डन में बिना नक्शा पास कराए संचालित ब्लिंकिट कंपनी के गोदाम को शुक्रवार को बीडीए ने सील कर दिया।

बीडीए अफसरों के अनुसार कारोबारी शिव कुमार अग्रवाल ने 500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में टिनशेड डालकर गोदाम बनाकर कारोबार शुरू कर दिया। निर्माण से पहले न तो बीडीए से कोई नक्शा पास कराया गया और न ही अनुमति ली गई। शुक्रवार दोपहर को बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता अजीत कुमार साहनी, संदीप कुमार और प्रवर्तन टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण पर कार्रवाई करते हुए गोदाम को सीन कर दिया।

डेलापीर तालाब से हटेगा अतिक्रमण आधा दर्जन मकानों पर लगाए निशान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: डेलापीर तालाब की भूमि पर अतिक्रमण करने वाले करीब आधा दर्जन भवनों को नगर निगम ने चिह्नित कर लिया है। नगर निगम अतिक्रमण कर बनाए गए भवनों और दीवार को हटाएगा। जिन भवनों को हटाया जाएगा, उनपर लाल निशान लगा दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए हैं कि अतिक्रमण लोग खुद हटा लें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम की टीम ने तालाब की सीमांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली और अतिक्रमण वाले करीब आधा दर्जन मकानों की दीवार पर लाल निशान लगा दिए। निगम के सूत्रों के मुताबिक डेलापीर तालाब बरसों से अतिक्रमण की चपेट में है। स्थानीय लोगों ने वहां पक्के निर्माण कर लिए हैं, जिससे तालाब का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। अब नगर निगम ने राजस्व विभाग के सहयोग से सीमांकन कर यह स्पष्ट कर दिया है कि तालाब की कितनी भूमि पर कब्जा किया गया है। अब लाल निशान लगने के बाद अतिक्रमणकारियों में खलबली मच गई है। नगर निगम ने अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी है कि स्वयं ही अतिक्रमण हटाएं, अन्यथा जल्द ही बुलडोजर चलाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि जल स्रोतों के संरक्षण के लिए अतिक्रमण हटाना जरूरी है।

चिह्नित मकानों पर लगाए गए लाल निशान। ● अमृत विचार

- **नगर निगम ने दी चेतावनी, खुद हटा लें, अन्यथा चलेगा बुलडोजर**

> डेलापीर तालाब की भूमि पर कब्जा हटाया जाएगा। इसको लेकर अतिक्रमण चिह्नित कर लिया गया है। अगर लोग स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाते हैं, तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> **संजीव कुमार मौर्य**, नगर आयुक्त

चीफ इंजीनियर ने किया पुलों का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर में 500 मीटर और इससे अधिक लंबाई वाले पुलों की जांच की**
- **एसई और एक्सईएन ने भी किया निरीक्षण, दावा- अब तक जांच में कहीं नहीं मिली कोई कमी**

अमृत विचार: गुजरात के वडोदरा में पुल ढहने की घटना के बाद अफसर अलर्ट मोड पर हैं और पुल व पुलियों का निरीक्षण शुरू कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के चीफ इंजीनियर अजय कुमार ने शुक्रवार को छह पुलों का निरीक्षण किया। वहीं, एक्सईएन आदि ने भी सात पुलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने दावा किया कि जिन पुलों का निरीक्षण किया गया है, उनमें कोई बड़ी कमी नहीं मिली है।

चीफ इंजीनियर अजय कुमार ने बताया कि बारिश के सीजन में हर साल पुलों का सेफ्टी ऑडिट कराया जाता है। गुजरात हादसे को लेकर सतर्कता और बढ़ा दी गई है। 50 वर्ष पुराने सभी पुलों की सूची तैयार करने के साथ ही बरेली मंडल के चारों जिलों में इंजीनियरों ने जांच शुरू कर दी है। शाहजहांपुर में 500 मीटर लंबा कोलाघाट पुल, बदायूं के रामगंगा नदी पर बना 650 मीटर लंबा मूड़ा पुख्ता पुल, बदायूं-दातागंज मार्ग पर खेड़ा बझेड़ा में बना 1100 मीटर लंबा पुल, गढिया रंगीन रोड से लाभारी के बीच बना 577 मीटर लंबा पुलों का निरीक्षण किया है। बरेली में 500 से 525 मीटर लंबाई के दो पुलों का निरीक्षण किया। इनमें गुलड़िया व शिवपुरी-मदनापुर के बीच कैलाशमढ़ी के पास रामगंगा नदी पर बने पुल शामिल हैं।

शाहजहांपुर में पुल का निरीक्षण करते पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर अजय कुमार।

निगरानी : इज्जतनगर मंडल में 34 रेलवे क्रॉसिंग पर लगे कैमरे

बरेली, अमृत विचार : रेलवे ट्रैक की निगरानी के लिए इज्जतनगर मंडल की 34 क्रॉसिंग पर उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं।

दरअसल, कुछ समय पहले पूर्वोत्तर रेल प्रशासन ने मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर सभी मंडलों को कैमरे लगाने के निर्देश दिए थे। इज्जतनगर मंडल ने 34 क्रॉसिंग पर कैमरे लगा दिए हैं। इन कैमरों के माध्यम से न केवल मानवरहित क्रॉसिंग पर हो रही गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि दुर्घटना या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी संभव होगी। फुटेज की रिकॉर्डिंग से दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करना और भविष्य की रोकथाम की दिशा में ठोस कदम उठाना भी आसान होगा।

जिले के 35 गांव भी भरेंगे बीडीए का खजाना

इन गांवों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद जल्द अधिसूचना जारी होने की संभावना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जल्द ही बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) का दायरा गांव तक भी पहुंचने वाला है। जिले के 35 गांव अब बीडीए के कार्य क्षेत्र में शामिल होंगे। हालांकि इन गांव में बीडीए के स्तर से कई विकास कार्य भी कराए जाएंगे इसके साथ ही इन गांवों से बीडीए को राजस्व भी मिलेगा। इन गांवों को शामिल करके क्षेत्र विस्तारित करने की कवायद बीडीए ने शुरू कर दी है।

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की महायोजना की मंजूरी के साथ ही इन 35 गांवों को भी इसमें शामिल करने की स्वीकृति शासन स्तर से दे दी गई है। शासनादेश जारी होने में देरी से बीडीए इन गांवों में विकास कार्य नहीं करा पा रहा है। बीडीए अफसर जल्द ही शासन से अधिसूचना जारी होने की संभावना जता रहे हैं। इससे इन गांवों में विकास कार्यों को रफ्तार मिल सकेगी।

इन गांवों को किया गया शामिल : अफसरों के अनुसार, लहवरी, भगवतीपुर, कमुआ कलां, नरोत्तम नगला, भीकमपुर माफी, अखा एहतमाली, अखा मुस्तकिल, कोहनी परतापुर, मजनूपुर, भोजपुर, रफियाबाद, कैमुआ, सरदार नगर, चाढ़पुर, आलमपुर जाफराबाद, नवदिया, बढ़रई कुइयां, मिलक मंशारामपुर, वाहनपुर, दहलऊ, समोची, खमरिया, वाहनपुर, जेड़, मेगीनगला, गौसगंज सराय, नौगवां, उदयपुर मोहनलाल, सराय पट्टी सब्दलपुर, सरकड़ा, इनायतपुर, मकसूदनपुर, रसुइया, नवदिया देहा जब्ती, मटिया नगला गांव बीडीए में शामिल होंगे।

- **इन गांव में निर्माण करने से पहले पास कराना होगा बीडीए से नक्शा पुराने भवनों की होगी कंपाउंडिंग बीडीए का बढ़ेगा राजस्व**
- **शासनादेश जारी होने में देरी की वजह से बरेली विकास प्राधिकरण इन गांवों में विकास कार्य नहीं करा पा रहा**

बढ़ेगा दायरा, गांवों में होगा विकास

दरअसल, बीडीए के क्षेत्र में शामिल होने के बाद इन 35 गांवों में नया निर्माण कराने से पहले बीडीए से नक्शा पास करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही जो भी पुराने भवन बने हुए हैं इनकी कंपाउंडिंग भी करानी होगी, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीणों को भी इसका काफी फायदा होगा। बीडीए के स्तर से शहरी मानकों के अनुसार सड़कें, पार्क और सौंदर्यीकरण समेत अन्य विकास कार्य भी कराए जाएंगे।

> महायोजना के अंतर्गत ही 35 गांवों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है, इससे गांव में कई विकास कार्य भी प्रस्तावित हैं। शहर में हो रहे विकास की तरह यहां कार्य होंगे।
> **- डॉ. मणिकंडन ए**, वीसी, बीडीए

जोगी नवादा : कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने बरसाए फूल

गंगा जमुनी तहजीब : जहां कभी कांवड़ यात्रा जुलूस निकालने पर बसरते थे पत्थर, आज कांवड़ियों का किया गया फूल-मालाओं से स्वागत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

जोगी नवादा में शुक्रवार को कांवड़ियों का स्वागत करते दूसरे समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

- शाहनूरी मस्जिद के बगल से डीजे संग निकला कांवड़ियों का जत्था
- सीओ, इंस्पेक्टर के साथ तैनात रही पीएसी तथा पुलिस फोर्स

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र स्थित जोगी नवादा में शुक्रवार को एक बार फिर गंगा जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिली। कुछ दिन पहले मोहर्रम पर दूसरे समुदाय के लोगों ने ताजियेदारों पर फूल बरसाये थे और माला पहना कर स्वागत किया था। वहीं, अब कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने पुष्प वर्षा कर और माला पहना कर सौहार्द का परिचय दिया। इसके बाद कांवड़ियों का जत्था शाहनूरी मस्जिद के सामने से डीजे संग निकल गया। हालांकि एहतियात के तौर पर इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात रही।

जोगी नवादा स्थित शाहनूरी मस्जिद के पास कांवड़ियों के जत्थे को लेकर अभिनंदन शर्मा पहले पहुंचे। यहां पर पहले से मौजूद दूसरे समुदाय के लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इसके बाद पुलिस और कांवड़ियों को माला पहना कर स्वागत किया।

दो समुदायों में सौहार्द बढ़ाने में पुलिस अधिकारी लगातार कवायद में लगे थे। इसका नतीजा रहा कि पत्थर बरसने वाली जगह पर फूल बरस रहे थे। जोगी नवादा में दो साल पहले कांवड़ यात्रा के दौरान खासा बवाल हुआ था। तब तत्कालीन एसएसपी प्रभाकर चौधरी का तबादला कर थानेदार समेत कई को निलंबित किया गया था। अब माहौल बेहतर हुआ है। पिछले सप्ताह ताजिया निकलने के दौरान मौर्य गली में हिंदू पक्ष के लोगों ने स्वागत में फूलों की वर्षा की थी। माला पहनाकर ताजियेदारों का स्वागत किया था।

पुलिस प्रशासन ने पूरी तरह बरता एहतियात

जोगी नवादा में पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी लगातार नजर बनाए रहे। कोई विवाद न हो, इसलिए पुलिस अलर्ट रही। एहतियात के तौर पर इलाके में फोर्स की संख्या भी बढ़ाई गई थी। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव और बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने टीम के साथ डेरा डाल रखा था। इसके साथ ही जुलूस निकलने के दौरान कोई विवाद न खड़ा हो इसलिए जुमा की नमाज के बाद जब नमाजी चले गए तब कांवड़ियों का जत्था निकाला गया।

हरिद्वार के लिए रवाना हुए कांवड़िये

जोगी नवादा में शाहनूरी मस्जिद के पास से शुक्रवार को कांवड़ियों का पहला जत्था डीजे के साथ निकला। शिवनंदन शर्मा के इस जत्थे में शामिल कांवड़िये गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार को रवाना हुए। वहां से गंगाजल लाकर सावन के पहले सोमवार को शहर के प्रमुख शिवालयों पर जलाभिषेक करेंगे।

अपने वायदे पर कायम रहे दोनों पक्ष : पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ से यह बदलाव संभव हो सका। मुहर्रम से पहले ही जोगीनवादा में लगातार पीस कमेटी की बैठकें की गईं। जिनमें दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। पुराने गिले-शिकवे दूर हुए और तय किया गया कि इस बार नफरत नहीं, सिर्फ मोहब्बत दिखेगी। स्थानीय निवासी मोहम्मद सैफ ने कहा त्योहार आपसी मोहब्बत और मिल-जुल कर रहने का नाम है। आज जो हुआ, वह नई पीढ़ी के लिए मिसाल बनेगा।

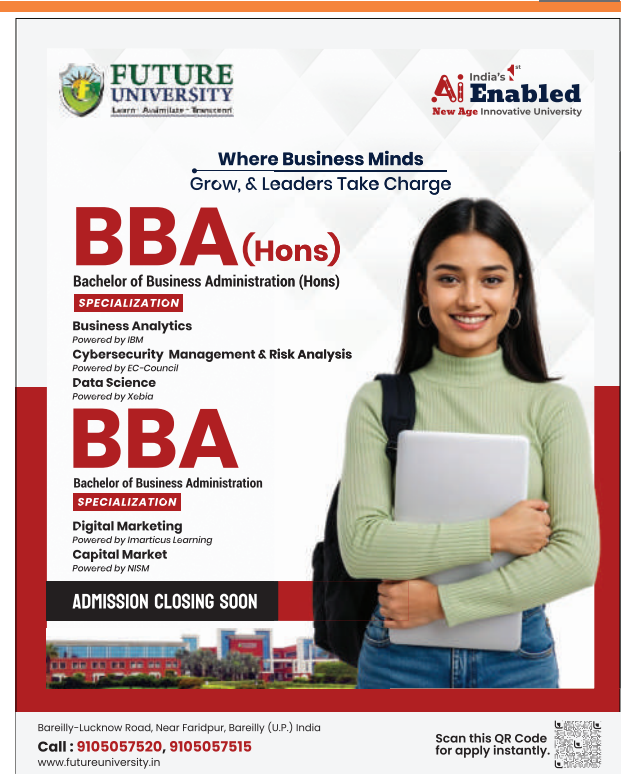

श्रावण मासः जिला 3 सुपर जोन में बांटा, उपद्रवियों पर नजर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एसएसपी ने कैंप कार्यालय पर बैठक कर पुलिस अफसरों को दिए निर्देश

अमृत विचार : श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कैंप कार्यालय पर शुक्रवार को अफसरों के साथ बैठक की। जिसमें जिले को तीन सुपर जोन में बांटते हुए खुराफातियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि कांवड़ियों के जत्थे के साथ पुलिस बल रहेगा।

कांवड़ियों की तरफ से कहीं पर रेलवे लाइन असुरक्षित तरीके से क्रास करने की संभावना हो तो उसे भी चिह्नित करें। ऐसे स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाए। सुरक्षा के मद्देनजर जिले को तीन सुपर जोन में विभाजित किया गया है, जिसमें सुपर जोनल ऑफिसर एडिशनल एसपी, जोनल ऑफिसर सीओ, 28 सेक्टर में थाना प्रभारी, 166 सब सेक्टर में चौकी प्रभारी शामिल हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को नाथ परिक्रमा के कार्यक्रम के तहत रूट पर व्यवस्थित यातायात के लिए एक निरीक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कांवड़ यात्रा के प्रमुख रूट पर पुलिस चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं।

कावड़ यात्रा के मार्ग में जहां कहीं भी डिवाइडर में कट बने हुए हैं, उनको बंद कराया गया है। साथ ही वहां पर पुलिस तैनात की गई है। कांवड़ रूट पर ग्रामीण क्षेत्र में जहां सड़कों पर प्रकाश की उचित व्यवस्था नहीं है, वहां पर प्रकाश की व्यवस्था संबंधित विभाग से समन्वय कर व्यवस्था कराई जा रही है। कांवड़ यात्रा के मार्ग में जहां पर अभी कैमरों की आवश्यकता है, उन सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं।अंतरजनपदीय सीमाओं पर संवेदनशील स्थानों पर अस्थाई पुलिस चौकी भी बनाई जा रही हैं। कांवड़ रूट पर पुलिस सहायता के लिए पुलिस इन्फोलाइन नंबर (0581-2990445, 2990446, 2990447, 2990448, 2990449, 2990450) उपयुक्त स्थानों पर अंकित कराए जा रहे हैं। यात्रा के रूट पर मीट की दुकानें, होटल, ढाबों को बंद कराया गया है।

एक नजर

कार के शीशे तोड़ कर चोरों ने पार किया सामान

बरेली, अमृत विचार : सेटेलाइट चौकी क्षेत्र में पीलीभीत बाईपास पर खुशी भोजनालय ढाबे पर खाना खाने आए एक कंपनी मैनेजर की कार के शीशे तोड़कर चोरों ने लैपटाप समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। थाना बारादरी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शिव गार्डन कालोनी, डोहरा रोड निवासी आयुष गुप्ता ने बताया कि वह हैवल्स कंपनी में एरिया मैनेजर हैं। 3 जुलाई की शाम 7 बजे खाना खाने के लिए खुशी भोजनालय पर आए थे। खाना खाने के बाद वापस कार के पास आए तो देखा कि कार के शीशे टूटे हुए थे। जिसमें से तीन चार्जर, आईफोन, लैपटप, दो मोबाइल फोन समेत जरूरी दस्तावेज चोरी थे। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

घर में घुसकर युवती से शादी करने का बनाया दबाव, रिपोर्ट

सीबीगंज, अमृत विचार : सीबीगंज थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर युवक ने उसका फोटो ले लिया और उसकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। उसके बाद घर में घुसकर जबरन शादी करने का दबाव बनाया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसने नदोसी गांव निवासी इरफान से एक इन्वर्टर खरीदा था। इरफान की दुकान बंडिया अड्डे पर थी। इसके बाद उसने उसके घर आना शुरू कर दिया। उसकी बेटी से प्यार भरी बातें कर उसका फोटो लिया फिर उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। 7 जुलाई को उसकी बेटी घर पर अकेली थी। वह घर में घुस आया और बेटी से जबरन शादी करने का दबाव बनाने लगा और जान से मारने की धमकी दी। युवती की मां ने इरफान के घर शिकायत की तो इरफान, उसके भाई और पिता ने उसके साथ मारपीट की।

सावन में थी खुराफात की योजना पांच पर गैंगस्टर, दो किए गिरफ्तार

सीबीगंज पुलिस ने जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर आबिद के बेटे और भाइयों पर भी लगाई गैंगस्टर

कार्यालय संवाददाता, बरेली/ सीबीगंज

गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेजा। ● अमृत विचार

- हिस्ट्रीशीटर आबिद मौजूदा समय जेल में, पुलिस ने भाई समेत दो को भेजा जेल
- आबिद जेल से संचालित कर रहा गिरोह, धमकाकर वसूलते थे रंगदारी

अमृत विचार : सीबीगंज थाना क्षेत्र में कई वर्षों से खौफ का पर्याय बने हिस्ट्रीशीटर आबिद अली समेत पांच लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हुई है। जेल में बंद आबिद वहीं से गैंग को संचालित कर रहा है। इन सबकी योजना सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी खुराफात करने की थी। इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार सिंह ने आबिद अली को गैंग लीडर बनाते हुए उनके भाई और बेटे समेत गिरोह में चार सदस्यों को शामिल किया है। मौजूदा समय में हिस्ट्रीशीटर आबिद जेल में बंद है। वहीं, पुलिस ने शुक्रवार को अमीर शाह और भाई वाजिद अली को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सीबीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम कांवड़ यात्रा के दौरान इलाके में गश्त कर रही थी। इसी बीच कुछ स्थानीय लोगों ने इस गिरोह की जानकारी दी। जांच में सामने आया कि अटरिया गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर आबिद अली अपने भाई वाजिद अली, नासिर अली, बेटे सोहिल अली और अमीर शाह के साथ मिलकर संगठित गिरोह चला रहा था। ये लोग इलाके में दबंगई, मारपीट, धमकी, रंगदारी और हमला कर सीधे साधे लोगों से रंगदारी मांगते हैं।

पुलिस के अनुसार आबिद हत्या के प्रयास के मामले में पहले से ही जेल में बंद है। जो गिरोह को जेल से चला रहा है। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया था कि गिरोह के लोग सावन माह में कांवड़ के दौरान बवाल करने की फिराक में हैं और यह क्षेत्र में दहशत फैलाने का काम कर रंगदारी वसूलते हैं। सूचना के बाद सक्रिय हुई सीबीगंज पुलिस ने गुरुवार की रात हिस्ट्रीशीटर के भाई वाजिद अली और अमीर शाह को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया।

हिस्ट्रीशीटर को हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत

गिरफ्तार कर जेल भेजा गया हिस्ट्रीशीटर आबिद अली ने अपनी जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी, लेकिन कोर्ट ने उसे हिस्ट्रीशीटर मानते हुए याचिका खारिज कर दी। गिरोह के लोग बाहर रहकर लगातार अपराध कर रहे थे। इसे देखते हुए पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई कर शिकंजा कसा है। गैंग के सरगना आबिद अली पर हत्या-लूट, रंगदारी समेत संगीन धाराओं में 34 आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। साथ ही हिस्ट्रीशीटर है।

> हत्या-लूट समेत 34 आपराधिक मुकदमे के आरोपी हिस्ट्रीशीटर समेत पांच बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अपराध करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सभी बदमाशों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।
> -अनुराग आर्य, एसएसपी

आरोपियों की संपत्ति होगी जब्त, तलाश शुरू

सीबीगंज पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ गैंग चार्ट तैयार किया। एसएसपी अनुराग आर्य ने हरी झंडी दिखाते हुए उसे मंजूरी के लिए जिलाधिकारी को भेजा। डीएम की अनुमति के बाद थाना प्रभारी ने सभी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई। सीबीगंज थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि गिरोह की गतिविधियां इलाके में लगातार बढ़ रही थीं। सभी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। जल्द ही आरोपियों की संपत्ति जब्त कराई जाएगी।

अध्यक्ष की नाराजगी के बाद हाईडिल कॉलोनी से हटाया अवैध कब्जा

बरेली, अमृत विचार : रामपुर गार्डन स्थित हाईडिल कॉलोनी में बिजली विभाग की भूमि पर बरसों से किए गए अवैध कब्जे को आखिरकार बिजली विभाग ने हटा दिया। पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष के गुरुवार को निरीक्षण के दौरान नाराजगी के बाद अतिक्रमण हटाया गया।

अध्यक्ष ने निरीक्षण के दौरान परिसर की स्थिति देखी तो पाया कि विभाग की भूमि पर कुछ लोगों ने बाड़बंदी कर निजी उपयोग के लिए जगह घेर रखी है। कुछ स्थानों पर अवैध निर्माण भी किया गया था, जिससे कार्यालय का मूल ढांचा और कार्यक्षमता प्रभावित हो रही थी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि थे विभाग की जमीन पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने तत्काल अतिक्रमण हटाने और परिसर को स्वच्छ व सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। अध्यक्ष की सख्ती के बाद शुक्रवार सुबह बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण हटा दिया। अधिकारियों की देखरेख में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कर्मचारियों ने बताया कि अतिक्रमण के कारण उन्हें पार्किंग और आवाजाही में परेशानी हो रही थी। अब उम्मीद जताई जा रही है कि परिसर की व्यवस्था पहले से बेहतर हो सकेगी।

पार्सल भेजने के बहाने 17 हजार की ठगी

कैंट, अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र में एक युवक से साइबर ठगों ने पार्सल भेजने के नाम पर 17 हजार रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नकटिया स्थित मारिया मीट फैक्ट्री में कार्यरत राशिद ने बताया कि 14 मई की शाम 5 बजे उसे एक फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि उसके नाम का जम-जम एयरपोर्ट से मुम्बई हेड क्वार्टर के लिए एक पार्सल आया है। पार्सल में आईफोन, रुपया समेत अन्य सामान है।

उन्हें पार्सल भेजने की बदले में ऑनलाइन रुपये भेजने होंगे। ठग ने झांसे में लेकर 17 हजार रुपये की ठगी कर ली। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिता से झगड़े के बाद एलएलबी की छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता, रिठौरा

- कुछ दिन पहले ही पिता के घर आई थी छात्रा, मां मायके में रहती हैं

अमृत विचार : पिता से झगड़े के बाद एलएलबी की छात्रा ने फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिखा (फाइल फोटो)।

थाना हाफिजगंज के गांव आसपुर हसन अली निवासी रामनाथ और उनकी पत्नी अनीता देवी में लंबे समय से अनबन चल रही थी। इस वजह से अनीता मायके में किराए के मकान में रहकर मजदूरी कर अपना और बच्चों का भरण-पोषण करती थी। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। कुछ समय पहले ही दोनों बेटे और बेटी शिखा गांव में पिता के घर आकर रहने लगे थे।

शिखा ने एक निजी कालेज में एलएलबी की पढ़ाई करने के लिए प्रवेश ले लिया था। गुरुवार को किसी बात को लेकर घर में बच्चों और पिता में झगड़ा हुआ। सूचना पर यूपी 112 पुलिस भी पहुंची थी। प्रधान ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला रफा-दफा करवा दिया। शुक्रवार को बेटी शिखा ने कमरे में लगे पंखे पर चुन्नी से लटक कर जान दे दी।

ग्रामीणों ने पुलिस और छात्रा की मां को फोन पर सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं घर पहुंची मां बेटी के शव को देखकर बेहोश हो गई।

आईवीआरआई के वैज्ञानिक को ठगने वाले दो और गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

पुलिस गिरफ्त में सेवानिवृत्त वैज्ञानिक से ठगी करने वाले। ● अमृत विचार

- सेवानिवृत्त वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे थे 1.29 करोड़ रुपये
- मिर्जापुर के रहने वाले हैं दोनों ठग चार पहले भेजे जा चुके हैं जेल

अमृत विचार : खुद को सीबीआई अधिकारी बता कर भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक शुकदेव नंदी को डिजिटल अरेस्ट कर 1.29 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मीरजापुर के थाना जमालपुर निवासी दीपू पाण्डेय और शुभम यादव के रूप में हुई है। पुलिस को दोनों से एक आई फोन, एक एंड्राइड फोन और तीन एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। इस मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

सेवानिवृत्त वैज्ञानिक को 16 जून को अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप कॉल और वीडियो कॉल की गई थी। कॉल करने वालों ने खुद को सीबीआई और बेंगलुरु पुलिस का अधिकारी बताया था और साथ ही कहा था कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल फर्जी सिम खरीदने और ह्यूमन ट्रैफिकिंग-जॉब फ्रॉड जैसे गंभीर मामलों में किया गया है। गिरफ्तारी का डर दिखाकर उन्हें धमकी दी गई और कहा गया कि केस से बचने के लिए फौरन ऑडिट कराना होगा। ऑडिट के नाम पर तीन अलग-अलग खातों में 1.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। रुपये मिलते ही गिरोह ने उसे 125 अलग-अलग खातों में घुमाया और फिर क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर अपने वॉलेट्स में भेज दिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग खाताधारकों से कमीशन पर बैंक खाते लेते हैं। ठगी के शिकार लोगों से वसूली गई रकम इन्हीं खातों में ट्रांसफर की जाती है। फिर रकम को दर्जनों खातों में ट्रांसफर कर छिपाया जाता है और आखिर में पूरी रकम क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर गिरोह के डिजिटल वॉलेट्स में भेज दी जाती है।

इस गिरोह के लोग दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, राजस्थान और यूपी जैसे राज्यों में फैले हैं। पुलिस इस मामले में पहले चार आरोपियों सुधीर कुमार चौरसिया, रजनीश द्विवेदी, श्याम कुमार वर्मा और महेंद्र प्रताप को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि साइबर ठगी से बचने का मात्र उपाय जागरूक और सतर्क रहना है।

यात्री सुविधाओं और संरक्षा के कार्यों को परखा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

मुरादाबाद से रोजा रेलखंड के बीच निरीक्षण करते डीआरएम। ● अमृत विचार

- डीआरएम ने मुरादाबाद से रोजा रेलखंड तक किया निरीक्षण

अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के रेल प्रबंधक राज कुमार सिंह ने शुक्रवार को मुरादाबाद से रोजा रेलखंड तक निरीक्षण किया। उन्होंने बरेली, शाहजहांपुर और रोजा स्टेशनों पर यात्रियों को मिल रहीं सुविधाओं और चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

निरीक्षण की शुरुआत कठघर स्टेशन से हुई, जहां उन्होंने तौल पुल के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीआरएम ने मूंढापांडे- दलपतपुर के बीच सेस रिपेयर कार्य का निरीक्षण किया। बरेली स्टेशन यार्ड में उन्होंने पॉइंट क्रासिंग एवं रेग पेकिंग कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया। प्लेटफॉर्म्स, बुकिंग कार्यालय, हिंदी लाइब्रेरी और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं को परखा। रेल कोच रेस्टोरेंट का भी निरीक्षण किया। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी प्रशांत शर्मा, वरिष्ठ मंडल अभियंता करन प्रीत सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण) सचिन कुमार, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (प्रथम) मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

मौसम स्टेशन संयंत्र को क्षतिग्रस्त कर सामान चोरी, रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र के चौबारी स्थित स्वचलित मौसम स्टेशन से चोरों ने रेन गेज बकेट (वर्षा मापी पात्र), अर्थिंग रॉड, फैंसिंग जाल और स्पोर्ट वायर चोरी कर लिया। इसके अलावा सिस्टम क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी वजह से मौसम स्टेशन पर 30 जून को बरेली में हुई बारिश वर्षा सर्वर पर नहीं दिखी। जब मौसम विभाग के एफई अमरीश कुमार ने 1 जुलाई को संयंत्र का स्थलीय निरीक्षण किया तो संयंत्र क्षतिग्रस्त पाया गया। अमरीश कुमार ने गुरुवार को चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जमीन दिलाने के नाम पर 23.50 लाख हड़पे

- आरोपी दोनों भाइयों ने रुपये लेकर रिश्तेदारों के नाम कर दी जमीन

बरेली, अमृत विचार : कोतवाली थाना क्षेत्र में युवक से जमीन दिलाने के नाम पर 23 लाख 50 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। पड़ोसी और उसके छोटे भाई ने पहले खेत दिखाया, फिर रिश्तेदारों को रजिस्ट्री कर दी। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर दो भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

रामपुर गार्डन हाइडिल कॉलोनी निवासी अमन रघुवंशी ने बताया कि उसने अपनी बहनों शिवानी वर्मा, प्रिया वर्मा और कोमल वर्मा के साथ मिलकर 7 मार्च 2019 को बदायूं के श्रीराम नगर कॉलोनी में स्थित मकान 19 लाख रुपये में बेचा था। इसके बाद रामपुर गार्डन निवासी विश्वजीत सिंह और उनके भाई अजीत सिंह ने उन्हें बिथरी चैनपुर क्षेत्र में खेत दिखाया और कहा कि इसमें आगे चलकर प्लाटिंग की जाएगी। उन्होंने खेत का सौदा 28 लाख रुपये में तय किया। आरोप है कि उसने 27 फरवरी 2019 को एक चेक से 4.50 लाख और 8 मार्च को एक और चेक से 8 लाख रुपये विश्वजीत सिंह को दिए। इसके अलावा अजीत सिंह को उसी दिन 11 लाख रुपये नकद दिए गए।

आरोप है कि इसके बाद दोनों भाइयों ने वह जमीन अपने रिश्तेदारों के नाम बैनामा करवा दी और अमन को आश्वासन दिया कि कहीं और जमीन दिला देंगे। कई बार कहने के बावजूद न तो कोई दूसरी जमीन दिलाई गई और न ही रुपये वापस किए गए। आरोपियों से जब भी रुपये मांगने गए तो गालीगलौज की गई। आरोप है कि दोनों भाइयों जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने 15 अप्रैल को कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया, लेकिन विश्वजीत और अजीत सिंह ने साफ इनकार कर दिया कि वह कोई पैसा नहीं लौटाएंगे।

जिले में 31 तक होगी पंचायत सहायकों के रिक्त पदों पर तैनाती

बरेली, अमृत विचार: पंचायत सहायक के रिक्त 30 पदों पर चयन प्रक्रिया इसी महीने पूरी हो जाएगी। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि जिले में 1188 ग्राम पंचायतें हैं। यहां तैनात 30 पंचायत सहायकों ने नौकरी छोड़ दी। इस वजह से पद खाली चल रहे थे। ग्राम पंचायतों के काम भी प्रभावित हो रहे थे। शासन के आदेश के बाद भर्तियां शुरू हो चुकी हैं और जल्द भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

क्यारा ब्लाक में एक, मझगवां में एक, बिथरी चैनपुर में दो, भोजीपुरा में आठ, भुता में तीन, रामनगर में पांच, शेरगढ़ में एक, दमखोदा में चार, नवाबगंज में दो और आलमपुर जाफराबाद में तीन पद पंचायत सहायकों के रिक्त चल रहे थे। 30 जून तक आवेदन लिए गए। आवेदन के सत्यापन होने के बाद अब भर्ती प्रकिया चल रही है। 31 जुलाई तक सभी पद भर जाएंगे। इसके बाद जो काम प्रभावित हो रहे थे, वह भी समय से हो जाएंगे।

बोले जनप्रतिनिधि, अफसर हमारी नहीं सुनते तो जनता की क्या सुनेंगे

दिशा की बैठक में राशन और पानी जैसे मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों ने अफसरों को घेरा, अफसरों पर हर बार बैठक में झूठे आंकड़े पेश करने के भी लगाए आरोप

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में पेंशन, बिजली, पानी, स्वास्थ्य जैसे कई मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों ने अफसरों को सवालों में घेरा। प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के दौरान विधायकों और ब्लॉक प्रमुखों ने कहा कि सरकार की सभी योजनाएं कागजों में दुरुस्त हैं, मगर असलियत में हाल बदहाल है। मुख्यालय पर बैठे अफसर हमारी शिकायत तक नहीं सुनते तो जनता की क्या सुनेंगे। किसी को कार्यालय भेजो तो भी टालमटोल कर देते हैं।

विकास भवन सभागार में शुक्रवार को हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद छत्रपाल गंगवार ने मनरेगा, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ, पीएम आवास (ग्रामीण) आदि योजनाओं की समीक्षा की। जल कल विभाग की समीक्षा के दौरान सहायक अभियंता ने पाइप लाइन डालने को खोदी गई गलियों को पक्का कराने का आंकड़ा बताने का जमकर विरोध हुआ। बिथरी के ब्लॉक प्रमुख पति हरेंद्र पटेल, भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि गंगवार, जिपं सदस्य सतेंद्र यादव आंकड़े फर्जी बताते हुए हमलावर हो गए और साक्ष्य दिखाने की मांग की। डीएम से कहा, विभाग के लोगों ने परेशान कर रखा है। हर बैठक में उखड़ी सड़कों का मुद्द उठाते हैं, इन पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। हरेंद्र पटेल और रवि गंगवार ने अपने क्षेत्र के कई गांव के नाम बताए, जहां सड़कें सालों से उधड़ी पड़ी हैं। इस पर सांसद ने एई से कहा कि जिन सड़कों की मरम्मत हो चुकी है। उसकी सूची मीटिंग में उपलब्ध कराएं।एई सूची नहीं दिखा सके। डीएम ने सूची जनप्रतिनिधियों को शाम तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बिथरी ब्लॉक में तैनात बीएमएम इकरा पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र पटेल ने डीसी एनआरएम को घेरा तो वह चुप्पी साध गए। बैठक में जिपं अध्यक्ष रश्मि पटेल, मेयर डा. उमेश गौतम, एमएलसी कुंवर महराज सिंह, विधायक अताउर्रहमान, राघवेंद्र शर्मा, डीएम अविनाश सिंह, सीडीओ देवयानी, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्या, एआरटीओ पीके सरोज, पीडी चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, डीपीआरओ कमल किशोर मौजूद रहे।

विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक लेते सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष व मेयर। ● अमृत विचार

पीओ डूडा बताएं, अपात्रों पर क्यों दर्ज नहीं हुई एफआईआर

शेरगढ़ में 85 अपात्रों को पीएम आवास योजना का लाभ देने का मामला दिशा की बैठक में फिर उठा। मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने कहा कि अपात्रों के नाम पता चल चुके हैं, लेकिन इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस पर विधायक डा. एमपी आर्य ने डीएम से कहा कि कार्रवाई केवल अपात्रों पर ही नहीं, जिन्होंने अपात्रों का चयन किया है उन पर भी करने की बात पिछली बैठक में कही गई थी। इस पर डीएम ने शीघ्र दोषियों पर कार्रवाई की बात कही।

प्रो. श्याम बिहारी बोले बैंक वाले तो सिर्फ दलालों की सुनते हैं

फरीदपुर विधायक प्रो. डॉ. श्याम बिहारी ने कहा कि पीएम आवास समेत कई योजनाओं पर दलाल हावी हैं। उन्हीं के जरिये सारे काम होते हैं। बैंकों में अफसर भी दलालों से खुश रहते हैं। कहा कि लोन से जुड़े किसी काम के लिए जब काश्तकार बैंक जाता है, तो उसे शाम चार बजे तक बैठाया जाता है। बैंक वाले केवल चक्कर पर चक्कर लगवाते हैं। यही कारण है सरकार की योजनाएं धरातल पर नहीं उतर रहीं। सांसद छत्रपाल गंगवार ने एलडीएम को निर्देश दिए कि फरीदपुर की जिला सहकारी बैंक में घोटाला पकड़ा गया है। उसकी अन्य शाखाओं की भी वह अपने स्तर से जांच कराएं।

एमपी आर्य बोले-अफसरों ने सभी सीमाएं पार कर दीं

नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्या अफसरों पर जमकर बिफरे। बोले, उनके बार-बार पत्र लिखने और फोन करने के बाद भी अफसर अनसुनी कर देते हैं। डीसी एनआरएम ने तो हद की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। उनके क्षेत्र की एक समूह से जुड़ी महिला के चरित्र पर सवाल उठाते हुए किसी अज्ञात व्यक्ति ने झूठी शिकायत की। खास बात तो यह है शिकायत करने वाले की पहचान नहीं हो सकी है, फिर भी डीसी एनआरएम महिला के पीछे पड़े हैं। पूर्ति विभाग के अफसरों को लेकर कहा कि पात्रों को छोड़ अपात्रों पर ध्यान दे रहा है। एक ही परिवार के चार लोगों के अलग-अलग राशन कार्ड बन गए हैं, जबकि जो पात्र हैं वह दौड़ भाग कर रहे हैं। इस पर फरीदपुर और मीरगंज विधायक ने भी पूर्ति विभाग के अफसरों को आड़े हाथ लिया। कहा कि इनकी मनमानी से पात्र अपात्र हैं और अपात्र पात्र बनकर गरीबों का निवाला डकार रहे हैं।

ब्लॉक प्रमुख बोले- डीसी मनरेगा 4 साल से लटकाए जांच

आलमपुर जाफराबाद के ब्लॉक प्रमुख वेद प्रकाश यादव ने कहा कि उनके क्षेत्र में एक स्कूल में घटिया सामग्री का उपयोग कर बनाई गई बाउंड्रीवाल बनने के छह महीने के बाद ही गिर गई थी। तत्कालीन डीसी मनरेगा गंगाराम वर्मा ने शिकायत के बाद जांच कराई। मामला सही पाए जाने पर रिकवरी के आदेश हुए, लेकिन वर्तमान डीसी मनरेगा इस मामले को दबा गए। ब्लॉक प्रमुख ने दिव्यांगों को बांटने के लिए आए 26 लाख के उपकरण न बंटने पर समाज कल्याण अधिकारी को घेरा।

चीफ इंजीनियर को तलब करेंगे, एक्सईएन के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाएंगे

सालों से बदहाल बिथरी से मेहतरपुर करोड़ जाने वाली तीन किमी लंबी सड़क को लेकर पीडब्ल्यूडी के अफसरों को फरीदपुर विधायक ने जमकर खरी खोटी सुनाई। कहा उनके क्षेत्र की सड़कें सालों से बदहाल हैं। बिथरी से मेहतरपुर करोड़ वाली सड़क पर चाहें विशेष मरम्मत का काम कराया जाए या फिर सड़क फिर से बनाई जाए। दोनों में एक भी काम नहीं हुआ तो अगली बैठक में एक्सईएन के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास करेंगे। यही नहीं, चीफ इंजीनियर को भी तलब करेंगे।

कर्बला वालों के गम में दिल से शरीक होना चाहिए

बरेली, अमृत विचार : हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के 72 शहीदों की याद में शिया समुदाय में अजादारी का सिलसिला जारी है। इमामबाड़ों में मजलिस और मातम का आयोजन हो रहा है। इंग्लिशगंज स्थित इमामबाड़ा मरहूम यावर रिजवी में आयोजित मजलिस में मौलाना काजिम असकरी नजफी ने कहा कि हमें कर्बला वालों के गम में दिल से शरीक होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब हम फर्श-ए- अजा पर आएं तो दिलों को साफ रखकर और नीयत के साथ आएं। हजरत इमाम हुसैन ने इस्लाम की रक्षा और इंसानियत की भलाई के लिए अपने पूरे परिवार की कुर्बानी दी। कर्बला की शहादत हमें हक और बातिल के फर्क को समझने का पैगाम देती है। कहा कि हिंदुस्तान की खासियत है कि यहां हर मजहब के लोग हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी का सम्मान करते हैं। अजादारी के साथ हमें नमाज की पाबंदी भी करनी चाहिए। हमें अपने बच्चों को दीनी और दुनियावी दोनों प्रकार की शिक्षा देनी चाहिए।

गुलदस्ता ए हैदरी ने की अजादारी

ऑल इंडिया गुलदस्ता ए हैदरी के मीडिया प्रभारी शानू काजमी ने बताया कि स्वालेनगर स्थित शिया कर्बला में जॉन रिजवी की ओर से अशरे की मजलिस सुबह 8:30 बजे से शुरू होती है, जबकि इंग्लिशगंज स्थित इमामबाड़ा मरहूम यावर रिजवी में रात्रि मजलिस 8:30 बजे होती है। उन्होंने बताया कि इमामबाड़ा, छिद्धि मुहम्मद, कंघीटोला में गुलदस्ता ए हैदरी की ओर से नौहख्वानी की गई। वहीं, जफर अब्बास रिजवी सैफी की ओर से अली कॉलोनी लीचीबाग में आयोजित अशरे में भी गुलदस्ता ए हैदरी ने नौहख्वानी कर इमाम हुसैन की शहादत को याद किया।

- **इमामबाड़े में हुई मजलिस में बोले मौलाना काजिम असकरी नजफी**

चुनाव न कराने पर मेगा ड्रीम होम्स सोसायटीवासियों में आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **अध्यक्ष और सदस्यों के खाली पदों पर अपने चहेतों को कर दिया मनोनीत**
- **नायब तहसीलदार के निर्देश के बावजूद आम सभा की नहीं बुला रहे बैठक**

अमृत विचार : मेगा ड्रीम होम्स रेजीडेंसी वेलफेयर सोसायटी के अध्यतक्ष समेत अन्य खाली पदों पर चुनाव कराने के संबंध में बैठक न बुलाने पर कॉलोनीवासियों में आक्रोश है। आरोप है कि नायब तहसीलदार भोजीपुरा के सोसायटी की आम सभा की बैठक बुलाने के दो-दो आदेशों के बावजूद बैठक नहीं बुलाई जा रही है। कालोनीवासी अब डीएम से शिकायत का मन बना रहे हैं।

मेगा ड्रीम होम्स रेजीडेंसी वेलफेयर सोसायटी के चुने हुए अध्यक्ष शिवनाथ सिंह और कुछ सदस्यों ने नवम्बर 2024 में त्यागपत्र दे दिया था। समिति के नियमों के अनुसार खाली पदों पर चुनाव कराना चाहिए था, लेकिन अन्य पदाधिकारियों ने चुनाव न कराकर नियम विरुद्ध तरीके से अध्यक्ष और सदस्य के पदों पर अपने चहेते लोगों को मनोनीत कर दिया। इस अनियमितता के विरुद्ध कॉलोनी निवासियों ने सहायक रजिस्ट्रार चिट्स एवम सोसायटीज में साक्ष्यों के साथ शिकायत की।

आरोप सही पाए जाने पर सहायक रजिस्ट्रार ने तहसीलदार की देख-रेख में रिक्त पदों पर चुनाव कराने का आदेश किया। तहसीलदार सदर ने नायब तहसीलदार भोजीपुरा को चुनाव अधिकारी नामित करते हुए समिति के चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए थे। तहसीलदार के निर्देश पर नायब तहसीलदार ने समित के सचिव को पत्र जारी करते हुए 6 जुलाई को सोसायटी की साधारण सभा की बैठक बुलाने के निर्देश दिए थे। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि नायब तहसीलदार के निर्देश के बावजूद सोसायटी की साधारण सभा की बैठक नहीं बुलाई गई। इसके बाद नायब तहसीलदार ने 13 जुलाई को बैठक बुलाने के लिए सोसायटी के सचिव को पत्र जारी किया। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि सोसायटी के संबंधित जिम्मेदार अब भी चुनाव के लिए बैठक बुलाने के लिए कोई पहल नहीं कर रहे हैं और चुनाव न कराकर मनमर्जी पर उतारू हैं। इसे लेकर कॉलोनीवासियों में आक्रोश है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि अगर इस बार निर्धारित समय पर बैठक नहीं बुलाई गई तो जिलाधिकारी से शिकायत करके कार्रवाई की मांग की जाएगी।

होटल मैनेजमेंट के छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

बरेली, अमृत विचार : नारायण कॉलेज के होटल मैनेजमेंट विभाग के सौ छात्रों का प्लेसमेंट सफलतापूर्वक हो चुका है। संस्थान की निदेशक कीर्तिका धोनी ने बताया कि 90 प्रतिशत छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट 5 स्टार होटल में हुआ है। होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में जॉब बहुत निकल रही हैं, मगर ट्रेंड लोग बहुत कम हैं। प्लेसमेंट अधिकारी अपूर्वा सक्सेना ने बताया कि इस क्षेत्र में नौकरियां विदेश में भी हैं। प्रबंध निदेशिका देवयानी ने बताया कि इन छात्रों का प्लेसमेंट दिल्ली, मुंबई, जयपुर, बेंगलुरु, हैदराबाद, गोवा, अयोध्या, पुणे, लखनऊ, देहरादून, वड़ोदरा आदि शहरों में हुआ है।

संस्कृत प्रतिभा खोज के आवेदन 2 अगस्त तक

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने संस्कृत खोज प्रतियोगिता के लिए महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं। इसके तहत 6 से परास्नातक के बच्चों को 2 अगस्त तक आवेदन करना है।

ओमेगा क्लासेस में नीट के स्पेशल बैच आज से शुरू होंगे

बरेली, अमृत विचार : ओमेगा क्लासेस के एमडी मो. कलीमुद्दीन ने बताया कि नीट-2026 की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए स्पेशल बैच 12 और 26 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। इनमें सीमित सीटें हैं। लिहाजा, इन बैचों में एडमिशन लेने वालों को विशेष छूट परिस्थितियों के हिसाब से शत प्रतिशत दी जा रही है। इसके अलावा दो टेस्ट सीरीज चल रही हैं। एक नई टेस्ट सीरीज अगस्त से शुरू होगी। दोनों के अलग-अलग बैच लगते हैं। दावा किया कि ओमेगा क्लासेस मंडल में प्रथम स्थान पर अपनी जगह बना चुका है।

गुरु का किया गया सम्मान

बरेली, अमृत विचार : अनुश्रुति संगीत महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व उत्साह और भक्ति भाव से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना से की। इसके अलावा कबीर के दोहे व गुरु भजन अलग-अलग राग में गाए। वृंदावन से आए अध्यात्म गुरु स्वामी ब्रिज किंकर का सम्मान किया गया। अध्यक्षता पूनम आहूजा ने की। इस दौरान विद्यार्थी और शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

डीएम ने सोलर इंवर्टर का किया उद्घाटन

बरेली, अमृत विचार : जायंट्स ग्रुप बरेली की ओर से भमोरा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में स्थापित सोलर इंवर्टर का उद्घाटन शुक्रवार को डीएम अविनाश सिंह ने किया। शिक्षकों और छात्रों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन हुआ। डॉ. रितु राजीव और डॉ. सोमेश मेहरोत्रा ने सीपीआर की हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी और जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी। डीएम ने जायंट्स ग्रुप के कार्य की सराहना की। अध्यक्ष डॉ. राजीव गोयल ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और सतत ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग देना है। डायरेक्टर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन निखिल अग्रवाल, डायरेक्टर ऑफ फाइनेंस शैलेभ अग्रवाल, चेयरमैन फीमेल अमृता अग्रवाल, डॉ. मनीषा मेहरोत्रा, अजय अग्रवाल, विनीत अग्रवाल, विभोर गोयल, आदित्य मूर्ति, सुबोध अग्रवाल, मयूर अग्रवाल, अभय जसोरिआ, पुनीत सक्सेना, सुनील गुप्ता आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ

डा. आरिफ हुसैन अन्सारी

M.B.B.S., M.S.

• Ex. Chief Resident-Sir J.J. Hospital Grant Medical College Mumbai

मिलने का समय (सोमवार से शनिवार)

सुबह : 11 बजे से 3 बजे तक

शाम : 8 बजे से 9 बजे तक

नाक, कान व गला की एन्डोस्कोपी फ्री

सुविधायें

• नाक की टेढ़ी हड्डी को सही करना (Septoplasty)
• गले के बढ़े हुये टॉन्सिल का ऑपरेशन
• कान के फटे हुए पर्दे का ऑपरेशन (Tympanoplasty)
• थायराइड (घेंघा) का इलाज व ऑपरेशन
• दूरबीन द्वारा गले के कैंसर की जाँच व बायोप्सी

पता- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, मालियों की पुलिया, बरेली

(सेटेलाईट बस अड्डा व शाहमतगंज चौराहे के बीच में)

सम्पर्क करें

94566 58250, 70785 69786

सुरक्षित प्रसव कराने के लिए स्टाफ को दिया प्रशिक्षण

डॉक्टरों को प्रशिक्षण देती निजी मेडिकल कॉलेज की टीम।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **निजी मेडिकल कॉलेज की टीम ने जिला महिला अस्पताल में प्रशिक्षण आयोजित किया**

अमृत विचार : सुरक्षित प्रसव कैसे कराया जाए, इसको लेकर जिला महिला अस्पताल में निजी मेडिकल कॉलेज से आई विशेषज्ञों की टीम ने स्टाफ को प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने सामान्य और सिजेरियन दोनों ही तरीकों से किए जाने वाले प्रसव के संबंध में स्टाफ को जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने नर्सिंग स्टाफ को बताया कि प्रसव के उपरांत नवजात को एक से दो मिनट के अंतराल में ही मां का पहला दूध का सेवन अवश्य कराएं। प्रसूता को कम से कम छह माह तक स्तनपान कराने के प्रति जागरूक करें। स्तनपान के फायदे भी बताएं। वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शैव्या प्रसाद, डॉ. मिनाक्षी गोयल, डॉ. वर्षा, नर्सिंग स्टाफ सरिता समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्र को बनाने में नारी की रही अहम भूमिका

बरेली, अमृत विचार : राष्ट्रार्पण संस्था ने शुक्रवार को खुशहाली सभागार में महिला मोर्चा और मंडल का गठन किया। इसमें महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष राशि पाराशरी को बनाया गया।

बाबा धोपेश्वर नाथ मंडल की अध्यक्ष राज भारती, महामंत्री प्रेरणा शर्मा व नूपुर गोयल, मढ़ीनाथ मंडल की अध्यक्ष प्रियंका शर्मा, महामंत्री दीपा शर्मा, अनुपम माहेश्वरी, सीबीगंज मंडल की अध्यक्ष भावना वर्मा, महामंत्री कार्यक्रम मौजूद पदाधिकारी पूनम गुप्ता, सीमा सक्सेना, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल की अध्यक्ष रेनू मिश्रा, महामंत्री विनीता मिश्रा, ज्योति मिश्रा, बांके बिहारी मंडल की अध्यक्ष तरु कपूर, महामंत्री पूनम गुप्ता, चित्रा गंगवार, अलखनाथ मंडल की अध्यक्ष सपना द्विवेदी, महामंत्री मनीषा गंगवार, पशुपतिनाथ मंडल की अध्यक्ष अंजना राठौर, महामंत्री कल्पना गंगवार, रीना राठौर, वनखंडी नाथ मंडल की अध्यक्ष पार्वती, महामंत्री कोमल, मीनू, दीनदयाल मंडल की अध्यक्ष राधिका अग्रवाल, महामंत्री राधा, चांदनी सागर, कालीबाड़ी मंडल की अध्यक्ष डॉ. अर्चना जौहरी, महामंत्री राखी और सीमा को बनाया गया। राष्ट्रीय संरक्षक अनिल सक्सेना ने कहा नारी राष्ट्र का गौरव हैं। इस राष्ट्र को बनाने में नारी की अहम भूमिका रही है। जिलाध्यक्ष्ज्ञ कमल जगबानी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, महानगर अध्यक्ष सुदेश गुप्ता, महामंत्री रोहित राकेश, विजय श्रीवास्तव, संजय मोहन मौजूद रहे।

राष्ट्रार्पण संस्था के कार्यक्रम मौजूद में पदाधिकारी। ● अमृत विचार

सुभाष नगर, किला और गंगापुर के युवकों पर नशा हावी

इंजेक्टेवल ड्रग से नशे की डोज लेने वालों में 18 से 40 वर्ष तक की उम्र के ज्यादातर मरीज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **कइयों की हालत गंभीर, जल्द आरंभ होगा ओएसटी**
- **परिवार के सदस्य भी परेशान करा रहे काउंसिलिंग**

अमृत विचार : शहर के युवकों में इंजेक्शन से नशा लेने की आदत बढ़ती जा रही है। सामने आ रहे हैं जो कि इंजेक्शन के माध्यम से नशा कर रहे हैं। नाको की ओर से गठित चेतना सेवा संस्थान की ओर से चलाए जा रहे अभियान में पंजीकृत मरीजों में इंजेक्टेवल ड्रग से नशे की डोज लेने वालों में ज्यादातर 18 से 40 वर्ष तक के लोग हैं। आलम ये है कि संक्रमित सुई का बार-बार उपयोग करने से इन पर एचआईवी का खतरा मंडराने लगा है। नशे की गिरफ्त में फंसे युवाओं को लगातार जागरूक करने के साथ ही इलाज कर नशे से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

चेतना सेवा संस्थान की प्रोग्राम मैनेजर शालिनी सिंह ने बताया कि संस्थान नाको की ओर से संचालित है। हमारी टीमें शहर के तमाम इलाकों में जाकर ऐसे मरीजों को चिन्हित करती हैं जो कि इंजेक्टेवल ड्रग यूजर्स हैं। बीते एक साल में ऐसे मरीजों की संख्या 400 के करीब हो गई है। इन सभी का इलाज चल रहा है। संस्था से मिली रिपोर्ट के अनुसार अभी तक जो मरीज सामने आए हैं इनमें अधिकांश सुभाष नगर, गंगापुर और किला क्षेत्र के हैं। हालांकि अन्य इलाकों से भी मरीज मिले हैं।

ओएसटी से मिलेगा बेहतर लाभ

शालिनी सिंह बताती हैं कि नशे की लत को छुड़ाने के लिए हमारे यहां जो मरीज हैं उनसे ही मदद लेते हैं। जब स्टाफ से उनका व्यवहार सुगम होता है तो अन्य मरीजों की तलाश के लिए उनसे ही नशे के इलाकों के पते की जानकारी लेते हैं फिर टीम वहां जाकर मरीजों की तलाश कर संस्थान में इलाज आरंभ किया जाता है। बताया कि जिला अस्पताल में ओएसटी केंद्र जल्द आरंभ होने वाला है, इससे ऐसे मरीजों को और भी बेहतर इलाज मिल सकेगा।

कांवड़ियों के स्वागत को प्रशासन तैयार, छह द्वार व भंडारा पंडाल बनाए

पंडालों में बैठने, खान-पान व टॉयलेट की सुविधा मिलेगी, शहरी क्षेत्र को आठ सेक्टर व तीन जोनल क्षेत्र में बांटकर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : अंतर्जपदीय सीमाओं से जनपद में आने वाले कांवड़ियों के स्वागत के लिए जिला प्रशासन तैयार है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशन में सभी हाईवे पर स्वागत द्वार और भंडारा पंडाल लगाए गए हैं। पंडालों में कांवड़ियों के बैठने, खान-पान, रुकने, पीने के पानी, साफ-सफाई, मोबाइल चार्जिंग, टॉयलेट और शौचालय की सुविधा मिलेगी। कांवड़ियों को कोई दिक्कत न हो, इसके मद्देनजर 123 प्रमुख स्थलों पर 62 नोडल अधिकारी बतौर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

बदायूं रोड पर कांवड़ियों के स्वागत को तैयार स्वागत द्वार। ● अमृत विचार

श्रावण मास में कांवड़िये हरिद्वार, कछला और अन्य पवित्र स्थलों से गंगा जल लाकर जनपद के प्रमुख शिव मंदिरों तपेश्वर नाथ मंदिर, मढ़ीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, धोपेश्वर नाथ मंदिर, पशुपति नाथ मंदिर, वनखंडी नाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर, सिद्ध गोपाला बाबा, प्राचीन महाकालेश्वर मंदिर मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ियों के सुविधाजनक जलाभिषेक के लिए जिला प्रशासन ने पुख्ता तैयारियां की हैं। शहरी क्षेत्र को आठ सेक्टर व तीन जोनल क्षेत्र में बांटकर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। शहर के प्रमुख मंदिरों पर भी सावन के प्रत्येक सोमवार को 8-8 घंटे की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने कांवड़ियों को भोजन, स्वास्थ्य, विश्राम, पेयजल आदि की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वागत द्वार और भंडारा पंडाल भी बनाए हैं।

यहां बनाए गए स्वागत द्वार और भंडारा पंडाल

तहसील आंवला के ग्राम पुठी सिरोही मोड़ बरेली-बदायूं बार्डर पर स्वागत द्वार का निर्माण कराया है। ग्राम निसोई में भंडारा आयोजित किया जाएगा। तहसील नवाबगंज के ग्राम सिथरा में स्वागत द्वार का निर्माण कराया है। यहां भंडारा भी होगा। तहसील बहेड़ी के टोल प्लाजा, ग्राम मुड़िया मुकर्रमपुर में स्वागत द्वार संग भंडारा पंडाल भी बनाया गया है। तहसील फरीदपुर में बुखारा मार्ग पर फरीदपुर में सदर की सीमा पर स्थित ग्राम दियोरनिया में स्वागत द्वार व भंडारा पंडाल का निर्माण कराया है। तहसील मीरगंज में रामपुर-बरेली राजमार्ग पर रामपुर-बरेली की सीमा पर स्थित ग्राम लभारी में स्वागत द्वार और भंडारा पंडाल बनाया है। तहसील सदर में रामगंगा स्थित पुलिस चौकी के निकट स्वागत द्वार और भंडारा पंडाल बनाया है। इन स्थलों पर साफ-सफाई की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

62 नोडल अधिकारी बतौर मजिस्ट्रेट तैनात किए

जनपद के सभी उप जिला मजिस्ट्रेट की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के दृष्टिगत अपने-अपने क्षेत्र के पड़ने वाले मुख्य कांवड़ मार्गों पर ड्यूटी लगाई गई है। व्यवस्था के लिए 154 मजिस्ट्रेट, अधिकारी, कर्मचारी, राजस्व निरीक्षक तथा लेखपाल की ड्यूटी लगाई है। इसके साथ 123 प्रमुख स्थलों पर 62 नोडल अधिकारी मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किए गए हैं। 69 स्थलों पर चिकित्सा शिविर स्थापित कर कुल 112 चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

बदायूं रोड पर कांवड़ियों के ठहरने के लिए बनाया गया पंडाल। ● अमृत विचार

त्रिवटीनाथ मंदिर में नंदी की पूजा करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

धोपेश्वर नाथ मंदिर में ठीक होगा जेट स्प्रे

बरेली, अमृत विचार : धोपेश्वर नाथ मंदिर परिसर स्थित सरोवर में लगे जेट स्प्रे (फव्वारा) की जल्द मरम्मत कराई जाएगी। इस संबंध में मंदिर समिति ने बरेली कैंट बोर्ड को पत्र लिखकर सहयोग मांगा है। मंदिर परिसर में स्थित सरोवर शहरवासियों के लिए धार्मिक आस्था का केंद्र है। फव्वारा न चलने से सरोवर का पानी गंदा होता जा रहा है। मंदिर समिति के सदस्यों का कहना है कि फव्वारे की मरम्मत के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण कार्य अधूरा रह गया। अब समिति ने सीधे कैंट बोर्ड को पत्र लिखकर तकनीकी सहायता और जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। कैंट बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार जेट स्प्रे के ठीक हो जाने से सरोवर की सुंदरता बढ़ेगी।

कांवड़ रूटों पर एफएसडीए का डेरा, मानकों की अनदेखी पर कार्रवाई

बरेली, अमृत विचार : सावन महीने की शुरुआत होते ही खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीमों ने भी शुक्रवार से निगरानी करना शुरू कर दिया है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल ने बताया कि पांच टीमों का गठन पहले ही कर दिया गया है। शुक्रवार को टीमों ने बदायूं रोड, सेटेलाइट समेत अन्य कांवड़ रूटों पर खाद्य बिक्री करने वाली छोटी-बड़ी दुकानों, ठेले और रेहड़ी की जांच की। यहां फूड कनेक्ट एप के साथ ही नेम प्लेट चस्पा संबंधी मानक पूर्ण मिले हैं। बताया कि सावन के अंत तक इस प्रकार से टीमों की ओर से निगरानी जारी रहेगी। अनियमितता मिलने पर फौरन नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

श्रावण मास : श्रद्धालुओं ने मंदिरों में किया जलाभिषेक

विभिन्न स्थानों से कांवड़ियों के जत्थे जल लेने के लिए रवाना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सावन के पहले दिन शुक्रवार को मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। शहर में विभिन्न स्थानों से कांवड़ियों के जत्थे जल लेने के लिए हरिद्वार, कछला, ओमकारेश्वर आदि तीर्थ स्थलों के लिए रवाना हुए।

तपेश्वरनाथ, वनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, मढ़ीनाथ, धोपेश्वरनाथ, पशुपतिनाथ, अलखनाथ, सुरेश शर्मा नगर स्थिति शिव मंदिर, सतीपुर चौराहा स्थित शिव दुर्गा मंदिर, हरुनगला स्थित शिव मंदिर आदि मंदिरों में भक्तों ने जल, तिल, दूध आदि से भोलेनाथ का अभिषेक किया। हालांकि, मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ कम दिखी।

कांवड़ सादगी के साथ ले जाना चाहिए : महंत केदारपुरी : वनखंडी नाथ मंदिर के महंत केदारपुरी का कहना है कि कांवड़ सादगी से ले जाना चाहिए। कांवड़ यात्रा में डीजे का प्रयोग अधिक हो रहा है। कहा कि भक्ति जितनी सादगी से की जाए, हम ईश्वर के उतना समीप पहुंचते हैं। जिसमें पहला तरीका है वाचिक जप, जिसमें मंत्रोच्चारण बोलकर करते हैं। उपासु भक्ति, जिसमें केवल होंठ चलाकर मंत्रजाप करते हैं, आवाज नहीं आती व तीसरी भक्ति मानसिक भक्ति है, जिसमें हम मन में किसी विचार के बजाय केवल ईश्वर का ध्यान करते हैं।

मढ़ीनाथ मंदिर में शिवलिंग पर जल चढ़ाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

तपेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक करते भक्त। ● अमृत विचार

बाबा वनखंडी नाथ : दिन में तीन बार बदलता है शिवलिंग का रंग

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- श्रद्धालुओं के बीच मंदिर है प्रमुख आस्था का केंद्र
- श्रावण मास में मंदिर में उमड़ता है भक्तों का सैलाब

अमृत विचार : नाथ नगरी में जोगी नवादा स्थित बाबा वनखंडी नाथ मंदिर श्रद्धालुओं के बीच प्रमुख आस्था का केंद्र है। मंदिर के महंत स्वामी सुधीर नारायण गिरी महाराज के अनुसार यह मंदिर काफी प्राचीन है।

पौराणिक कथा के अनुसार द्वापर युग में द्रौपदी ने महादेव की तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर महादेव शिवलिंग रूप में प्रकट हुए। मान्यता है कि शिवलिंग पर चढ़ाया जाने वाले जल से बने ताल में जो भी व्यक्ति नहाता है, उसके सभी तरह के चर्म रोग ठीक हो जाते हैं। महंत ने बताया कि वर्तमान में मंदिर समिति प्राचीन मंदिर की इमारत हटाकर 131 फुट ऊंचा मंदिर बनवा रही है, जिसपर 21 फुट ऊंचा कलश तैयार होगा।

महंत के अनुसार यहां का शिवलिंग दिन में तीन बार अपना रंग बदलता है। सुबह लाल, दोपहर में हल्के भूरे और रात में गहरे भूरे रंग में दिखता है। श्रृंगार के बाद शिवलिंग का रंग नीला हो जाता है। श्रावण मास में बड़ी संख्या में कांवड़िए और श्रद्धालु मंदिर में जलाभिषेक करते हैं।इसलिए पड़ा वनखंडी नाथ नाम

पहले जोगी नवादा क्षेत्र के चारों तरफ जंगल था। जंगल के बीच में यह मंदिर था। इस क्षेत्र को वनखंड कहा जाता था, इसलिए इस मंदिर का नाम भी बाबा वनखंडी नाथ पड़ा।

महंत स्वामी सुधीर नारायण।

वनखंडीनाथ मंदिर में पूजा करती महिला।

कांवड़ मार्गों को गड्ढा मुक्त रखेगी नगर निगम की टीम

त्रिवटीनाथ मंदिर में निरीक्षण करते नगर आयुक्त संजीव मौर्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- नगर आयुक्त ने नाथ संप्रदाय के मंदिरों और कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया
- जगह-जगह पेयजल की होगी व्यवस्था, मंदिरों के आसपास सफाई के विशेष निर्देश

अमृत विचार : नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने सावन के पहले दिन कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मार्ग पर जगह-जगह पेयजल शिविर स्थापित करने का निर्देश दिए।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय ने नाथ नगरी के त्रिवटीनाथ, मढ़ीनाथ, पशुपतिनाथ, वनखंडीनाथ सहित अन्य शिव मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिरों को जाने वाले मार्गों पर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर गड्ढे नहीं होने चाहिए। इन जगहों पर सड़कों के किनारे गंदगी न रहे और रात के समय प्रकाश व्यवस्था होनी चाहिए। अगर किसी जगह पैचवर्क की जरूरत हो तो तत्काल निर्माण विभाग को जानकारी देकर सड़क दुरुस्त कराई जाए।

निरीक्षण में मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी, अधिशासी अभियंता राजीव कुमार राठी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. भानू प्रकाश, उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. नैन सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तीन शिफ्टों में होगी सफाई व्यवस्था

सावन माह में नगर निगम ने तीन शिफ्टों में सफाई व्यवस्था और स्ट्रीट लाइटों को देखने के लिए टीम लगाई है। नगर आयुक्त ने सफाई नायक और सेनेटरी इंस्पेक्टर को निर्देश दिए हैं। वहीं छुट्टा पशुओं और कुत्तों के पकड़ने के लिए टीम को भ्रमण करने को कहा गया है। नगर आयुक्त ने शुक्रवार शाम को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि नाला और सीवर की स्थिति को देख ले, जहां पर चोक हों, वहां सफाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि बड़ी सीवर लाइनों को सुपर साकर व जेटिंग मशीनों से सफाई कराई जाए।

सावन के पहले दिन जल लेने जाता कांवड़ियों का जत्था। ● अमृत विचार

कांवड़ यात्रा मार्ग का डीएम ने किया निरीक्षण

बरेली, अमृत विचार: जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शुक्रवार को बदायूं रोड के कांवड़ यात्रा मार्ग का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग लाइन बनाएं ताकि जल चढ़ाने में कोई समस्या न हो। मंदिरों में साफ-सफाई, विद्युत, पीने का पानी और श्रद्धालुओं के ठहरने आदि की उचित व्यवस्था रखें। किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण करते डीएम अविनाश सिंह। ● अमृत विचार

कांवड़ यात्रा के मार्गों पर यातायात व्यवस्था और कावड़ यात्रियों की सुविधा आदि के संबंध में निर्देश दिए। यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने बरेली-बदायूं की सीमा पर बने भव्य प्रवेश द्वार का निरीक्षण कर तारीफ की। उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि प्रवेश द्वार में एक फ्लेक्सी और लगवाएं। उसमें मंदिर का प्रवेश, निकासी द्वार कहां से होगा, वह भी दर्शाया जाए। जिन जगहों पर बड़ी-बड़ी झाड़ियां हो गई हैं, वहां पर कावड़ यात्रा शुरू होने से कटवाएं। कांवड़ियों के लिए लगाए गए पंडाल में उनके बैठने, रुकने, पीने के पानी, खाना-पान व शौचालय व मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्थाएं भी देखीं। इस दौरान उप जिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

MAHARAJA AGRASEN MAHAVIDYALAYA, BAREILLY
Affiliated to MJP Rohilkhand University, Bareilly MJPRU Registration Free
ADMISSION OPEN For Session 2025-26
M.Sc. (Physics, Chemistry Mathematics, Botany, Zoology)
B.Ed. P.G.D.C.A. B.Ed. M.Com. M.A.
B.Sc. (Biotechnology) B.Sc. (PCM/ZBC) BCA BBA B.A.
B.Sc. (Home Science) B.Com. B.Com. (Hons.)
Campus : 11th Km. Bareilly-Lucknow Road, Near Transport Nagar, Bareilly
9012937191, 9690002586

कांवड़ यात्रा मार्गों पर परिवहन विभाग की रहेगी विशेष नजर, टीमें की गईं तैनात

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जिले में चिह्नित 46 मार्गों से जत्थे सकुशल निकालने को एआरटीओ से लेकर पीटीओ तक रहेंगे तैनात
- बरेली मंडल के चारों जिलों की सीमाओं की निगरानी के लिए सोशल मीडिया का भी लिया सहारा

अमृत विचार: कांवड़ यात्रा के दौरान जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए परिवहन विभाग ने विशेष इंतजाम किए हैं। जिले के 46 कावंड मार्ग चिह्नित किए गए हैं, जहां एआरटीओ से लेकर पीटीओ टीम के साथ कांवड़ मार्गों से जत्थों को सकुशल निकालेंगे। इसके अलावा यातायात पुलिस भी मौजूद रहेगी ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। ब्लैक स्पॉट पर सबसे अधिक फोकस रहेगा ताकि जत्थों के निकलने के दौरान कोई असुविधा न हो।

बरेली मंडल में चारों जिलों में 129 ब्लैक स्पॉट हैं। इनमें बरेली में 45 मार्ग चिह्नित हैं, जहां से बड़े जत्थे और कांवड़िये गुजरते हैं। आरटीओ प्रणब झा ने बताया कि मंडल के चारों जिलों का रूट मैप तैयार किया गया है। इसी के आधार पर मंडल के चारों जिलों में एआरटीओ प्रवर्तन के अधीन ड्यूटी लगाई हैं। कांवड़ के मद्देनजर सोशल मीडिया का सहारा लिया है। चारों जिलों के वीडियो फुटेज तैयार किए गए हैं। जिसमें कांवड़ के जत्थे कहां-कहां से निकलेंगे, यह जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा मंडल के चारों जिलों की सीमाओं पर भी निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई।

जिले के चिह्नित इन ब्लैक स्पॉट पर रहेगा फोकस

रामपुर से बरेली मार्ग पर सीबीगंज के परधौली कट, अटा बाईपास कट, मथुरापुर के पास और किला क्षेत्र में सिटी सब्जी मंडी और किला पुल को चिह्नित किया है। शाहजहांपुर से बरेली मार्ग पर फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के उचसिया, टिसुआ, फरीदपुर क्षेत्र की गौसगंज पुलिया, टोल प्लाजा, बाईपास भट्टे के पास, पचौमी अड्डा और बिथरी चैनपुर क्षेत्र नवदिया झादा और बिथरी, रूद्रपुर से बरेली मार्ग पर बहेड़ी में मंडनपुर शुमाली, शेरगढ़, वन विभाग तिराहा, देवरनिया रिछा से जहानाबाद रोड, सेमीखेड़ा कट, देवरनिया रेलवे फाटक, कर्ठरा ढाल, रिछा रेलवे फाटक, राष्ट्रीय राजमार्ग में इज्जतनगर के अहलादपुर, लालपुर और मयूरवन चेतना केंद्र, जनपदीय मार्ग में भोजीपुरा का धौराटांडा रोड, पीलीभीत से बरेली मार्ग पर नवाबगंज में मेन चौराहा कस्बा नवाबगंज, बरखन तिराहा, गरगईया, हाफिजगंज के राजघाट, हाफिजगंज तिराहा और लभेड़ा तिराहा, बरेली से बदायूं मार्ग पर भमोरा के रम्पुरा, खेड़ा, सिरौली में बगिया चौराहा, पिपरिया चौराहा, सुभाषनगर में महेशपुरा ठकुरान, रामगंगा बदायूं रोड, मिलक रोड, सुभाषनगर चुंगी, गन्ना मिल बदायूं रोड, चौरासी घंटा मंदिर, अलीगंज क्षेत्र के सिरौली रोड ब्लैक स्पॉट पर विशेष नजर रहेगी।

ALNA Group of Institutions
Bring Out the Best in you
ADMISSION OPEN 2025-26
COURSE OFFERED
BAMS B.Sc. Nur. B.Tech.
B.Pharma GNM M.Tech.
D. Pharma Polytechnic M.B.A.
B.B.A. B.C.A.
CALL US: 8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway, Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

JYOTI COLLEGE of Management Science & Technology
Estd. 2000
NAAC B+ Accredited College
B.Sc. Nursing
M.Sc. Nursing
P.B.B.Sc. Nursing
College Code: 2430244
G.N.M.
A.N.M.
D.P.T.
D.R. Optometry
D.M.L.T.
D.Pharma
M.Ed.
B.Ed
Campus: Mudia Ahmad Nagar, Near Airport Gate, Pilibhit Road, Bareilly
Email: contact@jyoticollege.com | Web: www.jyoticollege.com
Ph.: 9219459111, 6395711513, 9837028420

खून के आंसू

हकीम जहीर अहमद (क्लीनिक)

पंजी. सं. 19706

डॉ. एम. अहमद (BUMS)

जो लोग बचपन की गलतियों से अपनी जवानी बर्बाद कर चुके हैं जिनको धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसंतान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर इन्दी का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊ पर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटनीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढ़ीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।

वह लोग जिनका विचारों से ही स्खलन हो जाता हो या वे भाई जिनकी उम्र ज्यादा हो वक्त पर बीवी से शर्मिन्दा रहते हो तुरन्त मिलें प्रत्येकः-

शनिवार रविवार

बिहारीपुर पुलिस चौकी के आगे, इस्लामिया मैदान के सामने, बरेली

मो. 9634499693
9837338306

सबसे सस्ता उद्यम है बैकयार्ड मुर्गी पालन

प्रशिक्षण में महिला किसानों को मुर्गियों के लिए दाना पानी के बर्तन बांटे गए।

- सीएआरआई में विशेषज्ञों ने किसानों को मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दिया
- किसानों को उन्नत देसी नस्ल की मुर्गियां और दाना-पानी के लिए बर्तन दिए गए

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) में शुक्रवार को डीएपीएससी परियोजना के तहत किसानों को बैकयार्ड मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दिया गया।

परियोजना प्रभारी डॉ. जगबीर सिंह त्यागी ने बताया कि उन्नत देसी नस्ल की मुर्गियां सालभर में लगभग 200 अंडे देती हैं। ये मुर्गियां रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी श्रेष्ठ होती हैं। इन्हें आसानी से पाला जा सकता है। इन पर खर्च भी न्यूनतम आता है। बैकयार्ड मुर्गी पालन करने से किसान सालाना 35 से 40 हजार की आमदनी कर सकता है। डॉ. मतीन अंसारी ने कहा कि मुर्गियों को हरी पत्तियां व सहजन के पत्ते खिलाना लाभकारी होता है। जिससे दाने का खर्च घटता है और अंडों का उत्पादन बढ़ता है। संस्थान के निदेशक डॉ. अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि बैकयार्ड मुर्गी पालन सबसे सस्ता उद्यम है, जिससे अंडा जैसे उच्च प्रोटीनयुक्त आहार की प्राप्ति होती है। प्रशिक्षण में 120 किसानों को 20 उन्नत देसी नस्ल और 1 महीने की पाली हुईं मुर्गियां और मुर्गे, 25 किलो दाना, 120 दाना-पानी के बर्तन और 120 ड्रम प्रदान किए गए। तकनीकी अधिकारी जयदीप अरोड़ा समेत गांव गिदौली, बांस बोझ, धीरपुर मुड़िया, चौंडेरा के डेढ़ सौ किसान मौजूद रहे।

एलएलबी, एलएलएम और एमएड की प्रवेश परीक्षा 15 को, प्रवेश पत्र जारी

एलएलबी में बरेली कॉलेज में एक सीट के लिए नौ से अधिक छात्र, पहले परीक्षा होनी थी आठ को

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने एलएलबी, एलएलएम और एमएड प्रवेश परीक्षा की तिथि निर्धारित कर दी है। एलएलबी और एलएलएम की परीक्षा 15 जुलाई को सुबह 9 से 10:30 बजे और एमएड की दोपहर 1 से 2:30 बजे तक होगी। परीक्षा के लिए सात केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर में तीन और बरेली कॉलेज में चार केंद्र हैं। पहले परीक्षा 8 जुलाई को होनी थी लेकिन बाद में इसे एक सप्ताह बढ़ा दिया गया था।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए शुक्रवार को प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगिन कर डाउनलोड कर सकते हैं। तीनों पाठ्यक्रमों की करीब एक हजार सीट के लिए 4256 आवेदन आए हैं, जिसमें सबसे अधिक एलएलबी के हैं।

एलएलबी में सिर्फ बरेली कॉलेज की 320 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा हो रही है। इसके लिए 2869 आवेदन आए हैं। इसके अलावा एलएलएम की विश्वविद्यालय परिसर की 300 और एसएस कॉलेज शाहजहांपुर की 20 यानी 320 सीटों के लिए 996 आवेदन और एमएड की विश्वविद्यालय परिसर की 50 सीटों के लिए 391 आवेदन आए हैं।

- तीनों पाठ्यक्रमों की करीब एक हजार सीटों के लिए 4256 आवेदन आए
- परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय परिसर में तीन और बरेली कॉलेज में चार केंद्र बने

बीकॉम ऑनर्स की मेरिट में शामिल छात्रों को प्रवेश का मौका

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज ने बीकॉम ऑनर्स प्रथम सेमेस्टर की पहली और दूसरी मेरिट में शामिल विद्यार्थियों को प्रवेश का एक मौका दिया है। विद्यार्थियों को 12 जुलाई को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक विभाग में आकर प्रवेश लेना होगा।

अवंतीबाई कालेज ने दूसरी मेरिट जारी की

बरेली, अमृत विचार : रानी अवंतीबाई महिला महाविद्यालय ने स्नातक प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट जारी कर दी है। बीए, बीएससी गणित और जीव विज्ञान और बीकॉम की मेरिट में शामिल छात्राओं को 12 से 14 जुलाई तक महाविद्यालय में सुबह 10 :30 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रवेश लेना होगा। प्रवेश समिति की ओर से जारी द्वितीय मेरिट के अनुसार बीएससी जीव विज्ञान की कटऑफ सामान्य-67 .8 प्रतिशत, ओबीसी-63 .4 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस-सभी, अनुसूचित जाति-जनजाति-सभी, बीए-सामान्य वर्ग-47 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी और अनुसूचित जाति-जनजाति-सभी, बीएससी गणित और बीकॉम की सामान्य, ओबीसी, एससी-एसटी व ईडब्ल्यूएस-सभी को शामिल किया गया है। छात्राएं साक्षात्कार के लिए जरूरी प्रमाण-पत्रों के साथ निर्धारित अवधि में प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित हों। छात्राएं साक्षात्कार के समय उपर्युक्त समस्त अभिलेखों की मूलप्रति एवं एक छायाप्रति का सेट लेकर आएं। छात्राएं साक्षात्कार के बाद तुरंत ऑनलाइन महाविद्यालय की वेबसाइट पर शुल्क जमा करें। शुल्क जमा करने पर ही प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होगी। महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष (बीए/बीएससी/बीकॉम) में प्रवेश की इच्छुक छात्राओं को सूचित किया जाता है कि बीए/बीकॉम/बीएससी (गणित वर्ग) प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए सभी वर्गों में और बीएससी जीव विज्ञान में अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग और ईडब्ल्यूएस में आवेदन पत्र 14 जुलाई दोपहर 12 बजे तक महाविद्यालय कार्यालय में जमा किए जाएंगे। सीटों की उपलब्धता के आधार पर छात्राओं को प्रवेश का अवसर दिया जाएगा।

- स्नातक की मेरिट में शामिल छात्राओं को 12 से 14 जुलाई तक कॉलेज में लेना होगा प्रवेश

कॉलेज के मैदान के मेन गेट का ताला तोड़कर निकाली कार

ताला तोड़ते दोनों आरोपी।

बरेली, अमृत विचार : इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान का मेन गेट का ताला तोड़कर कार सवार दो युवक बुधवार को घुस गए। इसके बाद धमकी देते हुए बाहर चले गए। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान में बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य चल रहा है। मैदान का बिहारीपुर पुलिस चौकी के सामने वाला गेट विद्यालय के समय के बाद बंद कर दिया जाता है। बुधवार को मैदान परिसर के पूर्वी गेट के पास की कॉलोनी निवासी निक्की और तोसी कार लेकर आए लेकिन गेट बंद मिला। दोनों छोटे गेट से अंदर घुसे और ईंट से मेनगेट का ताला तोड़ने लगे। विद्यालय के चौकीदार मजहर खां ने वहां मौजूद मजदूरों के साथ मिलकर युवकों को रोकने का प्रयास किया लेकिन दोनों गालीगलौज करने लगे। प्रधानाचार्य तौकीर सिद्दीकी ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

University Grants Commission of India · Medical Council Of India · Dental Council of India · Pharmacy Council of India · Indian Nursing Council · Uttar Pradesh Nursing & Midwives Council · Association of Indian Universities · Uttar Pradesh State Medical Faculty

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

बिजली मीटर लगाने के विरोध में उग्र प्रदर्शन

- कर्मचारी संघर्ष समिति ने मीटर लगाने की कार्रवाई रुकवाई
- रामपुर बाग में सरकारी आवासों में लगाए जाने थे मीटर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः हाईडिल कॉलोनी रामपुर बाग में सरकारी आवासों में बिजली मीटर लगाने की कार्रवाई का कर्मचारियों ने विरोध किया। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति बरेली इकाई ने प्रदर्शन कर मीटर लगाने की कार्रवाई को रुकवा दिया।

मुख्य अभियंता वितरण बरेली क्षेत्र प्रथम और अधीक्षण अभियंता नगरीय वितरण मंडल बरेली की ओर से भारी पुलिस बल के साथ बिजली मीटर लगाने की प्रक्रिया को स्वयं उपस्थित होकर शुरू कराया गया, जिसको लेकर कर्मचारियों और उनके परिजनों में आक्रोश फैल गया।

संघर्ष समिति के संयोजक राजेन्द्र प्रसाद घिल्डियाल के नेतृत्व में कर्मचारियों ने मीटर लगाए जाने का तीव्र विरोध किया। उन्होंने वर्ष 2000 में हुए समझौते और उसके गजट नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के सरकारी आवासों में किसी भी परिस्थिति में बिजली मीटर नहीं लगाए जाने चाहिए।

संघर्ष समिति के संयोजक विपुल शुक्ला ने सवाल उठाते हुए कहा कि पहले उन गैर-विभागीय सरकारी कार्यालयों में मीटर लगाए जाएं जहां आज तक मीटर नहीं लगे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विभागीय कर्मचारियों के वेतन से बिजली की कटौती पहले से ही की जा रही है, ऐसे में मीटर लगाना न केवल अनुचित है बल्कि कर्मचारियों के साथ दोहरी मार जैसा है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में अवर अभियंता, अभियंता, महिला कर्मचारी, बच्चे और परिवार के सदस्य एकत्र हुए और मीटर लगाना बंद करो, समझौते का उल्लंघन नहीं चलेगा जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। भारी विरोध को देखते हुए मीटर लगाने की कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोकना पड़ा।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से आनंद बाबू, इं. अंकित गंगवार, संतेन्द्र चौहान, आकांक्षा राज सक्सेना, वीके ग्वाल, रविन्द्र कुमार, मनोज सिंह सहित सैकड़ों अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिजन मौजूद रहे।

टूर्नामेंट : बरेली राइडर्स ने क्रिकेट नर्सरी को 74 रनों से दी शिकस्त

बरेली, अमृत विचार : स्पोर्ट्स स्टेडियम में अंडर 14 जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन शुक्रवार को दो मैच खेले गए। पहला मैच बरेली राइडर्स और क्रिकेट नर्सरी के बीच हुआ, जिसमें बरेली राइडर्स ने क्रिकेट नर्सरी रेलवे ग्राउंड को 74 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बरेली राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 126 रन बनाए। जिसमें पल्लव प्रताप सिंह ने शानदार बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में क्रिकेट नर्सरी रेलवे ग्राउंड के आकाश कुमार ने तीन, शुभ और सचिन राठौड़ ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए क्रिकेट नर्सरी की पूरी टीम 13.4 ओवरों में मात्र 52 रनों पर ढेर हो गई। गेंदबाजी में बरेली राइडर्स के लिए अमरदीप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन बल्लेबाजों को और सुबोध कुमार ने तीन और पल्लव प्रताप सिंह ने दो बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। अंत में मेन ऑफ मैच बरेली राइडर्स के पल्लव को उनके ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

दूसरा मैच एसआरएमएस और जीपी क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। जिसमें एसआरएमएस ने जीपी क्रिकेट एकेडमी को 125 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर एसआरएमएस की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 182 रनों का विशाल स्कोर बनाया। जिसमें कैप्टेन हिमांशु गंगवार में 21 गेंदों में 6 छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। टीम के लाखन ने नौ गेंदों में तीन गगनचुंबी छक्के लगाकर 35 रनों की बहुमूल्य पारी खेली। जीपी के लिए गेंदबाजी में शिव प्रताप अक्षत और अभिनव ने 2-2 विकेट चटकाए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए जीपी की पूरी टीम 12.4 ओवर में महज 57 रन ही बना पाई। मेन ऑफ द मैच लाखन मेहता को चुना गया। दूसरे दिन के मैच का उद्घाटन उत्तराखंड के उपखंड अधिकारी शिवम पटेल ने किया। इस अवसर पर क्रिकेट नर्सरी के कोच माजिद हसन खान, अबरार खान, एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के कोच मनीष सिंह, यूसुफ अंसारी, जीपी क्रिकेट अकेडमी के विपिन कुमार, मुहम्मद कमर, चमन गाजी मियां, सोनेंद्र श्रोतिया, अमित कुमार यादव, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे।

मैच के दौरान शॉट लगाता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- दूसरे मैच में एसआरएमएस एकेडमी ने जीपी क्रिकेट एकेडमी को 125 रनों से हराया

भोजीपुरा के छह विद्यालयों का विलय छात्र हुए शिफ्ट

भोजीपुरा, अमृत विचारः मानक से कम बच्चे होने पर प्राथमिक विद्यालयों को शासन के आदेश पर विलय किया जा रहा है। भोजीपुरा के छह प्राथमिक विद्यालय प्रभावित हुए जिनका विलय पड़ोस के ही विद्यालयों में कर दिया गया है।

प्राथमिक विद्यालय सैदपुर प्यारेलाल के छात्र अख्तियारपुर के विद्यालय में, प्राथमिक विद्यालय मुड़िया हाफिज गौटिया के छात्र मुड़िया हाफिज के विद्यालय में, प्राथमिक विद्यालय चठिया जगन्नाथ के छात्र मोहम्मदपुर जाटान के विद्यालय में, प्राथमिक विद्यालय मकरंदापुर गौटिया के छात्र मकरंदपुर विद्यालय में, प्राथमिक विद्यालय दलपतपुर के छात्र दलपतपुर के विद्यालय में, प्राथमिक विद्यालय धिमनी के छात्र प्रदेश कुआंडाडा धिमनी के विद्यालय में शिफ्ट किया गया। बीईओ भोजीपुरा विवेक शर्मा ने बताया जिन विद्यालयों का विलय कर दिया गया है उन सभी जगहों पर बाल वाटिकाएं आयोजित की जाएगी। बाकी बचे स्कूलों के विषय में जल्द फैसला लिया जाएगा।

तारीखों में फंसे झगड़े को बढ़ावा देने वाले राजस्व वाद

- सर्वाधिक लंबित वाद धारा 34 (उत्तराधिकार या अंतरण, जैसे वसीयत, दान, या बिक्री) के हैं
- मुख्यमंत्री कार्यालय, आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद लगातार पत्र भेज रहे, अपेक्षित प्रगति नहीं
- एडीएम प्रशासन ने फिर सभी पीठासीन अधिकारियों को जारी किया है पत्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः रिश्तों और पड़ोसियों के बीच लड़ाई झगड़े का कारण बनने वाले धारा 34 (उत्तराधिकार या अंतरण, जैसे वसीयत, दान, या बिक्री), सीमांकन एवं सीमा विवाद, बंटवारे से संबंधित हजारों राजस्व वाद तारीखों में उलझ गए हैं।

बावजूद इसके जनपद के राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी वादों के निस्तारण में रुचि नहीं ले रहे हैं। इस बाबत जून माह में मुख्यमंत्री कार्यालय और राजस्व परिषद से चिट्ठियां आ चुकी हैं। निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह की ओर से सभी पीठासीन अधिकारियों को चिट्ठी भेजी गई है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने 7 जुलाई को सभी अपर जिलाधिकारी नगर, उप जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी न्यायिक, अपर उप जिलाधिकारी (सदर), अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम व द्वितीय, पेशकार न्यायालय जिलाधिकारी, पेशकार न्यायालय अपर जिलाधिकारी सभी को चिट्ठी जारी की है।

इसमें बताया गया है कि आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद ने 27 जून, अपर मुख्य सचिव कार्यालय मुख्यमंत्री ने 5 जून को आरसीसीएमएस पोर्टल पर माह मई की रिपोर्ट की समीक्षा करने के बाद चिट्ठी भेजी गई। इसमें बताया गया कि धारा 24 के लंबित वादों की संख्या 525, धारा-34 के वादों की संख्या 6280 (5 वर्ष से अधिक अवधि के 18 वाद लंबित है), धारा 67 के लंबित विचाराधीन वादों की संख्या 1130 दर्शायी है। धारा 80 के विचाराधीन वादों की संख्या 64 है। धारा-118 के लंबित विचाराधीन वादों की संख्या 1409 है। जनपदों के सभी न्यायालयों के सापेक्ष लंबित वादों का प्रति न्यायालय औसत के अनुसार लंबित वादों के क्रम में जनपद बरेली 35 पर दर्ज है, जबकि 5 वर्ष से अधिक अवधि के 97 वाद लंबित हैं। जबकि वादों के शीघ्र एवं निर्धारित समय सीमा के अंदर निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करते रहते हैं। अनुपालन में जिलाधिकारी समीक्षा कर राजस्व वादों के निस्तारण को निर्देश दे रहे हैं। इसके बावजूद भी वादों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं है। 1 वर्ष, 3 वर्ष एवं 5 वर्ष से अधिक अवधि के पुराने वाद अभी भी अधिक संख्या में लंबित हैं।

निर्देशित किया है कि राजस्व वादों का गुणवत्तापरक निस्तारण करें। निर्धारित समय-सीमा का एक भी वाद लंबित नहीं रहना चाहिए। एडीएम प्रशासन ने निर्देश दिए कि उप जिलाधिकारी अपनी-अपनी तहसील के समस्त राजस्व न्यायालयों में कार्रवाई करने को अपने स्तर से कहें। पुराने वादों का निस्तारण कर कृत कार्रवाई की सूचना एडीएम प्रशासन कार्यालय को भी उपलब्ध कराएं।

एक नजर

पिता -पुत्री पर रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार : क्योलड़िया पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर पिता- पुत्री पर रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज की है। क्योलड़िया क्षेत्र के ग्राम पेहना निवासी हरीश कुमार का आरोप है कस्बे के अशफाक और उसकी पुत्री उसे तरह - तरह की धमकी देकर रंगदारी मांगते हैं। ये दोनों पहले भी कई लोगों से रंगदारी वसूल चुके हैं। हरीश ने इसकी शिकायत पुलिस के साथ ही एसएसपी से भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई ।जिस पर उसने कोर्ट की शरण ली ।कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पिता- पुत्री के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

ढाबा मालिकों के नाम का बोर्ड लगवाने की मांग

भोजीपुरा, अमृत विचार : जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता नरेंद्र पाल सिंह ने प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा को एक पत्र देकर ढाबा मालिकों के वास्तविक नाम का बोर्ड लगवाए जाने की मांग की है। ताकि शिव भक्तों के खान-पान की पवित्रता बनी रहे। प्रभारी निरीक्षक को दिए गए पत्र में कहा गया है भोजीपुरा क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज और आसपास खाने के ढाबे हैं। सावन में कांवड़ लेकर जाने आने वाले शिव भक्तों की भीड़ रहेगी। शिव भक्तों के साथ पवित्रता बनी रहे इसलिए ढाबों के वास्तविक मालिकों के नाम का बोर्ड लगवाया जाना जरूरी है। भाजपा नेता अर्जुन सिंह यादव ने पुलिस के आला अफसरों को एक्स पर पोस्ट कर ढाबों के मालिकों के वास्तविक नाम का बोर्ड लगवाए जाने की मांग की है।

सावन के पहले दिन मंदिरों में रही श्रद्धालुओं की भीड़

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : सावन के पहले दिन शुक्रवार को नगर के शिव मंदिरों में भक्तों की खासी भीड़ रहीं । श्रद्धालु सुबह से ही जलाभिषेक करने वालों की कतारें लगी रही। सावन के पहले दिन लोगों ने भगवान शंकर की पूजा अर्चना कर व्रत धारण किया। राधा कृष्ण मंदिर के पुजारी पं. उमेश शर्मा ने बताया आज कई जगह रुद्राभिषेक का कार्यक्रम भी किया गया। इसके बाद देर शाम को भजन कीर्तन हुआ ।

दूसरे दिन भी बहाल नहीं हो सकी बिजली आपूर्ति

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : दूसरे दिन भी कस्बेवासी बिजली कटौती से जूझते रहे। पानी की मोटरें नहीं चलने से पेयजल का संकट लोगों के सामने खड़ा हो गया। बुधवार रात हुई बारिश के बाद क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था ठप हो गई जो शुक्रवार को दूसरे दिन भी सुचारू नहीं हो पाई । अधिकारियों के अनुसार 33 केवी लाइन में लगातार फाल्ट आ रहा है । क्षेत्र में डली बिजली की लाइनें और खंभे जर्जर हो गया है, जो भगवान भरोसे चल रहे है। विद्युत उपकेंद्र की ट्रालियों की हालत दयनीय है जिस वजह से 24 घंटे में चार घंटे भी सप्लाई सुचारू रूप से नहीं चल पाती है।

मारपीट के मामले में चार लोगों पर रिपोर्ट

भमोरा, अमृत विचार : रंजिशन दो दिन पहले हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। थाना क्षेत्र के गांव देवचरा निवासी अमित ने बताया 2 दिन पहले गांव निवासी विमल और कमल से झगड़ा हो गया था, लेकर गुरुवार शाम जब मैं घर लौट रहा था रास्ते में घात लगाए बैठे दोनों ने साथ लाए तलवार और तमंचे से हमला कर दिया। शोर शराबे की आवाज पर गांव निवासी हरिओम, रघुनंदन, सूरजपाल जब मुझे बचाने आए तो उन दोनों ने उसके साथ मारपीट की, जब वह बचने के लिए घर में घुस गया तो सभी लोगों ने पथराव किया। पुलिस ने अमित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर घायलों को अस्पताल भेजा।

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़े ई रिक्शा से दो बैट्री चोरी

आंवला, अमृत विचार : चालक रेलवे स्टेशन के बाहर ई-रिक्शा खड़ा करके सवारी बुलाने गया, इसी बीच चोर ई रिक्शा की दो बैट्री चुरा ले गया। चालक ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। रहटुईया गांव निवासी सत्यवीर ने बताया वह ई रिक्शा शुक्रवार सुबह 10 बजे वह रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा करके सवारियों को बुलाने गया। 5 मिनट के बाद वापस लौटने पर देखा उसके ई-रिक्शा की दो बैट्री कोई निकाल कर ले गया। उसने दोनों बैट्री की कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई है।

मंदिरों में सफाई, पेयजल और बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखें

डीएम ने कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में अफसरों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक करते डीएम अविनाश सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न योजनाओं से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 में अपात्र पाए गए लाभार्थियों की फिर से सत्यापन की समीक्षा की।

नगर पंचायत धौराटांडा और नगर पंचायत आंवला में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 के अंतर्गत सत्यापन की स्थिति कम चल रही है, जिस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र सत्यापन पूरा करने के निर्देश दिए। डीसी मनरेगा को निर्देश दिए कि तहसील आंवला स्थित लिलौर झील और मीरगंज स्थित नाहल नदी को पुनर्जीवित करने के जो कार्य अधूरे हैं, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। एसडीएम मीरगंज और आंवला को निर्देश दिए कि गांव के लोगों को नदी के आस-पास पेड़ लगाने व नदी में गंदगी न फेंकने के लिए प्रोत्साहित करें।श्रावण माह में मंदिरों में आने व जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग लाइन बनाई जाए, जिससे जलाभिषेक करने में किसी प्रकार की समस्या न हो। कांवड़ यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। डीएम ने मंदिरों में साफ-सफाई, बिजली, पेयजल और श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। कहा कि कांवड़ यात्रा को लेकर स्वागत द्वार ऐसा बनाया जाए, जो आकर्षक लगे। सीडीओ देवयानी, एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह, सभी एसडीएम और खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

संवाददाता, हाफिजगंज

मनोज फाइल फोटो।

- मनोज तीन भाइयों में सबसे छोटा था
- बेटी की मौत की खबर से मां हुई बेहोश

अमृत विचार: थाना हाफिजगंज की ग्राम पंचायत सुंडियावा मुंडिया के चुन्नी लाल का बेटा मनोज उर्फ लालू (20) किसी काम से नवाबगंज बाइक से जा रहा था। बरेली -पीलीभीत हाईवे पर मढ़ी के निकट हाईवे निर्माण कार्य में लगे ट्रक ने उसे रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया। मौका पाकर ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया। जैसे ही मनोज की मौत की खबर उसके घर पहुंची मां नन्हीं देवी बेहोश हो गई, मृतक तीन भाईयों में सबसे छोटा था।

कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : नेशनल हाईवे के धनेटा फाटक के पास कार की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया। जिला रामपुर के कस्बा व कोतवाली मिलक निवासी जलील अहमद शुक्रवार दोपहर बाद बाइक से बरेली किसी काम से जा रहे थे। धनेटा फाटक के पास पहुंचने पर उनकी बाइक में पीछे से आ रही अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से टकरा गई, उनका सिर डिवाइडर से लगने के कारण वह गंभीर घायल हो गए।

टूटे बूम की मरम्मत नहीं होने से हो रही परेशानी

संवाददाता, मीरगंज

टूटा बूम और पड़ी हुई पीपल की डाली।

अमृत विचार : 10 दिन पहले संजरपुर गांव के पास रेलवे क्रॉसिंग संख्या 377/ सी पर पाकड़ की डाली गिरने से क्षतिग्रस्त हुए बूम को अब तक सही नहीं कराया गया है। आवागमन बंद होने से स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है।

सबसे अधिक परेशानी बच्चों की बस, वैन न निकलने को लेकर है। फाटक पर बूम हर समय गिरी रहती है। इस रास्ते से होकर गांव जौनेर ,संजरपुर और सिंधौली के लोग आते और जाते हैं। राहगीर और ग्रामीण इस रास्ते से बड़ा वाहन नहीं निकाल पा रहे हैं। बाइक या साइकिल बूम के नीचे से निकालकर लोग जान जोखिम में डाल रहे हैं। यहीं नहीं अगर कोई बीमार पड़ता है तो एंबुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच सकती। उसे घूमकर जाना पड़ता है। एक सप्ताह बाद भी रेलवे क्रॉसिंग के बूम को सही नहीं कराया गया। स्थानीय लोगों ने पाकड़ की टहनी को हटाने की मांग की है, जिससे आवागमन सुचारू हो सके।

कांवड़ मार्ग को दुरुस्त करने की मांग

संवाददाता, मीरगंज

गड्ढों में तब्दील मार्ग पर फैला कीचड़। ● अमृत विचार

- कीचड़ से पटे मार्ग से चलना हुआ मुश्किल, 17 को गांव से निकलनी है कांवड़ यात्रा

अमृत विचार: ग्राम पंचायत सुल्तानपुर के मझरा दुनकी के ग्रामीणों ने एसडीएम तृप्ति गुप्ता को शिकायती पत्र देकर कांवड़ वाले रास्ते को सही करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया गांव की कांवड़ की यात्रा जो ग्राम दुनकी शिव मंदिर से 17 जुलाई को हरिद्वार जाएगी, लेकिन शिव मंदिर से नहर की पुलिया तक का रास्ता बहुत ज्यादा टूटा हुआ है और उसमे गड्ढे एवं कीचड़ हैं जिससे उनके वाहनों को निकलने में दिक्कत होगी। ग्रामीणों का आरोप है कि ये रोड सही कराने की सूचना प्रधान को एक महीना पहले दी थी। प्रधान ने व्यक्तिगत रास्ते पड़वा दिए , लेकिन ये रास्ता सही नहीं करा रहे हैं। उनकी मांग है कि ग्राम दुनकी शिव मंदिर से नहर की पुलिया तक का रास्ता पक्का बनवाया जाए। जिससे कांवड़ यात्रा सही ढंग से निकल सके। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य निरंजन यदुवंशी, राजीव कुमार,राजेश कुमार,विशाल ,सुरेंद्र कुमार, मनीष, अजय, रवी, मोहन स्वरूप, जितेंद्र, हेतराम,गुड्डू वर्मा, विजय राजपूत आदि मौजूद रहे। प्रधान पति मोतीराम ने बताया ये खड़ंजा तत्कालीन सांसद की ओर डलवाया गया था। गांव से बाहर का रास्ता है।ग्राम पंचायत से नहीं पड़ सकता। ग्रामीणों के आरोप निराधार हैं।

अंतरिक्ष यात्री बनने को बच्चों के मन में उमंग के पंख लगा रही स्पेस लैब

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रत्नगढ़ में बनी स्पेस लैब में जानकारी लेतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जो बच्चे अब तक खगोलीय रहस्यों से अनभिज्ञ थे, अब वही बच्चे खगोलीय चीजों को समझ रहे हैं। बरेली के पूर्व डीएम रविन्द्र कुमार की परिषदीय स्कूलों में स्पेस लैब बनाने की सोच बच्चों के लिए भविष्य को उड़ान दे रही है। लखनऊ के शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष में जाने के बाद बच्चों की जिज्ञासा और बढ़ गई है। उनके मन में भी अंतरिक्ष यात्री बनने की उमंग जन्म ले रही है। स्पेस लैब उनकी उमंग को पंख लगाने का कार्य कर रही है। जिले में अब तक 15 स्पेस लैब बनाई जा चुकी हैं। जिनमें खगोलीय शास्त्र से जुड़े आधुनिक उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थी खगोल की संरचनाओं को करीब से जान रहे हैं।

प्रत्येक लैब की लागत 6 से 7 लाख रुपये है। इनमें छोटे बड़े खगोल शास्त्र के आधुनिक उपकरणों की संख्या 20 से अधिक है। जिसमें प्रयोगशाला के मुख्य कार्यशील मॉडल हैं दूरबीन, वीआर बॉक्स, सौर मंडल एवं सौर चंद्र कार्यशील मॉडल, प्रकाश का परावर्तन, चंद्रमा के लिए रॉकेट, न्यूटन का नियम, मानव कंकाल, डिजिटल माइक्रोस्कोप, रॉकेट और उपग्रह आदि वस्तुएं इंस्टाल की जा चुकी हैं। ये प्रयोगशालाएं बहेड़ी के गांव मुरचैड़ा, मझगवां के अंतपुर, बलई, मनौना, फतेहगंज के दंतिया, शेरगढ़ के गांव रतनगढ़, दमखोदा के कस्तूरबा विद्यालय समेत 15 विद्यालयों इंस्टाल की जा चुकी हैं, जिसमें 6 लैब पीडब्ल्यूडी और 9 लैब आरईडी ने बनाई हैं।

हालांकि अभी जिन विद्यालयों में विज्ञान या गणित के अध्यापक हैं वही बच्चों को सामान्य जानकारी दे रहे हैं। अब तक पूर्ण रूप से प्रशिक्षण शुरू होना बाकी है। अब तक आसपास के विद्यालयों के छात्रों को लैब का अवलोकन कराया गया है। शिक्षकों का प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था को दी गई है। कार्यदायी संस्था के प्रवक्ता आशु चौहान ने बताया कि लैब जब तक बनकर तैयार हुई तब तक विद्यालय बंद हो चुके थे, जिसके बाद शिक्षकों के सामूहिक प्रशिक्षण की योजना थी, लेकिन पूर्व डीएम का तबादला हो गया। अब शिक्षकों का प्रशिक्षण नवोदय विद्यालय में जल्द दिया जाएगा।

रुपये देकर लाई बहू, बेहोश करके जेवर लेकर फरार

संवाददाता, फरीदपुर

- पीड़ित महिला ने आरोपियों के खिलाफ दी तहरीर

अमृत विचार : एक महिला ने बेटे का घर बसाने के लिए मायके की एक परचित महिला को एक लाख बीस हजार देकर एक युवती को घर लेकर आई। आरोप है, उसी रात उसने घर वालों को खाने में नशीला पदार्थ देकर घर से गहने और कीमती सामान लेकर फरार हो गई। सुबह जब घर वाले उठे तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। पहले तो पीड़ित महिला ने उस महिला से संपर्क किया, जिसने उसके साथ उस युवती को भेजा था। उसके पल्ला झाड़ने पर चौकी पहुंचकर तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं कि इसके बाद उसने शुक्रवार को थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

थाना क्षेत्र के ग्राम सारी पुर निवासी विधवा महिला ने बताया वह अपने मायके कमालपुर गई थी, जहां उनकी मुलाकात एक महिला हुई जिसने उससे बेटे की शादी के बारे में पूछा तो उसने हां बोल दिया। इसके बाद उस महिला ने उससे शादी कराने के लिए 1 लाख 20 रुपये की मांग की। बेटे का घर बसाने के लिए उसने एक लाख 20 हजार एक महिला और पुरुष को दे दिए। इसके बाद 30 जून को दोनों ने युवक को उसके घर भेज दिया। रात में उसने परिवार वालों को नशा देकर घर से जेवर और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। होश आने पर पर पता चला घर में रखा जेवर वह अपने साथ ले गई। तब उसे ठगी का एहसास हुआ। पीड़िता ने 2 जुलाई को चौकी पर तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, इसके बाद शुक्रवार को फिर कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं इस मामले में फरीदपुर थाना प्रभारी राधेश्याम का कहना है ऐसा मामला कोई मेरे संज्ञान में नहीं है यदि आता है तो कार्रवाई की जाएगी।

शराब की दुकान में चोरी की 11 दिन बाद रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : आंवला भमोरा रोड के समीपवर्ती गांव में 11 दिन पहले रात में चोरों ने दो देशी शराब की दुकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपये की शराब और अन्य सामान चोरी कर लिया था।

चोर सीसीटीवी में कैद हो गए थे। पुलिस ने रामनगला गांव में हुई चोरी की घटना में अगले दिन रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। वहीं मोहम्मदपुर पथरा गांव में हुई चोरी की रिपोर्ट 11 दिन बाद दर्ज की है। भमोरा के गांव इस्लामाबाद निवासी अवनेश कुमार ने बताया आंवला भमोरा रोड के मोहम्मदपुर पथरा गांव में उसकी देशी शराब की दुकान है। 29 जून की रात चोर शटर का ताला तोड़कर दुकान से 28 पेटी शराब और गल्ले से 4 हजार की नकदी चोरी करके ले गए।

मृतक के पिता ने बेटे को प्रताड़ित करने का लगाया आरोप, दी तहरीर

कोतवाली में तहरीर देने पहुंचे मृतक के पिता। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : दूसरे समुदाय की किशोरी से छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद युवक की जहरीला पदार्थ खाने से गुरुवार को मौत हो गई थी । युवक के पिता ने कुछ लोगों पर बेटे से मारपीट और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है । मृतक के पिता का कहना है प्रताड़ना और बेइज्जती से दुखी होकर उसके बेटे ने खुदकुशी की।

ग्राम ठिरिया सैदपुर निवासी वलीहसन का पुत्र आरिश (19) कस्बे के एक निजी चिकित्सालय में कार्य करता था । गुरुवार दोपहर में वह चिकित्सालय के सामने स्थित ब्लाक परिसर में दूसरे समुदाय की किशोरी के साथ बैठा था । आरोप है वह किशोरी से छेड़छाड़ कर रहा था, जिस पर दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने उसकी पिटाई कर बेइज्जत किया , जिससे आहत होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई । मृतक के पिता का आरोप है इन लोगों ने बचाने पहुंचे परिवार के लोगों की भी बेइज्जती की थी, उसने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।

युवक ने किशोरी से किया दुष्कर्म रिपोर्ट दर्ज

क्योलड़िया, अमृत विचार : किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। थाने में दी तहरीर में किशोरी ने बताया आरोपी ने उसे अपने घर में खींचकर दुष्कर्म किया। वह किसी तहर अपनी जान बचाकर घर पहुंची और मां को पूरी जानकारी दी। इसके बाद किशोरी ने मां के साथ थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

17 वर्षीय किशोरी ने बताया राजकुमार ने 10 जुलाई की रात को उसे अकेला देखकर घर में घुस आया और उसे मुंह दबाकर अपने घर खींचकर ले गया और दुष्कर्म किया, वह किसी तरह छूटकर घर पहुंची। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को मेडिकल के लिए भेजा।

आवश्यकता है
- मैट्रन (नर्सिंग का अनुभव)
- नर्स (Male/Female) (ANM/GNM)
- आयुर्वेदिक परिचारिका
- OT टेक्निशियन
- वार्ड ब्वॉय
- ड्राइवर (मल्टीपर्पज)
- कैंटीन कुक

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो: +91-8077808309, 9837357497

महाविद्यालय में एनसीसी प्रवेश 22 से

मीरगंज : राजेंद्र प्रसाद पीजी कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राएं जो एनसीसी में प्रवेश लेने के इच्छुक है वह 22 जुलाई को सुबह 11 बजे फॉर्म अंग्रेजी विभाग में जमा कर दे। फॉर्म संबंधी सभी सूचना के लिए कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर लगी जानकारी से अवगत हो। यह जानकारी एनसीसी प्रभारी डॉ पारुल जैन द्वारा दी गई।

सार-संक्षेप

विधायक ने रोड निर्माण का किया शिलान्यास

नवाबगंज, अमृत विचार : विधायक एमपी आर्य ने बीजामऊ गांव से रिछोला किफायतुल्ला गांव की पुलिया तक सड़क निर्माण के लिए शिलान्यास किया। यह चार किमी की सड़क 2 करोड़ 16 लाख रुपये से बनेगी। इस दौरान भदपुरा ब्लॉक प्रमुख के पति रवि शंकर गंगवार, भदपुरा प्रधान संघ अध्यक्ष रामप्रताप गंगवार, लेखराज गंगवार, नीरू सिंह सागर, डॉ. एके गंगवार मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

डंडिया सफदर अली से शिवभक्तों का जत्था रवाना

भदपुरा, अमृत विचार : गांव डंडिया सफदर अली से 15 श्रद्धालुओं का जत्था डाक कांवड़ लेने शुक्रवार को गांव से हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। वहां से कांवड़ लाकर शिव भक्त गोला गोकर्णनाथ के शिवमंदिर पर सोमवार को जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ियों का जत्था डीजे की धुन पर भोले के जयकारे लगाते हुए निकला। ग्रामीणों ने अंग वस्त्र एवं फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। जत्थे में महंत अर्जुन, प्रमोद , देवेश , प्रेमपाल,कपिल, बंटू ,कौशल ,अनुज , मुनेंद्र ,प्रमोद , बेगराज, संतोष समेत अन्य शामिल रहे।

सड़क के किनारे डाले जा रहे कूड़े को हटवाने की मांग

सेंथल, अमृत विचार : नगर पंचायत की ओर मुख्य मार्ग पर डलवाए जा रहे कूड़े से नाराज भाजपा नेता विनय चौधरी ने मुख्यमंत्री पोर्टल और उपजिलाधिकारी नवाबगंज से शिकायत कर मार्ग से कूड़ा हटवाने की मांग की है। कल्यानपुर मंडल अध्यक्ष भाजपा नेता विनय चौधरी ने शिकायत में कहा सावन का पावन माह चल रहा है। मार्ग से कांवड़िए गुजरेंगे। और नगर पंचायत की ओर मार्ग पर कूड़ा डलवाया जा रहा है, इससे कांवड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उनका कहना है कई बार इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत में की, लेकिन कूड़ा डलना बंद नहीं हुआ है। इससे नाराज भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री पोर्टल और उपजिलाधिकारी से कर मार्ग से कूड़ा हटवाने की मांग की है।

सावन माह में मीट बेचने पर होगी सख्त कार्रवाई

शीशगढ़, अमृत विचार : थाना परिसर में क्षेत्र के मीट विक्रेताओं के साथ हुई बैठक में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र सिंह ने किसी भी तरह का मीट न बेचने को कहा। इसके साथ ही किसी भी तरह का मीट बेचने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। प्रभारी निरीक्षक ने चेताया, श्रावण में किसी भी तरह का मीट बेचने पर पाबंदी है, इसका पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। अगर किसी को मीट बेचते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों को सफाई के प्रति करें जागरूक

शेरगढ़, अमृत विचार : ब्लॉक सभागार में पंचायत सहायकों की बैठक हुई, जिसमें स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण को लेकर जागरूक किया गया। एडीओ पंचायत राजीव शर्मा ने पंचायत सहायकों को स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण के तहत घर-घर जाकर फीडबैक लेने के लिए कहा, साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। इससे पूर्व ब्लॉक के प्रधानों, पंचायत सचिवों,पंचायत सहायकों तथा पंचायत सफाई कर्मचारियों को जूम मीटिंग के माध्यम से स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर बीडीओ सुखपाल सिंह,एडीओ पंचायत राजीव शर्मा,खंड प्रेरक प्रेम प्रकाश शर्मा,पंचायत सचिव प्यारेलाल यदुवंशी,विकास गंगवार,आशिफ हुसैन,पंचायत सहायक फिरोज सिद्दीकी,कुसुम मौर्य,अनामिका सिंह,श्रद्धा श्रीवास्तव,शहर बी, गुलिस्तां,यासमीन,विकास,अवनेश कुमार,ग्राम प्रधान ध्रुवराज सिंह,भजनलाल मौर्य,इसराइल मंसूरी,शरीफ खां आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना
सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2019-20 (राजेन्द्र प्रसाद इण्टर कॉलेज मीरगंज) मा. शि. परिषद उ.प्र. की अंक तालिका, जिसका अनुक्रमांक 210770291 है, कहीं गुम हो गई है। **कपिल कुमार पुत्र सोमपाल नि. ग्राम वीरपुर, मकरूका तहसील व जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम JASBINDAR SINGH से बदल कर JASBINDER SINGH S/O HARBHAJAN SINGH निवासी ग्राम लौकहा पोस्ट बिजुआ तहसील गोला जिला खीरी रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाएं।

सूचना
मैं राम देवी माता स्व. सतीश चन्द्र गंगवार नेवी नं. 214233W रैंक PO निवासी ग्राम परमानन्दपुर पोस्ट कमलापुर तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर उ0प्र0 242305, मेरे स्व. पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम राम देवी गंगवार दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक नाम राम देवी है। मुझे राम देवी व राम देवी गंगवार दोनों नाम से जाना पहचाना जाता है।
मेरी जन्मतिथि 01.01.1962 है।

सूचना
मैं चन्द्र भान पिता स्व. सतीश चन्द्र गंगवार नेवी नं. 214233W रैंक PO निवासी ग्राम परमानन्दपुर पोस्ट कमलापुर तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर उ0प्र0 242305, मेरे स्व. पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम चन्द्र भान गंगवार दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक नाम चन्द्र भान है। मुझे चन्द्र भान व चन्द्र भान गंगवार दोनों नाम से जाना पहचाना जाता है। मेरी जन्मतिथि 01.01.1958 है।

सूचना
हमनें अपने पुत्र अमित सिंह व उसकी पत्नी रजनी सिंह को उनके गलत आचरण से तंग आकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं, उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य अथवा लेन-देन के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे उनसे कोई सम्बन्ध व वास्ता नहीं होगा। **संतोष सिंह, पुत्र श्री सुखराम सिंह, निवासी एच.नं. 209, सनेकपुर, अलहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश, 262406**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

एकोदरसमुद्भूता एक नक्षत्र जातका।
न भवन्ति समा शीले यथा बदरिकण्टका: ॥

एक ही उदर से, एक ही नक्षत्र में जन्म लेने पर भी दो लोगों का स्वभाव एक समान नहीं होता । उदाहरण के लिए बेर और कांटों को देखा जा सकता है ।

संपादकीय

कूटनीतिक दक्षता

भारत ने तीन दिन पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में अफगानिस्तान की स्थिति पर प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया। भारत के इस रुख को कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना गया। यह रुख आदर्शवाद से नहीं, बल्कि यथार्थवाद से प्रेरित है। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा है, लेकिन प्रस्ताव में आतंकवाद की चुनौती को लेकर स्पष्टता नहीं थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर अफगानिस्तान से मानवाधिकारों को बनाए रखने, अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने तथा बिगड़ते मानवीय संकट, वापस लौटने वालों की बढ़ती संख्या तथा दशकों के संघर्ष के स्थायी प्रभाव के बीच आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव से दूरी भारत की बदलती विदेश नीति का संकेत है। संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव पर दूरी बनाना इस बात का संकेत है कि भारत सिर्फ नैतिकता के आधार पर नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर कदम उठा रहा है। यदि तालिबान वैश्विक आतंकवाद से खुद को अलग रखने और अपने शासन को समावेशी बनाने के ठोस कदम उठाता है, तो भारत भी भविष्य में रिश्तों को औपचारिक बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है-लेकिन फिलहाल, दूरी और संवाद के बीच की यह कूटनीतिक चाल ही भारत की नीति है।

भारत अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अमेरिका और उसके सहयोगियों के विरुद्ध दो दशक की बगावत के बाद अफगानिस्तान की सत्ता में वापसी की थी। भारत ने एक तरफ मानवीय सहायता बनाए रखी, वहीं दूसरी तरफ उसने तालिबान के साथ धीरे-धीरे अपना राजनयिक संवाद बढ़ाया। जानकारों का मानना है कि तालिबान के साथ जुड़कर भारत पाकिस्तान को दूर रख रहा है। पिछले कुछ सालों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। अफगानिस्तान पाकिस्तान के साथ-साथ चीन के नजरिए से भी भारत के लिए अहम है। गौरतलब है कि रूस, चीन और ईरान, जो दशकों से तालिबान को दुश्मन मानते रहे हैं, ने भी संयुक्त राष्ट्र के मतदान में हिस्सा नहीं लिया। पिछले वर्षों में चीन ने अफगानिस्तान में कई परियोजनाओं में भारी निवेश किया है। उसकी नजर यहां के प्राकृतिक संसाधनों पर है। हाल ही में अफगानिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले की उनकी निंदा की। भारत इसे अफगानिस्तान के साथ संबंध सुधारने के मौके के तौर पर देख रहा है। महत्वपूर्ण है कि भारत तालिबान के साथ बातचीत कर रहा है, लेकिन उसे आधिकारिक मान्यता नहीं दे रहा है। कुल मिलाकर भारत कूटनीतिक दक्षता से आदर्शवाद एवं यथार्थवाद का सही संतुलन बनाकर चल रहा है।

ओली के हवाई दावे से भारत का बेफिक्र रहना ही अच्छा

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

सवाल उठता है कि यदि ऐसे ही हवा हवाई सबूतों के आधार पर किसी भू क्षेत्र अथवा जन्मस्थली पर दावा ठोकना हो तो भारत भी नेपाल के लुंबिनी को अपने देश का हिस्सा कह सकता है। ऐसा कहने के लिए भारत के पास ऐतिहासिक और प्रमाणिक सबूत भी है।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की छवि भारत विरोधी की है, यह बात छिपी नहीं है लेकिन वे खुल्लम खुल्ला भारत को चुनौती देने की अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे, यह हैरान करने वाली बात है। वे कभी भारत के खिलाफ तीसरे देश के हाथ की कठपुतली बन जाते हैं तो कभी भारतीय भू क्षेत्र पर अपना दावा ठोक कर भारत को आंख दिखाते हैं। हद तो यह हो गई कि ओली अब भगवान राम के जन्म स्थान तक को नेपाल में होने का दावा कर रहे हैं। ओली के दावे पर नेपाल के ही एक टिप्पणीकार ने कहा इस पर गौर कर दिमाग खपाने से बेहतर है कि भारत बेफिक्र ही रहे।

ओली के इस तरह अनाप-शनाप बकवास के पीछे का एक सच यह है कि वे नेपाल की राजनीति में निष्प्रयोज्य होते जा रहे हैं। अभी वे गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री हैं। और उस दल के(नेपाली कांग्रेस) गठबंधन में हैं जो अपेक्षाकृत हिंदूवादी है और उसके भारत के हिंदुवादी नेताओं से अच्छे संबंध है। ऐसे में ओली को यह डर सताता रहता है कि भारत अपने समर्थक दल नेपाली कांग्रेस का पेंच जरा सा भी कस दिया तो उनकी कुर्सी गई।

इस डर के बीच ओली नेपाल की राजनीति में कम्युनिस्ट होते हुए ही हिंदुत्व कार्ड खेलने की रणनीति पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। जाहिर है भगवान राम भारत और नेपाल में समान रूप से सर्वमान्य और पूज्यनीय हैं। भगवान राम का ससुराल जनकपुर में है जो नेपाल में स्थित है। यह माता सीता का मायका है। इस रिश्ते की वजह से ही भारत और नेपाल के बीच रोटी बेटी जैसे संबंध को प्रगाढ़ता मिली है जो आज भी कायम है।

नेपाल में इन दिनों राज संस्था और हिंदू राष्ट्र की मांग जोर शोर से चल रही है। आने वाले चुनाव में नेपाल में दो ही मुद्दे हावी रहेंगे। एक गणतंत्र और धर्मनिरपेक्ष दूसरे राजशाही और हिन्दू राष्ट्र! ओली संभावित राजनीति की इस धारा को बखूबी समझ रहे हैं और इससे भयभीत भी हैं। यही वजह है कि वे कभी देश भक्ति का कार्ड खेलते हैं तो कभी हिंदुत्व का।

> प्रधानमंत्री ओली आगे कहते हैं कि "हम पर्यटन की बातें करते हैं, लेकिन राम नेपाल में जन्मे थे-यह बात कोई और कहे,यह कब तब चलेगा? केवल कथाएं बना कर किसी और स्थान को जन्मभूमि बताना कहां तक उचित है?"ओली का इशारा साफ तौर पर भारत की ओर है।उन्होंने कहा, "राम के जन्म के वक्त नेपाल राज्य की क्या सीमाएं थीं, क्या प्रशासन था, वह अलग बात है। शायद वहां थारू समुदाय का गांव रहा होगा, लेकिन आज वह भूभाग नेपाल में ही है। इसलिए सच कहने में हिचक क्यों?"प्रधानमंत्री ओली ने स्पष्ट किया कि किसी को यह बात बुरी लग सकती है, इससे डर कर सत्य बोलने से नहीं रुकना चाहिए।

इस बार हिंदुत्व का कार्ड खेलते हुए ओली ने भगवान राम के नेपाल में जन्मने का राग अलापना शुरू किया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के केंद्रीय पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ओली ने स्पष्ट लहजे में कहा कि "प्रभु राम का जन्म नेपाल में ही हुआ है"यह सच्चाई कहने में किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि नेपाल के चितवन जिले के माड़ी में ही प्रभु श्री राम का जन्म हुआ है। वह पवित्र स्थल राम की जन्मस्थली है।

प्रधानमंत्री ओली आगे कहते हैं कि "हम पर्यटन की बातें करते हैं, लेकिन राम नेपाल में जन्मे थे-यह बात कोई और कहे,यह कब तब चलेगा? केवल कथाएं बना कर किसी और स्थान को जन्मभूमि बताना कहां तक उचित है?"ओली का इशारा साफ तौर पर भारत की ओर है।उन्होंने कहा, "राम के जन्म के वक्त नेपाल राज्य की क्या सीमाएं थीं, क्या प्रशासन था, वह अलग बात है। शायद वहां थारू समुदाय का गांव रहा होगा, लेकिन आज वह भूभाग नेपाल में ही है। इसलिए सच कहने में हिचक क्यों?"प्रधानमंत्री ओली ने स्पष्ट किया कि किसी को यह बात बुरी लग सकती है, इससे डर कर सत्य बोलने से नहीं रुकना चाहिए। उन्होंने कहा, "राम भगवान हैं या नहीं, यह हर किसी का व्यक्तिगत विश्वास है, लेकिन जो लोग भगवान राम को मानते हैं, उनके लिए राम की जन्मभूमि एक पवित्र स्थल है। ओली ने कहा "अगर सच्चाई बोलने से कोई नाराज़ होता है तो वह होता रहे।

प्रधानमंत्री ओली ने यह भी दावा किया कि भगवान शिव, ऋषि विश्वामित्र और कौशिक ऋषि भी नेपाल के ही हैं। उन्होंने कहा, "शिव यहीं के हैं, विश्वामित्र यहीं के हैं। यह रामायण में खुद लिखा है।"प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि वाल्मीकि कृत रामायण में उल्लेख है कि विश्वामित्र ने राम और लक्ष्मण को कोशी नदी पार करके पश्चिम दिशा में यानी नेपाली भूभाग में ही शिक्षा दी थी। यह रामायण में यह लिखा गया है। वाल्मीकि रामायण में यह वर्णित है कि कोशी नदी पार करके विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को शिक्षा दी। इससे स्पष्ट है कि विश्वामित्र चतरा (नेपाल) के थे।"

इतना ही नहीं उन्होंने नेपाल पर्यटन बोर्ड से कहा कि भगवान राम की जन्मस्थली का डिजिटल माध्यम से प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक विदेशी श्रृद्धालुओं को नेपाल आने के लिए आकर्षित किया जाय। ओली ने कहा कि नेपाल के धार्मिक स्थलों का प्रचार बिल्कुल आधुनिक तरीके से और आक्रामक ढंग से किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री ओली ने स्पष्ट किया कि धर्म में विश्वास करना या न करना हर व्यक्ति का स्वतंत्र अधिकार है, लेकिन भगवान राम नेपाल में जन्मे थे और सीता का निधन भी यहीं हुआ था, जैसी बातों का ग्रंथों में उल्लेख है, इसे पूरी दुनिया में प्रचारित करने से डरने की जरूरत नहीं है।

इसके पहले ओली जब भारत के उत्तराखंड में स्थित काला पानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा नामक पहाड़ी क्षेत्र को अपने भू भाग का हिस्सा बताते हुए भारत पर कब्जा करने का आरोप मढ़ते हैं तो इससे वे खुद को पक्का देशभक्त साबित करने की कोशिश करते हैं। यह भू क्षेत्र उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा है। दर असल यह भू क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन सीमा पर स्थित है जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को काला पानी भी कहते हैं। यहीं पर लिपुलेख दर्रा भी है। यहां से उत्तर-पश्चिम की तरफ कुछ दूरी पर एक और दर्रा है, जिसे लिंपियाधुरा कहते हैं।

मई 2020 में भारत ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए पिथौरागढ़ से लिपुलेख दर्रे तक 80 किमी लंबी नई सड़क का उद्घाटन किया था, जिसे लेकर नेपाल ने नाराजगी जताई थी।अंग्रेजों के साथ संधि के करीब 100 साल बाद तक इस इलाके को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ। यहां तक कि भारत ने 1962 में चीनी आक्रमण को रोकने के लिए इस इलाके में अपनी सेना तक तैनात कर दी थी। अभी भी इस इलाके के कई हिस्सों में भारतीय सेना तैनात है। फिर ओली इस दुर्गम इलाके को अपना बताते हैं। सवाल उठता है कि यदि ऐसे ही हवा हवाई सबूतों के आधार पर किसी भू क्षेत्र अथवा जन्मस्थली पर दावा ठोकना हो तो भारत भी नेपाल के लुंबिनी को अपने देश का हिस्सा कह सकता है। ऐसा कहने के लिए भारत के पास ऐतिहासिक और प्रमाणिक सबूत भी है।

हाल ही जापान की एक संस्था ने करीब पांच साल तक लुंबिनी पर किए रिसर्च में लुंबिनी को भारत का हिस्सा बताया है। जापानी संस्था की यह रिपोर्ट लुंबिनी पर अपना दावा ठोकने के लिए एक ठोस सबूत है लेकिन भारत ऐसा कर नेपाल से अपने संबंधों में खटास नहीं लाना चाहता वहीं ओली हैं कि वे भारत को चिढ़ाने से बाज नहीं आते। मजे की बात यह है कि भारत ओली के ऐसे ऊल जलूल हरकतों पर ध्यान तक नहीं देता क्योंकि वह जानता है कि नेपाल की राजनीति नया करवट ले रही है जिसमें फिलहाल ओली किसी भी कोण पर टिकने वाले नहीं हैं।

प्रसंगवश

धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग 'धंधे' में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से "छांगरू बाबा" उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'
वरिष्ठ पत्रकार

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था-जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा 'रेट कार्ड' था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से - यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, 'इस्लाम कबूल करने से मिली राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है-जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया।इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है - जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं। इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था-जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है। यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है।

यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है। धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। जरूरी है कि धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें –बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

हिंदुत्व से हटकर नैतिकता की राजनीति

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है। इस बार तापमान बढ़ाने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है, जिसने अपनी परंपरागत रणनीति से हटकर एक नई सियासी जमीन तैयार करने की कोशिश की है। अब भाजपा बंगाल में हिंदुत्व या राष्ट्रवाद की बजाय 'सांस्कृतिक पतन','महिला सुरक्षा'और 'शिक्षा व्यवस्था की गिरावट' जैसे मुद्दों को केंद्र में लाकर ममता बनर्जी की सरकार को घेरने का प्रयास कर रही है। यह केवल एक चुनावी बदलाव नहीं है, बल्कि भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है जो उसे बंगाल की सत्ता के केंद्र तक पहुंचाने की दीर्घकालिक योजना को दर्शाती है। इसके लिए पार्टी ने संगठन में भी व्यापक फेरबदल किए हैं और एक ऐसे नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है जो बंगाली अस्मिता और सामाजिक चेतना की नब्ज को बेहतर तरीके से समझता है। समिक भट्टाचार्य की ताजपोशी सिर्फ एक पद की नियुक्ति नहीं बल्कि एक राजनीतिक संकेत है भाजपा अब बंगाल को दिल्ली की नजरों से नहीं, बल्कि कोलकाता की चेतना से देखेगी।

संजय सक्सेना
स्वंतत्र पत्रकार, लखनऊ

> समिक भट्टाचार्य की ताजपोशी सिर्फ एक पद की नियुक्ति नहीं बल्कि एक राजनीतिक संकेत है भाजपा अब बंगाल को दिल्ली की नजरों से नहीं, बल्कि कोलकाता की चेतना से देखेगी।

यह बदलाव ऐसे समय में किया गया है जब पार्टी को पिछले चुनावों में बंगाल में अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भारी संसाधन झोंकने के बावजूद सत्ता से दूरी बनाए रखी। उस चुनाव में पार्टी ने ममता बनर्जी के खिलाफ जिस आक्रामक हिंदुत्व की रणनीति अपनाई, वह बंगाल की पारंपरिक बहुसांस्कृतिक चेतना से टकरा गई। नतीजा यह रहा कि भाजपा को कई सीटों पर अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। अब पार्टी ने उस गलती से सबक लेते हुए रणनीति में मूलभूत बदलाव किया है। इस बार न तो जय श्री राम के नारे प्राथमिकता में हैं और न ही नागरिकता संशोधन कानून को हवा दी जा रही है। अब भाजपा बंगाल के पतनशील समाज, शिक्षा की विफलता और महिलाओं की असुरक्षा को ममता सरकार की नाकामी के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

इस नई रणनीति का सबसे स्पष्ट उदाहरण अमित मालवीय की ओर से जारी किए गए वे वीडियो हैं, जिनमें कथित रूप से तृणमूल कांग्रेस के छात्र संगठन से जुड़े नेता कॉलेज परिसरों और यूनियन दफ्तरों का दुरुपयोग करते नजर आ रहे हैं। एक वायरल क्लिप में छात्र नेता को एक छात्रा से सिर की मालिश करवाते हुए दिखाया गया है। हालांकि इन वीडियो की पुष्टि स्वतंत्र रूप से नहीं की जा सकी है, लेकिन भाजपा ने इन्हें राज्य की नैतिक और शैक्षणिक गिरावट के प्रतीक के रूप में प्रचारित किया है। भाजपा का दावा है कि बंगाल जो कभी भारतीय पुनर्जागरण का केंद्र था, आज वहां की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। पार्टी का कहना है कि छात्रों को मजबूरी में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करना पड़ रहा है क्योंकि राज्य में उन्हें न सुरक्षित माहौल मिल रहा है और न ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।

यह भी कोई संयोग नहीं कि भाजपा अब महिला सुरक्षा को लेकर लगातार आक्रामक हो रही है। संदेशखली की घटना को भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर मुद्दा बनाया है, जहां तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता पर कई महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए। इसके अलावा आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या, कोलकाता लॉ कॉलेज में बलात्कार जैसी घटनाओं को भाजपा लगातार ममता सरकार की नाकामी के रूप में प्रस्तुत कर रही है। भाजपा की फैक्ट फाइंडिंग टीम, जिसकी अगुवाई मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त सत्यपाल सिंह कर रहे हैं, ने लॉ कॉलेज मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि तृणमूल के छात्र संगठन के पास सत्ता का ऐसा संरक्षण है कि वे कॉलेज परिसरों में खुलेआम सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने इसके समर्थन में 50 से ज्यादा तस्वीरें जारी की हैं और दावा किया है कि ये तस्वीरें उस तंत्र का हिस्सा हैं जो राज्य के युवाओं को नैतिक रूप से भ्रष्ट कर रहा है।

शुभेंदु अधिकारी ने इस मुद्दे को एक बड़े सामाजिक आंदोलन का रूप देने की कोशिश की है। उन्होंने ममता बनर्जी की 21 जुलाई को होने वाली शहीद दिवस रैली के दिन एक समानांतर 'कन्या सुरक्षा यात्रा' निकालने की घोषणा की है। इस पूरे घटनाक्रम को देखें तो यह साफ़ हो जाता है कि भाजपा अब सिर्फ चुनाव जीतने की राजनीति नहीं कर रही, बल्कि वह बंगाल की सामाजिक चेतना को बदलने की कोशिश कर रही है। पार्टी अब वहां एक वैकल्पिक नैतिक विमर्श गढ़ रही है, जिसमें ममता सरकार को भ्रष्ट, नैतिक रूप से पतित और जनता से कटे हुए शासन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह न केवल विकल्प है, बल्कि वह सुधार की आवश्यकता है।

सोशल फोरम

कभी कभार की अनहोनी

सावन के बादलों का इंतज़ार बस प्रेमियों को रहता हो ऐसी कतई नही है। सड़क बनाने वाले ठेकेदार और अफसर उनसे भी ज्यादा अधीरता से निहारते है बादलों को। बादलों की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है कि वो आएं और सड़कों को बहा ले जाएं। सड़क बनाने वाले ठेकेदार और अफसर आस्तिक होते है। भगवान भी प्रेम करता है उनसे और आमतौर पर हर साल बादल भेजना याद रखता है। सलोने बादल आते हैं। बरसते हैं ,और उनका रास्ता ताकती भावनाओं से भरी सड़कें बह जाती हैं।

मुकेश नेमा
वरिष्ठ लेखक

सड़कें बहने के लिए ही बनाई जाती हैं हमारे यहां। पर कभी कभार अनहोनी भी होती ही हैं। कुछ ढीठ किस्म की सड़कें नहीं भी बहती। ऐसा ही अजीब वाकया हुआ एक शहर में। एक सड़क बादलों के मनुहार के बावजूद नहीं बही। दुनिया का सातवां आश्चर्य। देखते ही देखते यह खबर आग की तरह फैली। हैरान जनता झुंड बना बना कर उसे देखने आई। पब्लिक को सतयुग आने का शक हुआ। लोगों ने आंखें मल मल कर देखा बिना बही सड़क को। एक दूसरे को चिकोटी काट कर तस्दीक की कि कहीं वो सपना तो नहीं देख रहे। और जो चीज देख रहे हैं वो सड़क ही है या कुछ और है। फिर जनता हो हो कर हंसी और उसने सड़क बनाने वाले अफसर और ठेकेदार को गधा करार दिया।

खबर सड़क बनाने के लिए जिम्मेदार महकमे तक भी पहुंची। संबंधित अफसर को बाक़ी अफसरों ने दया भाव से देखा। सब हंसे उस पर। वो अपनी ग़ैरज़िम्मेदारी पर शर्मिंदा हुआ। उसने फौरन सड़क बनाने वाले ठेकेदार को तामील किया। ठेकेदार आया। घबराया और आंखें नीचे किए रहा। साहब अनमना है बहुत। शर्मा ऐसी उम्मीद थी नहीं तुमसे। ठेकेदार सचमुच शर्मिंदा है। दुखी है अपने ही पेट पर लात मारने के लिए। सर मैंने डांटा है अपने बंदों को।

साहब मायूस भी हैं। ये क्या कर बैठे तुम ? बिना बही सड़कें साख खराब करती हैं। अब बड़े अफसर तुम्हारे साथ मुझे भी नौसिखिया मानेंगे। सबका नुकसान कर दिया तुमने। नई नई नौकरी है मेरी। मुझे डर है कहीं प्रोबेशन पीरियड न बढ़ा दिया जाए मेरा।

-फेसबुक वॉल से

बचपन अब एक दौर नहीं, एक दौड़ है

बचपन अब एक स्मृति होता जा रहा है-समय से पहले ही बीतता हुआ। बच्चों की सुबहें अलार्म पर खुलती हैं, दिन ट्यूशन और टेस्ट के बीच सिमट जाते हैं, शामें स्क्रीन पर गुजरती हैं, और रातें होमवर्क और ट्यूशन वर्क के नीचे दब जाती हैं। यह दिनचर्या अब अपवाद नहीं रही- यह सामान्य हो चुकी है। एक उम्र जो पहले खेलने, उलझने और धीरे-धीरे बनने के लिए होती थी, अब वहां बनने से पहले ही तय कर लिया जाता है कि क्या बनना है। और उस तयशुदा मंज़िल तक पहुंचने की दौड़ बहुत पहले शुरू हो जाती है- कभी होश में, कभी अनजाने में।

आज यह मान लेना सहज हो गया है कि बच्चे 'सही' रास्ते पर हैं- वे पढ़ाई कर रहे हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में हैं, भाषाएं और स्किल्स सीख रहे हैं। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में एक सवाल लगातार अनुत्तरित रह जाता है: क्या वे कुछ महसूस भी कर पा रहे हैं? क्या उनके पास यह जानने की जगह बची है कि उन्हें क्या पसंद है, किस बात से डर लगता है, किस दिशा में वे स्वयं को देखना चाहते हैं? या फिर यह मान लिया गया है कि नंबर लाना, दूसरों से बेहतर होना और जल्दी किसी स्थिति तक पहुंचना ही काफी है?

इस चुप्पी में जो सबसे पहले दबता है, वह है- बच्चों का स्वयं से परिचय। वे असफलता से डरते हैं, पर कह नहीं पाते। वे उम्र से बड़ी बातें करने लगे हैं, लेकिन अपनी उम्र के छोटे-छोटे सुख भूल चुके हैं। धीरे-धीरे उनके भीतर यह भाव बनने लगता है कि अगर वे थोड़ा भी पीछे रह गए, तो घर में उनका महत्व कम हो जाएगा। यह भावना कोई कल्पना नहीं, बल्कि उन असंख्य सूक्ष्म संकेतों से उपजती है जो उन्हें रोज़ मिलते हैं -कभी तुलना से, कभी प्रशंसा की शर्तों से, और कई बार सिर्फ हमारी चुप्पी से।

यह चुप्पी सिर्फ घर की नहीं है। बच्चों को कई बार स्कूल भी एक प्रोजेक्ट साइट सरीखे लगते हैं जहां सीखने की जगह तो है ही, लेकिन साथ ही यहां भी प्रदर्शन के मायने ज्यादा हैं। शिक्षक भी उसी दबाव के शिकार हैं, जो हर वक्त रैंकिंग, रिपोर्ट और रिजल्ट सेबंधा है। कोचिंग संस्थानों का विस्तार किसी से छुपा नहीं है। एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा अपने बच्चों से जुड़े इन्हीं 'शैक्षणिक निवेश' में लगा देता है - इस उम्मीद में कि शायद यह सफलता की गारंटी बन जाए। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और जटिल है, जहां संसाधनों की कमी का बोझ बच्चे अपने आत्मविश्वास पर उठाते हैं। बच्चों के लिए असफलता सिर्फ एक नतीजा नहीं, पहचान का संकट बन जाती है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

> यह एक मौन आपातकाल है-जिसमें हर बच्चा 'ठीक है' कहता तो है, लेकिन भीतर कहीं न कहीं थका हुआ है। वह सिर्फ स्कूल में नहीं, घर में भी हर वक्त जांच की निगाहों में है।

माता-पिता इस व्यवस्था के न तो निर्माता हैं, न ही उसका समाधान। वे स्वयं इसमें उलझे हुए सह-यात्री हैं। वे अपने बच्चों के लिए वह सब कुछ चाहते हैं जो उसके सुखद और सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करता हो, वह सब कुछ भी जो शायद कभी उनके पास नहीं हो पाया, या जो उनसे किन्हीं कारणों से खो अथवा छिन गया। लेकिन यह समझना जरूरी है कि इरादों की यह पवित्रता भी कभी-कभी बच्चों पर असहनीय आकांक्षा का बोझ बन जाती है। यह अपेक्षा अब इतनी सामान्य हो गई है कि उसकी उपस्थिति दिखती नहीं, लेकिन हर बच्चे की धड़कनों में गूंजती है।

आज अगर कोई बात सबसे अधिक ज़रूरी है, तो वह है यह समझना कि बच्चे केवल नंबर नहीं, अनुभव भी हैं। वे केवल प्रदर्शन की परियोजना नहीं, एक बनती हुई संवेदना हैं। उन्हें कोई एक दिशा देने से पहले समझना होगा- वे क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं। ठहराव और उलझन किसी भी यात्रा का अभिन्न अंग हैं - इन्हें विफलता की तरह नहीं, विकास की तरह देखना चाहिए। इन्हें कमजोरी की तरह नहीं, हिस्सेदारी की तरह देखा जाना चाहिए।

यह एक मौन आपातकाल है-जिसमें हर बच्चा 'ठीक है' कहता तो है, लेकिन भीतर कहीं न कहीं थका हुआ है। वह सिर्फ स्कूल में नहीं, घर में भी हर वक्त जांच की निगाहों में है। वक्त है चीज़ों को थोड़ा अलग देखने का-जहां स्कूल सिर्फ सिलेबस खत्म करने की जगह न हो, घर सिर्फ उम्मीदों से भरा एक कमरा न हो, और समाज हर बार यह पूछने से पहले कि बच्चा कहाँ तक पहुंचा, कभी यह भी पूछे कि वह कैसा महसूस कर रहा है। क्योंकि सबसे आगे निकल जाने की होड़ में अगर कोई चीज़ सबसे पहले गिरती है, तो वह सहजता होती है। और जो सबसे आखिर में चुपचाप पीछे छूट जाती है, वह होती है-बचपन।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

एक नजर

खेत में बकरी जाने पर बच्चे को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

भमोरा, अमृत विचार : खेत में बकरी जाने पर खेत मालिक ने बच्चे के साथ मारपीट की, घायल के भाई ने आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना क्षेत्र के गांव सिरोही निवासी अंकित ने बताया शुक्रवार देर शाम मेरा छोटा भाई विजय सिरोही स्थित एक भट्टे के पास बकरी चरा रहा था। प्यास लगने पर भट्टे पर लगे नल पर पानी पीने चला गया, इतनी देर में एक बकरी पड़ोसी के खाली खेत में चली गई जिस पर खेत मालिक उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायल को मेडिकल के लिए भेजा।

गांव में सफाई कर्मी तैनात करने की मांग

शेरगढ़, अमृत विचार : गांव दुनकी में पंचायत सफाई कर्मचारी की तैनाती की मांग को लेकर भाकियू अराजनैतिक टिकैत के कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक मुख्यालय पर पंचायत की। बीडीओ सुखपाल सिंह और एडीओ पंचायत राजीव शर्मा को ज्ञापन सौंपा। दुनकी गांव में पंचायत सफाई कर्मचारी नरेश कश्यप तैनात थे, विभाग ने उनका स्थानांतरण कर दिया, जिससे गांव में सफाई कार्य नहीं हो पा रहा है, इसलिए सफाई कर्मचारी नरेश कश्यप को दोबारा गांव में तैनात किया जाए। अधिकारियों ने बताया पंचायत सफाई कर्मचारी का स्थानांतरण तो वापस नहीं किया जा सकता, लेकिन गांव में सफाई कर्मचारी की तैनाती कराकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी।

किसानों को योजनाओं की दी गई जानकारी

फरीदपुर, अमृत विचार : पंजाब नेशनल बैंक की स्टेशन रोड स्थित शाखा की ओर से 'कृषि आउटरीच' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि द्वारिकेश चीनी मिल के यूनिट हेड आरके गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में सर्किल हेड रोमेश अग्रवाल ने किसानों को कृषि में नए नवाचारों के साथ ही पीएनबी की विभिन्न योजनाओं जैसे स्वयं सहायता समूह, भूस्वामी योजना, ट्रैक्टर लोन, गोल्ड लोन, कोल्ड वेयर, कृषि अवसंरचना कोष, पीएमएफएमई के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कई किसानों को लोन स्वीकृति के प्रमाण पत्र दिए गए साथ ही आकर्षक छूट के साथ कृषि लोन आदि के बारे में जानकारियां दी गईं। इस दौरान पीएनबी के शाखा प्रबंधक सुमित सिंह, पुष्पराज व बैंक स्टाफ के अलावा क्षेत्र के अनेक प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

विजय बने हिंदू राष्ट्र सेना के मंडल अध्यक्ष

भुता, अमृत विचार : कुआंडांडा निवासी विजय गौरव सनातनी को हिंदू राष्ट्र सेना का मंडल अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र नाथ गिरी महाराज ने नियुक्त किया।विजय गौरव शुरू से ही क्षेत्र के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वही मंडल अध्यक्ष बनने पर उन्होंने कहा मैं संगठन के हित में सदैव लड़ाई लड़ता रहूंगा, साथियों के भरोसे पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

गाय को बचाने के चक्कर में गाड़ी पलटी

मीरगंज, अमृत विचार : अनुबिस डिग्री कॉलेज के पास मैजिक गाड़ी शुक्रवार शाम 7:45 बजे गाय को बचाने के चक्कर में खंती में चली गई। हादसे में चालक को चोट आई, बाकी लोग बच गए। चालक मैजिक से सवारी लेकर हरदोई से लुधियाना जा रही था। मीरगंज में अचानक वाहन के सामने गाय आने से चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया, कार पलटा खाते हुए खंती में जाकर गिर गई। कार में पांच महिला, चार पुरुष सवार थे। हादसे में ड्राइवर इलियास निवासी बघौली थाना व कस्बा बघौली जनपद हरदोई घायल हो गया, इसके अलावा सभी लोग सकुशल हैं। पुलिस के घायल को एम्बुलेंस से सीएचसी भिजवाया।

अब अगले वर्ष से अपने ही आशियाने में रह सकेंगे रेस्क्यू होने वाले बाघ-तेंदुए

हिंसक होने के साथ बीमार होने की दशा में भी एक साथ रखे जा सकेंगे 13 बाघ-तेंदुए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

निर्माणाधीन रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र में बनाया जा रहा ओवरहेड टैंक। ● अमृत विचार

- रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र के निर्माण में आई तेजी, तीसरे फेज का 50% काम पूरा

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बाघ-तेंदुए हिंसक होने के साथ व्यवहार में परिवर्तन एवं बीमार होने की दशा में भी उन्हें अपने आशियानों से दूर नहीं किया जाएगा। रेस्क्यू किए गए बाघ-तेंदुओं को पूरनपुर रेंज की गोपालपुर वन प्रभाग में बन रहे रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा। वन अफसरों के मुताबिक इन दिनों तीसरे फेज का कार्य तेजी से चल रहा है, जो 50 फीसदी पूरा भी हो चुका है। संभवतया साल के अंत तक काम पूरा होने के बाद अगले साल से इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र में 13 बाघ-तेंदुओं को एक साथ रखा जा सकेगा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में बाघ एवं तेंदुओं के हिंसक होने के साथ उनके व्यवहार में परिवर्तन एवं बीमार या घायल होने की स्थिति में इलाज के लिए गोरखपुर, लखनऊ एवं कानपुर चिड़ियाघरों में ले जाया जाता है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व बनने के बाद से अब तक करीब 8 से 10 बाघों को रेस्क्यू करने के बाद बीमारी या अन्य कारणों से गोरखपुर, कानपुर एवं लखनऊ चिड़ियाघर भेजा जा चुका है। यह दीगर बात है कि इन सभी बाघों में एक भी बाघ घर वापसी नहीं कर सका। केंद्र सरकार ने समस्या को देखते हुए करीब चार साल पहले पीलीभीत टाइगर रिजर्व में रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र निर्माण को मंजूरी दी थी।

पूरनपुर रेंज की गोपालपुर वन प्रभाग को उपयुक्त मानते हुए 5 हेक्टेयर भूमि पर रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र का निर्माण शुरू कराया गया था। करीब 14.33 करोड़ की लागत से बनने वाले इस रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र का चार चरणों में कार्य पूरा किया जाना है। वर्ष 2022-23 में शासन द्वारा प्रथम चरण के कार्य के लिए 4.72 करोड़ की धनराशि भेजी गई थी। प्रथम चरण में रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र, खाद्य भंडार केंद्र, अस्पताल, टॉयलेट ब्लॉक, बाउंड्री वॉल, सीवर लाइन आदि का कार्य किया गया। दूसरे चरण में आवंटित 4.53 करोड़ से सब स्टेशन, गार्ड रुम, पोस्टमार्टम रूम आदि का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। इधर करीब तीन माह पहले कार्यदायी संस्था को तीसरे चरण के कार्य के लिए 4.83 करोड़ रुपये दिए गए हैं। कार्ययोजना के अनुसार तीसरे चरण में रेस्क्यू पुनर्वास केंद्र को शीघ्र उपयोगी बनाने के दृष्टि से प्राथमिकता वाले कार्य करा रहे हैं। इसमें 27.57 लाख रुपये की लागत से बनने वाला क्वांरटीन सेंटर का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। तीसरे चरण में करीब 50 फीसदी कार्य पूरा भी हो चुका है।

लड़की ने लगाया जबरन गोमांस खिलाने का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : देवकी नंदन शास्त्री के एक्स पर मुख्यमंत्री के साथ ही खीरी पुलिस को ट्वीट किए गए एक वीडियो ने जिले में हलचल मचा दी है। वीडियो में दिख रही एक युवती उनके आश्रम पर अपने परिवार के कुछ लोगों पर खाने में गोमांस मिलाने का आरोप लगा रही है। खीरी पुलिस ने एक्स हैंडल पर ट्वीट किए गए इस वीडियो की जांच शुरू कर दी है।

शुक्रवार को एक्स हैंडल पर देवकीनंदन शास्त्री ने एक वीडियो शेयर किया है। जिस पर उन्होंने लिखा है कि आखिर हम किस समाज में रह रहे हैं, जहां इंसानों का मुखौटा पहनकर राक्षस घूम रहे हैं। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर की एक लड़की अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। उसे जबरन मांस खिलाया जा रहा है। उन्होंने यह टिप्पणी करते हुए युवती के आरोप लगाने वाले वीडियो को एक्स पर मुख्यमंत्री, डीजीपी, यूपी पुलिस को टैग किया है। खीरी पुलिस ने युवती का नाम-पता अज्ञात होने के कारण जिले के सभी थाना प्रभारियों को जांच करने के निर्देश दिए।

दो पक्षों में चले लाठी डंडे, 11 लोग घायल

संवाददाता, आंवला

अमृत विचारः गांवों में प्रधानी चुनाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इसी को लेकर वर्तमान प्रधान और प्रधान पद के दावेदार में माहौल बनाने की कोशिश होने लगी है।

एक गांव में मकान का दरवाजा लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा था। इसी बीच एक पक्ष ने प्रधान के कार्यकाल में विकास कार्यों की जांच की मांग कर दी। बात बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों में जमकर लाठी डंडे चले, जिसमें दोनों पक्षों के 11 लोग घायल हो गए। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा है।

नूरपुर गांव निवासी महेश पाल सिंह ने बताया कि गुरुवार रात 10:15 बजे विपक्षी उनके घर पर लाठी, डंडे, लोहे की रॉड, लेकर आ गए। उन्होंने उसका दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। उसने रात में ही पुलिस को शिकायत दी थी। शुक्रवार की सुबह पुनः वह लोग लाठी, डंडे, लोहे की रॉड, अवैध हथियार लेकर उसके घर में घुस आये और हमला कर दिया। मारपीट में विपिन सिंह, महेश, पवन, अजीत, रनवीर घायल हो गए। विपिन की हालत गम्भीर है। वहीं गांव निवासी किरन देवी पत्नी नत्थू सिंह ने बताया शुक्रवार सुबह 8 बजे वह परिवार के साथ घर पर थी। इसी दौरान गांव के कई लोग उसके घर में घुस आए और उनके परिवार के साथ मारपीट की और फायरिंग करते हुए फरार हो गए। मारपीट में वह, प्रधान पति राजीव कुमार सिंह, आशुतोष, हिमांशु, विशाल चौहान, अतेन्द्र, घायल हो गये। हिमांशु और आशुतोष की हालत गंभीर है। एसएसआई राजेश बाबू मिश्रा ने बताया कि ग्राम प्रधानी के चुनाव को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई है। 11 घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया है। दोनों पक्षों ने शिकायत दी है। जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

दबंगों ने युवक से मारपीट कर पर्स छीना, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

- पुलिस पर तीन बार तहरीर बदलवाने का आरोप

अमृत विचारः अस्पताल से काम करके घर जा रहे युवक को मामूली बात पर चार युवकों ने जमकर मारा पीटा और उसका पर्स भी छीन ले गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने युवक को सीएचसी में भर्ती करवाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक के परिजनों का आरोप है पुलिस ने 24 घंटे में तीन बार तहरीर बदलवाई है।इसके बाद भी रिपोर्ट दर्ज करने के लिए टहला रही है।

पदारथपुर निवासी राजा हसन ने बताया उनका भाई तालिब नकटिया स्थित अस्पताल में काम करता है। गुरुवार को वह अपने दोस्त के साथ अस्पताल से घर खाना खाने जा रहा था। तभी उसका हाथ नरियावल बाजार के पास मोटरसाइकिल पर बैठे एक युवक को लग गया। जिसके बाद उसने अपने तीन और साथियों के साथ उसके साथ मारपीट कर उसका पर्स छीन लिया। सूचना पर पहुंचे भाई राजा हसन उसे बिथरी सीएचसी ले गए, जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। राजा हसन का आरोप है कि पुलिस ने उनसे तीन बार तहरीर बदलवाई और अपने हिसाब से लिखने को कहा। तहरीर में से पर्स छीनने की बात को हटाने के लिए दबाव बनाया। उन्होंने बताया जब यह की बात तहरीर से नहीं हटाई तो उनकी रिपोर्ट 24 घंटे बीत जाने के बाद भी दर्ज नहीं की जा रही है। इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ल ने बताया जो भी आरोप परिजन लगा रहे है वह गलत हैं। हाथ लगने से युवकों ने दूसरे युवक को मारा पीटा था।जिसकी रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

जांच में निर्दोष पाया गया वार्ड ब्वॉय, दी क्लीन चिट

बदायूं, अमृत विचार : जिला अस्पताल में निलंबित किए गए वार्ड ब्वॉय की जांच में निर्दोष बताया गया है। शिकायतकर्ता ने शपथ पत्र देकर कहा है कि वार्ड ब्वॉय की कोई गलती नहीं है, उससे किसी ने इस मामले में शिकायत करने को कहा था, जिससे मामला तूल पकड़ गया।

पिछले दिनों थाना उघैती क्षेत्र के ग्राम भोयस निवासी प्रभाशंकर शर्मा ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी कि वार्ड ब्वॉय दीक्षित कुमार कश्यप ने एक ग्रामीण का मेडिकल अपनी मनमर्जी से कराया था जो असत्य है। इस प्रकरण की जांच करने को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया था। डीएम के निर्देश पर सीएमएस डॉ. कप्तान सिंह ने वार्ड ब्वॉय को निलंबित कर दिया और इस प्रकरण की जांच डॉ. श्रीपाल को सौंप दी।

समिति के कमरे में लटका मिला लापता किशोर का शव

संवाददाता, धौरहरा

- परिवार वाले जता रहे हत्या की आशंका तीन दिन से लापता था पप्पू

अमृत विचारः थाना ईसानगर क्षेत्र में घर से सामान लेने बाजार गए 13 वर्षीय किशोर का शव तीसरे दिन हसनपुर कटौली स्थित साधन सहकारी समिति के एक कमरे में लटका मिलने से सनसनी फैल गई। रोते-बिलखते परिजन और तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाया। परिवार वाले बच्चे की हत्या होने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने छानबीन तेज कर दी है।

गांव हसनपुर कटौली निवासी रामेश्वर ने बताया कि उनका पुत्र पप्पू (13) घर से 9 जुलाई दोपहर बाद करीब तीन बजे घरेलू सामान लेने कटौली बाजार गया था, लेकिन वह शाम तक जब घर वापस नहीं लौटा तो परिवार वालों ने उसकी तलाश की। आसपास की रिश्तेदारियों, गांवों और खेत खलिहानों की तरफ भी खोजबीन की, लेकिन पप्पू का कोई पता नहीं चला। बेटे का पता न चलने पर उन्होंने उसकी थाना ईसानगर में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

इधर, परिजन भी उसकी तलाश कर रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे ग्रामीणों को बंद पड़ी साधन सहकारी समिति के कमरे से दुर्गंध महसूस हुई तो उन्होंने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो लापता पप्पू का शव कमरे में लगी कील के सहारे रस्सी से लटका मिला। मृतक पप्पू के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। मृतक के परिवार वालों का कहना है कि उनके बेटे की हत्या की गई है। हत्यारों ने आत्महत्या दर्शाने के लिए पप्पू का शव कील से लटका दिया।

> लापता बच्चे का शव बंद पड़ी समिति के कमरे से बरामद हुआ है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजन हत्या कर शव लटकाने की बात कह रहे हैं, लेकिन अभी कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मृत्यु का कारण स्पष्ट होगा, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> -निर्मल तिवारी, थानाध्यक्ष ईसानगर

किशोर की मौत से मृतक बच्चे की मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर हाल बेहाल है। आखिर पप्पू ने किसी का क्या बिगाड़ा था, जिसकी कीमत उसे अपनी जान गवां कर चुकानी पड़ी। पप्पू की मौत से गांव के लोग भी हैरान हैं।

स्नान कर रही युवती का वीडियो बनाया, हंगामा

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर के एक निजी अस्पताल में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब स्नान कर रही एक युवती का वीडियो युवक बनाने लगा। इससे गुस्साए विभिन्न संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अस्पताल में काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

शहर के गांधी स्टेडियम मार्ग स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती मां की तीमारदारी करने आई युवती के साथ शर्मनाक घटना हुई। युवती जब नर्सिंग होम परिसर में बने शौचालय में स्नान कर रही थी, तभी एक बाहरी युवक वहां पर पहुंच गया। उसने स्नान करते वक्त वीडियो बना लिया। युवती की नजर युवक पर पड़ी तो उसने शोर मचा दिया। शोर सुनकर अस्पताल का गार्ड मौके पर पहुंचा और आरोपी युवक को पकड़ लिया।

गंगा में छोड़ा 74 हजार क्यूसेक पानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बाढ़ की आशंका को लेकर भयभीत हो रहे ग्रामीण
- उसहैत क्षेत्र में पानी बढ़ने से किसान परेशान

उसहैत क्षेत्र में गंगा में बढ़ा हुआ पानी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मैदानी इलाके से लेकर पहाड़ों पर हो रही बारिश का असर अब गंगा में देखने को मिल रहा है। गंगा में शुक्रवार को नरौरा बैराज से 74 हजार पानी डिस्चार्ज किया गया। जिससे गंगा ऊपर तक वह रही है। गंगा में लगातार पानी बढ़ने से तटवर्ती गांवों में बाढ़ की आशंका व्यक्त की जा रही है जबकि बाढ़ खंड का कहना है कि अब बाढ़ की संभावना नहीं है।

पहाड़ों पर पिछले कई दिन से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। साथ ही अब मैदानी इलाकों में भी बारिश जारी है। पिछले तीन दिन से बारिश होने से गंगा में पानी छोड़ा जा रहा है जिससे उसहैत, सहसवान की महावा नदी के किनारे बसे गांवों में खलबली मची हुई है। शुक्रवार को नरौरा बैराज से 74 हजार क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। जो अब जिले की सीमा में प्रवेश कर चुका है। जबकि गुरुवार को कुछ अधिक पानी छोड़ा गया था जिससे गंगा में उफान आ गया था।

दूसरे दिन भी गंगा में पानी छोड़ा गया है जिससे उसहैत क्षेत्र के किसान हलकान हैं। किसानों का कहना है कि तीन दिन से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है जो चिंता की बात है। 70 से 80 हजार क्यूसेक पानी आने पर खतरा पैदा हो जाता है। अब खतरे की स्थिति पैदा हो रही है। गंगा किनारे के गांवों में अब बाढ़ आने की संभावना व्यक्त की जा रही है। हुसैनपुर क्षेत्र में गंगा के किनारे बसे गांवों में बेचैनी है। कछला और नानाखेड़ा क्षेत्र में अक्सर बाढ़ के हालात बन जाते हैं जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बाढ़ खंड का कहना है कि अभी अधिक बारिश नहीं हुई है। रूक रूक कर बारिश होने से बैराज में पानी एकत्र नही हो रहा है जिससे गंगा में कम मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है इतने पानी से बाढ़ का खतरा नहीं है। वहीं सहायक अभियंता बाढ़ खंड नेशपाल ने बताया कि गंगा और रामगंगा में दो दिन से जलस्तर स्थिर है। आज गंगा में 74 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया जिससे कोई खतरा नहीं है। इतना पानी आसानी से पास होता है। यदि एक लाख क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा जाता है तो आसपास के क्षेत्र में पानी भर सकता है जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो सकता है।

अमर ज्योति के निदेशक के बैंक खातों के 1.16 करोड़ रुपये फ्रीज

बदायूं, अमृत विचार : हजारों लोगों के करोड़ों रुपये लेकर भाग चुके अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी के निदेशकों पर शिकंजा कसता जा रहा है। पुलिस निदेशकों पर सख्ती कर रही है। पुलिस निदेशकों की तलाश कर रही है। वहीं कंपनी के निदेशक के बैंक खातों की 1.16 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज की गई है। लोगों के रुपये लेकर भागने वाली कंपनी के निदेशक शशिकांत मौर्य व सूर्यकांत मौर्य और एजेंटों के खिलाफ सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

- एसएसपी के निर्देश पर एक निदेशक के खिलाफ की गई कार्रवाई

पुलिस ने एजेंटों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था लेकिन अब तक निदेशकों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। वह कोर्ट की शरण में गए लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली है। अभी तक निदेशक पुलिस की पहुंच से दूर हैं। पुलिस कई जिलों में उनकी तलाश कर चुकी है। वहीं अब एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह के निर्देश पर अमर ज्योति यूनिवर्स लिमिटेड कंपनी के निदेशक बरेली के थाना बारादरी क्षेत्र के मोहल्ला चांद खां निवासी शशिकांत मौर्य पुत्र नारायन मौर्य के एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा, आईडीबीआई आदि बैंक खातों की एक करोड़ 15 लाख रुपये 97 हजार 487 रुपये की धनराशि फ्रीज की गई है।

दुष्कर्म के दो दोषियों को 10-10 साल की सजा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना हैदराबाद क्षेत्र में 10 साल पहले हाईस्कूल की 15 वर्षीय छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट ने दोष सिद्ध होने पर दोनों दोषियों को 10-10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो कोर्ट बृजेश पांडेय ने बताया कि घटना 22 जुलाई 2014 शाम करीब चार बजे की है।

एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी हाईस्कूल की छात्रा थी और वह शाम चार बजे गांव के बाहर खेत में शौच करने गई थी। जहां पहले से घात लगाए बैठे भगवानदीन और मनोज कुमार ने किशोरी को दबोच लिया। खेत में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। किशोरी की चीख सुनकर पास के खेत में घास काट रही उसकी मां मौके पर पहुंची तो देखा कि भगवानदीन खड़ा निगरानी में था, जबकि मनोज उसकी बेटी से दुष्कर्म कर रहा था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने में हीलाहवाली की। अधिकारियों के हस्तक्षेप पर थाना हैदराबाद पुलिस ने 22 अप्रैल 2014 को सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कर चार्जशीट कोर्ट में प्रस्तुत की। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट गुलाम मुस्तफा की कोर्ट में हुई।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, बरेली

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 946/सिं0ख0ब0/निविदा/ दिनांक 06.06.2025 के द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यों की अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 02/अ0अ0/सि0ख0ब0/2025-26, विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी। उक्त निविदा के लॉट नं0 01 से 04 तक ई-निविदा प्रपत्र दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 23.06.2025 दोपहर 3:00 बजे तक डाउनलोड/आपलोड एवं दिनांक 23.06.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमंत्रित एवं दिनांक 23.06.2025 को समय 3:30 बजे ऑनलाइन खोली जानी थी, में संशोधन करते हुए, अब समस्त निविदाएं दिनांक 11.07.2025 को प्रातः प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 16.07.2025 दोपहर 3:00 बजे तक डाउनलोड/आपलोड एवं दिनांक 16.07.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमंत्रित कर, समस्त निविदाएं नामित समिति द्वारा दिनांक 16.07.2025 को समय 3:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदा की शर्ते एवं नियम पूर्व की भांति ही रहेंगे।

UP – 235893 दिनांक: 10/07/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,बरेली

महिला की ससुराल में मौत जहर देकर हत्या का आरोप

संवाददाता, म्याऊं

- लगभग 13 साल पहले मंशा नगला निवासी युवक से हुई थी बरेली निवासी युवती की शादी

अमृत विचार : उसावां थाना क्षेत्र के गांव मंशा नगला निवासी महिला की मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर मायका पक्ष पहुंचा। ससुरालीजनों पर विषाख्त पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाया। फॉरेंसिक टीम ने नमूना संकलित किए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बरेली जिले के थाना भमौरा क्षेत्र के गांव हिम्मतपुर तिरुगुनिया निवासी तुलसी की शादी लगभग 13 साल पहले उसावां थाना क्षेत्र के गांव मंशा नगला निवासी सुधीर दुबे पुत्र पंकज दुबे के साथ हुई थी। गुरुवार दोपहर लगभग चार बजे उसावां की डायल 112 पुलिस को सूचना मिली कि तुलसी को विषाख्त पदार्थ खिलाकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस गांव पहुंची। थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुला लिया। जहां तुलसी के पिता नत्थू लाल शर्मा ने आरोप लगाया कि ससुरालीजन आए तुलसी के साथ मारपीट करे थे और जान से मारने की धमकी देते थे। ससुरालीजनों ने ही विषाख्त पदार्थ खिलाकर हत्या की है।

भर्ती पर उठे सवाल, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विज्ञापन में अनियमितता के आरोपों को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई योग्य माना

अमृत विचारः जिला पंचायत से संचालित वीरांगना अवंती बाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज में शिक्षिकाओं की भर्ती प्रक्रिया के संबंध में चल रहे विवाद के बीच लंबे समय से कार्यरत शिक्षिकाओं को कुछ राहत मिली है। भर्ती पर सवाल उठने पर मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा। विज्ञापन में अनियमितता के आरोपों को न्यायालय ने सुनवाई योग्य माना है। फिलहाल इस पर रोक लगा दी गई है, जिसके चलते पदों पर शिक्षिकाएं बनी रहेंगी।

विद्यालय प्रबंध समिति के मंत्री/जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी की ओर से 12 जून को शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न विषयों की 10 शिक्षिकाओं की भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला गया था। भर्ती विज्ञापन को नियम विरुद्ध बताकर लंबे समय से कार्यरत शिक्षिका सुनीता त्रिपाठी, साधना गुप्ता, नंदी सिंह, निशि अवस्थी, शशि प्रभा पाठक ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। बताते हैं कि न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह की एकल पीठ ने याचिका पर सुनवाई की।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने न्यायालय से प्रार्थना की कि शिक्षिकाओं की भर्ती के लिए जारी किए गए 12 जून 2025 के विज्ञापन को रद्द कर दें। प्रतिवादियों को आदेश या निर्देश जारी करने की भी मांग की गई कि वे संस्था में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण कामकाज में हस्तक्षेप न करें और देय होने पर महीने में नियमित वेतन का भुगतान करें। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2014 में अंशकालिक सहायक शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है और उनकी सेवाओं को समय-समय पर बढ़ाया जाता है।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 131/मु.अभि./नि.वि./2025-26 दिनांक 11.07.25

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं.-3890/नौ -5 -149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के अनुपालन में ठेकेदारों से निर्माण कार्यों हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई - प्रक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की बेवसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

प्रथम बार ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 14 तक)

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	17.07.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	17.07.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	06.08.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	06.08.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, बरेली

ऑपरेशन कालनेमि: मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू अभियान में देहरादून में फर्जी बाबाओं की शामत

बांग्लादेशी सहित 25 ढोंगी बाबा गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: गैर राज्यों से भागकर देवभूमि उत्तराखंड में छिपकर लोगों व खासकर महिलाओं का धार्मिक उत्पीड़न कर रहे ढोंगी बाबाओं की धरपकड़ शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शुरू हुए ऑपरेशन कालनेमि के तहत पहले ही दिन दून पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक सहित 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है। इनमें 20 फर्जी अन्य राज्यों के हैं।

एसएसपी अजय सिंह ने शुक्रवार को बताया कि साधु-संतों का भेष धारण कर सड़क किनारे बैठे व्यक्तियों से उन्होंने अभियान के दौरान स्वयं पूछताछ की। नेहरू कालोनी क्षेत्र में टेंट लगाकर साधु के भेष में बैठे एक व्यक्ति से जब ज्योतिष शास्त्र की जानकारी के साथ इस विद्या से संबंधित सवाल किए गए तो वह सन्तोषजनक उत्तर नहीं दे पाया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। अभियान में सहसपुर थाना क्षेत्र में बाबा के भेष में घूम रहा एक व्यक्ति गहन पूछताछ में बांग्लादेशी नागरिक निकला। एसएसपी के अनुसार, जिला टंगाईल, ढाका, बांग्लादेश निवासी रूकन रकम उर्फ शाह आलम (26) पुत्र आबूर करीब 7 माह से देहरादून में लोगों को ठग रहा था। इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) और एलआईयू द्वारा गहन पूछताछ के बाद आरोपी रूकन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम में अभियोग दर्ज किया गया है।

इसके अलावा राजधानी में चले अभियान के दौरान बलिया, बुलंदशहर, बिजनौर, हाथरस, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के 7, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के 2-2 राजस्थान निवासी 7, असम निवासी एक सहित हरिद्वार व देहरादून के 5 फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है।

भगवाकरण से किसी के अपराध नहीं छिप सकते

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि केवल भगवाकरण करने से किसी के अपराध नहीं छिप सकते। भगवा चोले की आड़ लेकर आजकल हम देख रहे हैं कि लोग संगीन अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। खासतौर से जब देवभूमि उत्तराखंड में ऐसे अपराधों की बयार सी बह रही हो तो बहुत जरूरी है कि आउट ऑफ द बॉक्स सोचा जाए।

ऑपरेशन कालनेमि के दौरान पकड़े गए ढोंगी बाबा। ● अमृत विचार

मंत्री जनता के सवालों से भाग रहे है : शिवपाल

हरदोई, अमृत विचार : भाजपा सरकार में मंत्री जनता को जवाब देने की जगह जय श्रीराम बोल कर निकल रहे, विद्युत आपूर्ति को लेकर जनता बेहाल है, लेकिन मंत्री जनता के सवालों से बच रहे। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव सुनासीर नाथ मन्दिर में पूजन पाठ के बाद पत्रकारों के सवालों पर बोले।

शुक्रवार को शिवपाल ने बाबा सुनासीर नाथ मन्दिर पहुंचे जहां पर आचार्य संजय मिश्र ने विधि -विधान से पूजन अर्चन कराया। उसके बाद सपा कार्यकर्त्ता हरिनाम यादव के आश्रम पर पहुंचे जहां उनका कार्यकर्त्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। भाजपा सरकार के काम काज पर बोले कि हर तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त है। बिहार चुनाव में वोटर लिस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उन्होंने सही ठहराया।

अयोध्या में शेषावतार मंदिर के शिखर पर लगा ध्वज दंड

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर परिसर में शेषावतार मंदिर का निर्माण कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो गया है। मंदिर के शिखर पर कलश लगने के बाद शुक्रवार को ध्वज दंड भी लगा दिया गया। जल्द ही आने वाले श्रद्धालु शेषावतार मंदिर के गर्भगृह में भगवान लक्ष्मण का अदभुद दर्शन प्राप्त कर सकेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भ गृह के चबूतरे जिस पर रामलला विराजमान है उसी के बराबर शेषावतार मंदिर के गर्भगृह के चबूतरे की भी ऊंचाई रखी गई है। सफेद संगमरमर के पत्थरों से शेषावतार लक्ष्मण की मूर्ति को तैयार किया गया है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि शेषावतार मंदिर निर्माण का कार्य भी अब अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बुधवार को शिखर कलश और ध्वज दंड का पूजन किया था। उसके बाद उसे स्थापित कर दिया गया है।

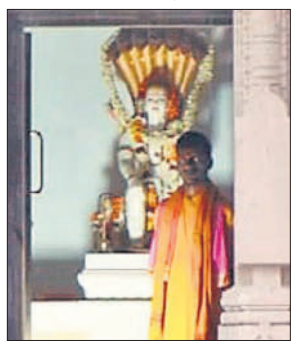

शेषावतार मंदिर में विराजमान लक्ष्मण की अदभुत प्रतिमा।

शत्रु देश का समर्थन करने मात्र से आरोपी कठोर दंड का हकदार नहीं

हाईकोर्ट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट करने वाले आरोपी को जमानत दी

विदि संवाददाता,प्रयागराज

- कोर्ट ने भविष्य में सोशल मीडिया पर ऐसी कोई सामग्री पोस्ट न करने की सलाह दी

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाकिस्तान का समर्थन करते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट करने वाले आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि बीएनएस की धारा 152 को लागू करने से पहले सावधानी और उचित मानकों का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि सोशल मीडिया पर बोले गए शब्द या पोस्ट भी भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अंतर्गत आते हैं, जिसे संकीर्ण रूप से नहीं समझा जाना चाहिए। जब तक कोई पोस्ट किसी देश की संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित न करे या अलगाववाद को प्रोत्साहित ना करने वाला हो, तब तक ऐसे मामलों में उक्त धारा लागू नहीं की जा सकती है।

कोर्ट ने माना कि याची ने अपनी पोस्ट में कुछ भी ऐसा नहीं लिखा है, जिससे देश के प्रति अनादर प्रदर्शित होता हो। किसी घटना का उल्लेख किए बिना या भारत का नाम लिए बिना केवल पाकिस्तान का समर्थन करना देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को खतरे में नहीं डाल सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने 18 वर्षीय रियाज को जमानत देते हुए पारित किया। इसके खिलाफ बीएनएस की धारा 152 और 196 के तहत थाना बहजोई संभल में मामला दर्ज किया गया था, क्योंकि उसने पाकिस्तान के समर्थन में कुछ शब्द लिखे थे।

हालांकि याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया था कि याची का उद्देश्य देश की गरिमा और एकता को ठेस पहुंचाना नहीं था, क्योंकि न तो उसने भारतीय ध्वज, न ही देश का नाम और न ही कोई ऐसी फोटो पोस्ट की है, जिससे देश के प्रति अनादर भाव प्रदर्शित हो।

अतः केवल शत्रु देश का समर्थन करने मात्र से बीएनएस की धारा 152 आकर्षित नहीं होती है। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि वास्तव में वर्तमान मामला इतना जटिल नहीं है जिसमें आरोपी को धारा 152 के तहत कठोर दंड दिया जाए। हालांकि धारा 196 लागू हो सकती है, लेकिन उसके लिए भी प्राथमिकी दर्ज करने से पहले बीएनएसएस की धारा 173 (3) के तहत प्रारंभिक जांच आवश्यक होती है, जो वर्तमान मामले में नहीं की गई, इसलिए कोर्ट ने याची की आयु, आपराधिक इतिहास को देखते हुए उसे जमानत दे दी, साथ ही भविष्य में सोशल मीडिया पर ऐसी कोई सामग्री पोस्ट न करने की सलाह भी दी, जिससे देश की धर्मनिरपेक्षता को खतरा उत्पन्न हो।

सरकारी विभागों पर 3 सालों में 4489 करोड़ रु. का बकाया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम की बैलेंस शीट बता रही है कि सरकारी विभागों पर 3 सालों के दौरान 4489 करोड़ रु. का बकाया है। वहीं, अतिरिक्त सब्सिडी के मद में भी सरकार द्धारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम को 8115 करोड़ रु. देना है। ऐसे में घाटे के नाम पर निजीकरण की बात करना गलत है।

राज्य उपभोक्ता परिषद ने इस खुलासे के साथ दावा किया है कि प्रदेश की बिजली कंपनियों का घाटा जहां 110 हजार करोड़ है वहीं, उपभोक्ताओं पर जो बकाया है वह 115 हजार करोड़ है। यदि बकाया वसूल ली तो बिजली कंपनियां फायदे में पहुंच जाएगी। यहां तक पता चला है कि बकाए पर भी बिजली कंपनियों ने लोन ले रखा है।

उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33122 करोड़ सर प्लस है।

ऐसे में बिजली दरों में 45 प्रतिशत की कमी होनी चाहिए। अवधेश वर्मा के मुताबिक निजीकरण की पूरी प्रक्रिया उद्योगपतियों को लाभ देने के लिए बनाई गई है। कानूनन विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 17 के तहत सबसे पहले राज्य सरकार व बिजली कंपनी को विद्युत नियामक आयोग से अनुमति लेनी चाहिए थी।

उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर सर प्लस 33122 करोड़ रु. निकल रहा है। ऐसे में 45 प्रतिशत दरों में कमी होनी चाहिए। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में लॉस रिडक्शन स्मार्ट प्रीपेड मीटर और कैपेक्स में कुल लगभग 15963 करोड़ खर्च हुआ इसके बावजूद भी निजीकरण की बात चल रही है।

अस्पताल प्रबंधन ने दस लाख रुपये में सुलह का बनाया दबाव

पीलीभीत के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की हो गई थी मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: निजी अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। अभी तक दोनों पक्षों के बीच सुलह की चर्चाएं तेज हो रही थी। जिन पर विराम लग गया है। मृतक के भाई की ओर से सीएमओ से शिकायत की गई है। इसमें न्याय न मिलने पर खुदकुशी करने की चेतावनी दी है। वहीं, सुलह को लेकर चल रहे कयासों पर कहा कि निजी अस्पताल प्रबंधन की ओर से दस लाख रुपये में समझौता करने का दबाव बनाया गया था, लेकिन परिजन ने इन्कार कर दिया। किसी तरह की कोई सुलह नहीं हुई है।

कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम चांट फिरोजपुर के रहने वाले रामू पुत्र प्रेमराज ने सीएमओ को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 4 जुलाई को उनके भाई विष्णु का एक्सीडेंट हो गया था, जिसके बाद चोटिल अवस्था में भाई को मेडिकल कॉलेज से माधोटांडा रोड पर रेलवे क्रासिंग के पास के एक निजी

मृतक के परिवार से मिलने पहुंचे रालोद जिलाध्यक्ष अनिल चौधरी। ● अमृत विचार

- परिवार का आरोप- मृत को जिंदा बताकर रुपये ऐंठने का प्रयास
- मृतक के भाई ने न्याय न मिलने पर खुदखुशी की चेतावनी दी

हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया था। वहां के चिकित्सक ने ऑपरेशन के लिए एक लाख रुपये जमा करने को कहा। परिवार की आर्थिक कमजोर स्थिति के चलते कृषि भूमि गिरवी रखकर दो घंटे बाद अस्पताल में एक लाख रुपये जमा करा दिए। चार दिन बाद भी डॉक्टर ने ऑपरेशन नहीं किया। जब परिजनों द्वारा आईसीयू में मरीज को देखा तो उन्हें अनहोनी का संदेह हुआ। परिजनों ने घटना के बारे में डॉक्टर से कहा। उसी समय डॉक्टर ने आरोपों से बचने के लिए भाई विष्णु के मृत शरीर को बरेली रेफर कर दिया आरोप लगाया कि दो तीन दिन से मरीज से मिलने नहीं दिया जा रहा था। ऐसे में आरोप लगाया कि मौत पहले ही हो चुकी थी और भाई को आईसीयू में रखकर सिर्फ रुपये ऐंठे जा रहे थे। परिवार ने न्याय न मिलने पर विधानसभा के बाहर खुदकुशी करने की चेतावनी दी है।

सीएम डैशबोर्ड में जालौन को फिर पहला स्थान

अमृत विचार, लखनऊ : सीएम डैशबोर्ड की जून माह की रिपोर्ट में प्रदेशभर में जालौन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। यह जिला पिछले छह माह से टॉप पर बना हुआ है। वहीं, टॉप फाइव जिलों में क्रमशः शाहजहांपुर, अंबेडकरनगर, महाराजगंज और श्रावस्ती ने जगह बनाई है। सीएम डैशबोर्ड द्वारा हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट जारी की जाती है। डैशबोर्ड द्वारा प्रदेशभर के जिलों में 49 विभागों के 109 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा के बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है।

सीएम डैशबोर्ड की जून माह की रिपोर्ट के अनुसार एक बार फिर जालौन ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है।

विलुप्त बूढ़ी राप्ती नदी के पुनरोद्धार का कार्य शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : श्रावस्ती में बूढ़ी राप्ती नदी के पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इससे न सिर्फ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि आसपास के किसानों के लिए जीवनदायिनी बनेगी।

बूढ़ी राप्ती नदी की कुल लंबाई 67.03 किमी है, और इसका कैचमेंट एरिया 18356.64 हेक्टेयर है। नदी का 16.91 किमी हिस्सा अवरोधित है, जबकि शेष 51.12 किमी का हिस्सा स्वाभाविक रूप में मौजूद है। नदी के पुनर्जीवित होने से आसपास के किसानों को जल आपूर्ति में मदद मिलेगी, जिससे उनकी कृषि गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। बूढ़ी राप्ती नदी 54 ग्रामों से गुजरती है और अंत में राप्ती नदी में मिल जाती है। सर्वेक्षण के आधार पर यह स्पष्ट हुआ है कि नदी के प्रवाह क्षेत्र में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है।श्रावस्ती के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि बूढ़ी राप्ती नदी को पुनर्जीवित करने के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकी से नदी के संरेखण का चिन्हांकन के साथ फावड़ा चलाकर कार्य का शुरू हुआ। बरसात के बाद नदी की सफाई और प्रवाह को पुनः ठीक करने का कार्य वृहद स्तर पर किया जाएगा, ताकि नदी अगले वर्ष अपने स्वाभाविक रूप में लौट सके।

श्रावस्ती में फावड़ा चलाकर कार्य की शुरुआत करते अधिकारी, साथ में अन्य।

कांवड़ियों ने सब्जी में अंडे की ग्रेवी मिलाने का आरोप लगा किया हंगामा

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : सावन माह के पहले दिन ही नेशनल हाईवे पर खाना खाने के लिए रूके कांवड़ियों ने होटल पर अंडे की ग्रेवी में छोले मिलाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इसी बीच होटल के कारीगर से कांवड़ियों की हाथापाई हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कांवड़ियों को होटल मालिक पर कार्रवाई करने का आश्वसन देकर शांत कराया। पुलिस के समझाने पर कांवड़िया गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

सम्भल जनपद के हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के रहटौल गांव निवासी शेखर ठाकुर, सुबोध, अमूल ठाकुर, कौशल, अनिकेत, शिवम कश्यप, अनिरुद्ध, पंकज, आशीष व शिवा समेत कई कांवड़ यात्री ब्रजघाट से जल लेकर वापस जा रहे थे। रास्ते में दिल्ली लखनऊ हाईवे पर सभी शिव भक्त ख्यालीपुर ढाल के पास एक ढाबा पर खाना खाने के लिए रुके। कांवड़ यात्रियों ने बताया कि उन्होंने छोले की सब्जी का आर्डर दिया था। आर्डर मिलने पर जैसे ही उन्होंने खाना शुरू किया। वैसे ही उन्हें लगा कि छोले अंडे की ग्रेवी में बने हुए हैं। तभी सभी ने होटल के कारीगर से शिकायत की। इस पर कारीगर कांवड़ यात्रियों से अभद्रता करने लगा। तभी कांवड़िये भी भड़क गए और हंगामा करने लगे।

गजरौला नेशनल हाईवे पर होटल पर हंगामा करते कांवड़िये। ● अमृत विचार

- हंगामे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कांवड़ यात्रियों को किया शांत

बीआरडी मेडिकल हॉस्टल में जूनियर डॉक्टर की लाश मिलने से हड़कंप

जिला संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार: बाबा राघवदास बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार सुबह हड़कंप मच गया जब एनेस्थीसिया विभाग में कार्यरत एक युवा डॉक्टर संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला। मृतक डॉक्टर की पहचान 32 वर्षीय अबिषो डेविड के रूप में हुई है, जो केरल के अबिविला, पामपडुमकुझी, पाल्लूरकोनाम, परास्सला, ज़िला तिरुअनंतपुरम के निवासी थे। वे मेडिकल कॉलेज के सौ सीटेट पीजी बॉयज हॉस्टल में रह रहे थे और एनेस्थीसिया विभाग में जूनियर रेजिडेंट (जेआर-3) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह रोज़ की तरह जब अबिषो डेविड समय पर विभाग में उपस्थित नहीं हुए तो विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार ने कर्मचारी को उनके हॉस्टल कक्ष पर भेजा। कर्मचारी जब हॉस्टल पहुँचा तो उसने पाया कि कमरे का दरवाज़ा अंदर से बंद है और खटखटाने व आवाज़ लगाने पर कोई उत्तर नहीं मिल रहा।

हालात संदिग्ध देख कर्मचारी ने तुरंत विभागाध्यक्ष को सूचना दी। स्थिति को देखते हुए डॉ. सतीश कुमार स्वयं अन्य डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ हॉस्टल पहुँचे। काफी प्रयासों के बाद जब दरवाज़ा नहीं खुला तो उसे तोड़ने का निर्णय लिया गया। दरवाज़ा तोड़कर जब अंदर प्रवेश किया गया तो अबिषो डेविड बेड पर मृत पड़े मिले।घटना की सूचना मिलते ही प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल, कई वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षक और रेजिडेंट डॉक्टर मौके पर पहुँच गए।

ऋण प्रक्रियाओं और बीमा दावों को करें सरल: पुष्कर धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लोगों को पूरा लाभ मिले, इसके लिए लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण देने की प्रक्रियाओं का और सरलीकरण किया जाए।

शुक्रवार को सचिवालय में राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, जन समस्याओं का समाधान करना हमारी शीर्ष प्राथमिकता हो। कृषि बीमा योजनाओं में बीमा दावों की प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में विशेष ध्यान दें। राज्य का ऋण जमा अनुपात बढ़ाने की दिशा में और प्रयास करने के निर्देश के साथ सीएम ने कहा कि, वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य का ऋण जमा अनुपात 54 प्रतिशत से बढ़कर 54.26 प्रतिशत हुआ है, जिसे 60 प्रतिशत तक ले जाने के और प्रभावी प्रयास करें। राज्य के पर्वतीय जिलों-विशेषकर टिहरी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, पौड़ी और बागेश्वर जिलों में ऋण जमा अनुपात बढ़ाने पर विशेष ध्यान दें। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, आरबीआई के रीजनल डायरेक्टर अरविंद कुमार, एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष मिश्रा, सचिव व उप सचिव मौजूद रहे।

सभी जिलों में अक्टूबर से लगेंगे कैंप

सीएम ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को एक ही स्थान पर एक ही दिन में मिले, इसके लिए अक्टूबर में सभी जिलों में बड़े स्तर पर कैम्प लगाएं, जिसमें सभी विभाग और बैंकर्स एक साथ जनसमस्याओं का समाधान करें और उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करें।

राहुल गांधी की नागरिकता मामले में पुनर्विचार याचिका दखिल

विधि संवाददाता, लखनऊ,। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में शुक्रवार राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में एक पुनर्विचार याचिका दाखिल की गयी। याची एस विग्नेश के अनुसार उन्होंने शुक्रवार को उक्त पुनर्विचार याचिका दाखिल की है जिसमें लंदन, वियतनाम और उज़्बेकिस्तान के वीडियो सहित अन्य साक्ष्य भी दाखिल किए हैं।

उल्लेखनीय है कि 5 मई को मूल याचिका को निस्तारित करते हुए, न्यायालय ने याची को छूट दी थी कि वह अन्य विधिक वैकल्पिक उपाय अपना सकता है। यह आदेश न्यायालय ने केंद्र सरकार की ओर से आये इस जवाब के बाद दिया था कि याची द्वारा की गई शिकायत के निस्तारण के लिए कोई समय सीमा नहीं बतायी जा सकती है, क्योंकि यूनाइटेड किंगडम से जानकारियाँ मांगी गई हैं और उनके द्वारा मांगी गई जानकारियां देने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सैनिक द्वारा पहने गए कॉम्पैक्ट अटैचमेंट में द्रव का किया जाएगा उपयोग

हिमस्खलन पीड़ितों का तुरंत पता लगाएगी सेना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय सेना को हिमस्खलन से बर्फ में दबे पीड़ितों का तुरंत पता चलेगा। मध्य कमान ने स्वचालित हिमस्खलन पीड़ित पहचान प्रणाली के अनुसंधान और विकास के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ एमओयू किया है।

आईआईटी की स्वदेशी तकनीक से दुर्गम ऊंचाई और हिमनदीय क्षेत्रों में तैनात सैनिकों की सुरक्षा बढ़ेगी। शुक्रवार को लखनऊ स्थित सूर्या कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता के मार्गदर्शन में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस सहयोगा का उद्देश्य स्वदेशी तकनीकी का लाभ उठाकर अत्याधुनिक प्रणाली विकसित करना है। इससे हिमस्खलन के दौरान बर्फ में दबे सैनिकों व पीड़ितों का तुरंत पता चलेगा और उनकी स्थिति निर्धारित करने में सक्षम होगा।

लखनऊ स्थित सूर्या कमान में एमओयू साइन करते आईआईटी कानपुर और सेना के अधिकारी।

- भारतीय सेना मध्य कमान ने आईआईटी कानपुर से किया एमओयू

प्रस्तावित प्रणाली में बर्फ में दबे व्यक्ति के सटीक स्थान को चिह्नित करने के लिए सैनिक द्वारा पहने गए कॉम्पैक्ट अटैचमेंट से प्रक्षेपित एक प्रकाशमान द्रव का उपयोग किया जाएगा।

इससे बचाव कार्य में लगने वाला समय कम हो जाएगा और आपात स्थितियों में जीवित रहने की संभावना बढ़ जाएगी। लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने कहा कि आईआईटी कानपुर के साथ यह सहयोग दुर्गम ऊंचाई वाले और हिमाच्छादित क्षेत्रों में हिमस्खलन पीड़ितों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए एक मील का पत्थर है।

सूर्या कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने कहा कि यह पहल रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता और दुर्गम इलाकों में क्षेत्रीय इकाइयों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वहीं, आईआईटी कानपुर के वरिष्ठ प्रोफेसर और परियोजना प्रभारी डॉ. सुब्रमण्य ने कहा कि यह सहयोग घरेलू अनुसंधान एवं विकास एजेंसियों को भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाने में सीधे योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।

इस परियोजना की प्रगति और निगरानी लेफ्टिनेंट कर्नल पीयूष धारीवाल के नेतृत्व में मुख्यालय मध्य कमान के अंतर्गत एक आयुध रखरखाव कंपनी द्वारा की जाएगी। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर माना दर्रे के पास हाल ही में हुए हिमस्खलन को देखते हुए यह कदम बढ़ाया गया है।

जहां सीमा सड़क संगठन के 50 से अधिक जवान बर्फ में फंस गए थे और कई जानें चली गईं। ऐसे पीड़ितों का सटीक और समय पर पता लगाकर बचाव कार्यों में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है।

सैन्य अनुप्रयोगों के अलावा, इस तकनीक का हिमस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में पर्वतारोहियों और साहसिक पर्यटकों के लिए नागरिक उपयोग भी संभव होगा, जिससे समग्र सुरक्षा मानकों में सुधार होगा। सबसे कठिन इलाकों में तैनात उसके बहादुर कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

एक नजर

मिर्जापुर, सोनभद्र व भदोही बनेंगे ग्रामीण पर्यटन केंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : मिर्जापुर अब ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में पहचाना जाएगा, गांवों का आर्थिक परिदृश्य बदलने के लिए पर्यटन विभाग ने योजना तैयार की है। योजना के तहत मिर्जापुर, सोनभद्र और भदोही के चयनित गांवों को ग्रामीण और कृषि पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह योजना पांच चरणों में लागू की जाएगी, पहले चरण में आठ गांवों को चुना गया है। इन गांवों में स्थानीय संस्कृति, शिल्प और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन को एक माध्यम बनाया जाएगा। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मिर्जापुर में शुरू हो रही योजना अंतर्गत हर गांव में एक स्थानीय समन्वयक होगा, जिसे जिला और राज्य स्तर की टीमों का सहयोग मिलेगा। प्रत्येक गांव में कम से कम चार होमस्टे बनाए जाएंगे।

भाजपा संगठन में फिर नई पारी शुरू कर सकते हैं केशव मौर्य

राज्यपाल से मिलने के पीछे उप मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देने की अटकलें, शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष के लिए मनाया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार और भाजपा संगठन में फेरबदल की उलटी गिनती शुरू हो गई है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जल्द की सरकार से बड़ा संगठन के अपने बयान को साकार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी दूसरी बार संभाल सकते हैं। हालांकि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की जुगत लगा रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यूपी संगठन के मुखिया बनने के लिए लगभग मना लिया है। राज्यपाल से शुक्रवार को मुलाकात के पीछे भी बदलाव के निहितार्थ निकाले जा रहे हैं।

राज्यपाल आनंदीबेन से मुलाकात के दौरान पुस्तक भेट करते उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। पार्टी नेतृत्व उन्हें उत्तर प्रदेश भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाने की तैयारी कर रहा है। कहा जा रहा है कि केशव मौर्य शुरू में प्रदेश अध्यक्ष पद संभालने को लेकर इच्छुक नहीं थे, लेकिन हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी सहमति दे दी है।

मंत्रिमंडल में कौन लेगा मौर्य की कुर्सी

योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल का मामला लंबे समय से टलता आ रहा है, अब केशव की नई ताजपोशी के साथ बदलाव तय है। लेकिन केशव प्रसाद मौर्य की उप मुख्यमंत्री की कुर्सी पर किसे बैठाया जाएगा, यह बड़ा सवाल है। फिलहाल भाजपा इसके जवाब में केंद्रीय नेतृत्व पर आश्रित है। वर्तमान मंत्रिमंडल में कोई ऐसा चेहरा किसी को नजर नहीं आ रहा है, जिसे फौरी तौर पर मौर्य का उत्तराधिकारी मान लिया जाए। मौर्य का कद कभी पार्टी में सीएम योगी से बड़ा था, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी ने अपनी ईमानदारी, कर्मठता, विकास और इससे भी बड़ा प्रबल हिंदुत्व के चेहरे से न सिर्फ यूपी में बल्कि देशभर में मोदी को टक्कर देते दिखते हैं।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व 13 जुलाई के बाद कभी भी उनके नाम की आधिकारिक घोषणा कर सकता है। इसके पहले बकायदा चुनाव कार्यक्रम घोषित करके अकेले मौर्य का ही नामांकन कराकर एक तरह से मनोनयन तय हो जाएगा। मौर्य को सपा के पीडीए के जवाब में बड़ा चेहरा माना जा रहा है।

हालांकि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलने के बाद केशव मौर्य ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा है कि शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को मृत्युंजय नामक पुस्तक भी भेंट की। इसबीच उनसे मिलने आने वाले विधायकों व अन्य लोगों का तांता लगा हुआ है। प्रमुख रूप से मिलने वालों में विधायक रामचंद्र यादव, अनिल मौर्य, गुरुप्रसाद मौर्य, तेजपाल नागर समेत प्रयागराज गंगापार की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान प्रमुख रहीं। सोशल मीडिया मंच पर मौर्य ने शुक्रवार को सपा मुखिया को निशाना साधते हुए लिखा टोपी लाल, नियत काली-सपा की सोच तुष्टिकरण वाली। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला है, एक पोस्ट में लिखा है कि कभी एक रुपये में 85 पैसा चुराकर कांग्रेस गांधी परिवार को भेंट चढ़ाया करती थी। इस पार्टी के अब असल सरदार हैं राहुल गांधी.. राहुल को चोरी शब्द से अधिक लगाव हो गया है।

अपराधियों की नजर से बचा व्यक्ति ही सुरक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी अपराध छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं, प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ है। भाजपा सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में बदल गया है। पुलिस निरंकुश है, मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध हैं। शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि कोई दिन तो नहीं जाता है, जब राजधानी सहित अन्य जिलों में अपराधिक वारदातें न होती हों।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार : योगी

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में जनता दर्शन में सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, अफसरों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' के तहत करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। अधिकारियों को निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मौजूद अधिकारी।

सावन के पहले दिन योगी ने किया रुद्राभिषेक

देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय पावन सावन माह के पहले दिन मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः काल रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने चराचर जगत के कल्याण और सभी के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

भरपूर खाद उपलब्ध शोषण बर्दाश्त नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में भरपूर खाद उपलब्ध है। किसानों का शोषण कतई बर्दाश्त नहीं है। योगी ने कहा है कि उर्वरक के वितरण में असामाजिक तत्वों द्वारा कालाबाजारी, जमाखोरी, ओवररेटिंग, टैगिंग आदि से किसान प्रभावित न हों, इसपर विशेष ध्यान रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उर्वरक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसकी कहीं भी कोई किल्लत नहीं है। प्रदेश में विगत वर्ष (खरीफ 2024 में 31 जुलाई, 2024 तक) यूरिया उर्वरक की कुल खपत 18.98 लाख एमटी हुई थी। खरीफ 2025 में माह जून तक निर्धारित लक्ष्य 12.52 लाख एमटी के सापेक्ष 10 जुलाई तक 28.56 लाख एमटी उपलब्ध कराई गई।

विधानसभा में असंबद्ध विधायकों का नहीं होगा राजनीतिक नुकसान

विधायकी बची रहेगी और खुलकर दे सकेंगे सत्तारूढ़ दल का साथ

- असंबद्ध विधायकों के मंत्री बनने का रास्ता भी साफ
- स्वेच्छा से सपा छोड़ भाजपा में जाते तो लगता दल-बदल कानून

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी से निष्काषित होने के बाद उप्र. विधानसभा में असबद्ध हुए विधायकों का राजनीतिक नुकसान नहीं होगा। फिलहाल उनकी विधायकी बची रहेगी और तीनों खुलकर सत्तारूढ़ दल भाजपा का साथ भी दे सकेंगे। वहीं, असंबद्ध विधायकों के मंत्री बनने का रास्ता भी अब साफ हो गया है। दरअसल, वे स्वेच्छा से अगर सपा छोड़ भाजपा में जाते तो दल-बदल कानून के दायरे आकर विधायकी खतरे में पड़ जाती।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सपा का यह कदम इन विधायकों को नुकसान पहुंचाने के बजाय उल्टा बागियों की मंशा ही पूरी करेगा। असंबद्ध होने के बाद ये विधायक अब खुलकर भाजपा के साथ जा सकते हैं, और अगले डेढ़ साल तक उनकी विधायकी पर कोई खतरा नहीं है।

असंबद्ध घोषित किए जाने का संदेश यह भी है कि सपा से निष्कासन के बाद अब यह कार्यवाही विधायी स्तर पर भी पूरी हो गई है। इन विधायकों के लिए सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि निर्दलीय सदस्यों के लिए होता है। अब वे विधानसभा में न तो सपा के कुनबे का हिस्सा रहेंगे और न ही किसी मान्यता प्राप्त दल का, जब तक वे किसी नई पार्टी से औपचारिक रूप से नहीं जुड़ते।

असंबद्ध विधायक का दर्जा प्राप्त करने के बाद मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह को कई महत्वपूर्ण अधिकार और सुविधाएं मिलेंगी। ये विधायक अब विधानसभा में स्वतंत्र रूप से अपनी राय रख सकेंगे और किसी भी पार्टी के व्हिप से बंधे नहीं होंगे। विधानसभा मंडप में इन्हें सपा के अन्य विधायकों से अलग सीटें आवंटित की जाएंगी, जो इनके स्वतंत्र दर्जे को दर्शाएगा। ये विधायक किसी भी विधेयक या प्रस्ताव पर अपनी इच्छा के अनुसार वोट देने के लिए स्वतंत्र होंगे, बिना किसी पार्टी दबाव के।

सूत्रों के अनुसार, इन विधायकों की भाजपा के साथ नजदीकियां पहले से ही थीं, और अब यह संभावना है कि योगी सरकार इन्हें मंत्रिमंडल में शामिल कर सकती है। वहीं, असंबद्ध विधायक के रूप में इन्हें सभी विधायकों की तरह वेतन, भत्ते, और अन्य सुविधाएं प्राप्त होती रहेंगी।

असंबद्ध घोषित किए गए विधायकों में रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज कुमार पांडेय, अमेठी से विधायक राकेश प्रताप सिंह और गौरीगंज से विधायक अभय सिंह शामिल हैं।

हालांकि, यह तीनों नेताओं पर कार्रवाई कर सपा ने अपने अनुशासन को मज़बूत किया है, लेकिन दूसरी ओर भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है। तीनों विधायक अपने-अपने इलाकों में प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। अगर भाजपा इन्हें सक्रिय रूप से अपने संगठन में शामिल करती है और उन्हें जिम्मेदारी देती है, तो यह पार्टी को जमीनी मजबूती देगा, खासकर पूर्वांचल और अवध क्षेत्र में।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा शुरू 18 तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि महिलाओं की सेहत, बच्चों के पोषण और पूरे परिवार के भविष्य की नींव है। अभियान के माध्यम से चिकित्सकीय सेवाएं लोगों तक पहुंचें और हर दंपति को सही विकल्प मिले।

मिशन निदेशक, विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित अभियान को लेकर शुक्रवार को एनएचएम कार्यालय में जानकारी दे रही थीं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जनसंख्या स्थिरता अभियान 18 जुलाई तक चलेगा। इस वर्ष की थीम 'मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही' है। अभियान अंतर्गत संचालित विशेष पखवाड़े का उद्देश्य परिवार नियोजन के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना, जागरूकता बढ़ाना है।

ट्रेनी महिला सिपाही ने दुपट्टे से फंदा लगाकर दी जान

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- पुलिस में भर्ती होने के बाद ले रही थी एक माह की जेटीसी ट्रेनिंग
- बैरक के बाथरूम में मिला शव, दोपहर के समय हुई जानकारी

अमृत विचार। पुलिस में भर्ती होने के बाद एक माह की पहली जेटीसी ट्रेनिंग ले रही महिला सिपाही ने पुलिस लाइन की बैरक के बाथरूम में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिला अस्पताल में मौत की पुष्टि होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया। महिला सिपाही एटा जनपद की मूल निवासी थी।

पुलिस में सिपाही के पद पर हाल ही में भर्ती महिला सिपाही रानू जादौन (24) पुत्री श्यामवीर सिंह जनपद एटा के थाना जलेसर के मोहल्ला हथौडा की निवासी थी। पुलिस लाइन में भर्ती के बाद वह एक माह की जेटीसी ट्रेनिंग कर रही थी। पुलिस लाइन के जी-5 आवास में रह रही थी। इसके साथ करीब 110 अन्य महिला सिपाही भी रह रही थीं। शुक्रवार को दोपहर के समय किसी बात को लेकर रानू ने आवास के बाथरूम में लगे कपड़े टांगने के हैंगर की राड में दुपट्टे से गले में फंदा लगा लिया। इसकी जानकारी अन्य महिला सिपाहियों को तब हुई जब वह बाथरूम में गईं

। घटना की जानकारी पर एसपी विनोद कुमार, एएसपी अजय कुमार, सीओ सिटी अभिषेक प्रताप अजेय व कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को उतार कर जिला अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर हरि माधव ने जांच कर मौत की पुष्टि की। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन में सलामी देने के बाद शव को घर भेजा गया।

यूपीआईटीएस को लेकर हैदराबाद में हुआ रोड शो

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर उप्र. सरकार द्वारा शुक्रवार को हैदराबाद के एफटीसीसीआई में दूसरा रोड शो हुआ। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्योगपतियों, निर्यातकों, व्यापार सलाहकारों और व्यापारिक संगठनों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि एमएसएमई, खादी-ग्रामोद्योग, हैंडलूम, टेक्सटाइल एवं रेशम मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश न केवल देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है, बल्कि अब वैश्विक व्यापार का केंद्र भी बनता जा रहा है। यूपीआईटीएस सिर्फ एक व्यापार मेला नहीं, यह हमारे कारीगरों,और स्थानीय उद्यमियों की वैश्विक पहचान का मंच है।

किराएदारी अधिकारों से अधिक महत्वपूर्ण किराएदारों के जीवन की सुरक्षा

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- जर्जर इमारत के शीघ्र विध्वंस पर किराएदारों को आपत्ति करने का अधिकार नहीं

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किराएदारी अधिकारों से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि किराए पर ली गई इमारत के शीघ्र विध्वंस पर किराएदारों को आपत्ति करने का अधिकार नहीं है।

विशेषकर जब अधिकारियों ने उक्त परिसर का निरीक्षण किया हो और उसे ध्वस्त करना अनिवार्य पाया हो। कोर्ट ने माना कि जीर्ण-शीर्ण इमारत में किराएदार के जीवन को खतरे से सुरक्षा उत्तर प्रदेश शहरी परिसर किराएदारी विनियमन अधिनियम, 2021 के तहत व्यक्तियों के किराएदारी अधिकारों से अधिक महत्वपूर्ण है।

कोर्ट ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी में आगे बताया कि किराएदारी अधिनियम की धारा 21 की उपधारा (2) के तहत मकान मालिक परिसर के किसी भी हिस्से की मरम्मत या निर्माण या पुनर्निर्माण या परिवर्तन या विध्वंस के मामले में किराया

प्राधिकरण के समक्ष किराएदारों को बेदखल करने के लिए आवेदन कर सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने अशोक कुमार गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किराएदारी अधिनियम के तहत किराएदारों के अधिकारों को उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 331(1) के अधीन लागू किया जाना चाहिए, जिसमें प्रावधान है कि अगर नगर आयुक्त को ऐसा लगता है कि कोई संरचना गिरने के खतरे में है या किसी व्यक्ति के लिए खतरनाक है तो वह मालिक या अधिभोगी को खतरे से बाहर निकालने के लिए ऐसी संरचना को गिराने, सुरक्षित करने, हटाने या मरम्मत करने का आदेश दे सकता है।

वर्तमान मामले में भवन जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और उसे गिराए जाने की आवश्यकता है। अतः कोर्ट ने माना कि किराएदारी अधिकारों से अधिक किराएदारों के जीवन को सुरक्षित करना महत्वपूर्ण है, इसलिए कोर्ट ने नगर निगम, अलीगढ़ के प्राधिकारियों को कानून के अनुसार जर्जर किराएदार परिसर को ध्वस्त करने और किराएदारों को अपना सामान हटाने का उचित अवसर देने का निर्देश दिया, साथ ही संबंधित परिसर में रहने वाले किराएदारों को यह निर्देश दिया कि वह अपने जीवन की सुरक्षा के प्रति सजग रहे और भवन के विध्वंस में कोई प्रतिरोध या आपत्ति ना करें।

वर्ग पहेली-29

बाएं से दाएं

1.1. जर्मनी का एक प्रसिद्ध राजनीतिक दल जिसका पराभव द्वितीय विश्वयुद्ध में हुआ 2. उक्त दल का सदस्य।
2.1. हंसने का उपक्रम 2. हंसने का तरीका।
7. जो जनता के लिए उपयोगी या हितकर हो (बात या काम)।
10.1. जो सुलझी न हो, जो सुलझाई न जा सकी हो, उलझी हुई 2. जिस समस्या का समाधान न किया गया हो उसका विशेषण।

ऊपर से नीचे

3. सहयोग या सहायता करने वाला व्यक्ति।
4.1. खोटे या दुष्ट होने की अवस्था
5. रोला छंद का एक नाम।
6. पाश्चात्य चिकित्सा प्रणाली या पद्धति अर्थात एलोपैथी द्वारा उपचार करने वाला डॉक्टर।
8.1. बहुत अधिक थका हुआ, शिथिल, थका-मांदा, अशक्त 2. जो असफल होने पर उत्साह रहित हो गया हो, पस्त।
9.1. उतनी मात्रा जितना एक बार में पेरने या पीसने के लिए चक्की में डाला जाए 2. उतना अंश जितना एक बार में बनाया या पकाया जाए 3. कठोर प्रहार, चोट।

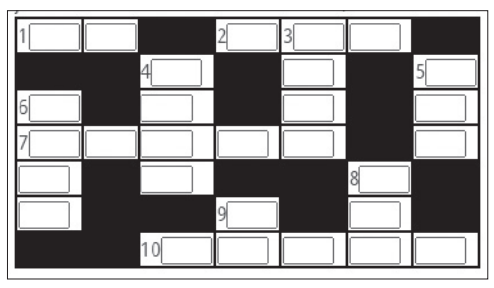

वर्ग पहेली -28 का हल

1 च	2 ना		3 उ			4 अ		
	5 सा	गू	दा	ना		फ़		
	ज़		री			सो		
		6 चो	क			स		
	7 खँ	खा	र			ज		
			ण			न		
8 झाँ	झ	न		9 पो	त	क		

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 जुलाई, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष,द्वितीया-13 जुलाई 01.46 तक तत्पश्चात तृतीया।

मेष
आज कार्यक्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। अधिकारी वर्ग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेगा। परिवार के बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य प्राप्त होगा। पैतृक संपदा प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

वृष
आज स्वास्थ्य को लेकर समस्या दूर होगी। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यंत प्रसंन रहेंगे। समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। घर में अतिथियों का आगमन हो सकता है। रुके हुए कार्यों को पूर्ण करने का दबाव रहेगा। उच्च दार्शनिक विषयों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

मिथुन
आज का दिन कुछ निराशाजनक हो सकता है। वर्तमान मौसम में परिवर्तन के कारण सर्दी-खांसी की समस्या होने की आशंका है। स्वास्थ्य को लेकर थोड़े चिन्तित रहेंगे। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। क्रोधी व्यवहार के कारण आपकी छवि होने की आशंका है।

कर्क
आज नया काम आरम्भ करने के लिए दिन बहुत अच्छा है। दोपहर के समय शुभ समाचार मिल सकते हैं। पूरी मेहनत से आप अपने काम के प्रति समर्पित रहेंगे। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। पार्टनरशिप को लेकर चली आ रही दुविधा समाप्त होगी।

सिंह
आज जीवनसाथी से मानसिक सहयोग प्राप्त होगा। प्रभावशाली लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधी आपके विरुद्ध दुष्प्रचार कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताने से आपका मन प्रसन्न होगा। प्रेमी जन के साथ डेट पर जा सकते हैं।

कन्या
आज परिस्थितियां आपके लिए शानदार रहने वाली हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा। अचल संपत्ति को लेकर विवाद शांत हो सकते हैं।

तुला
आज शीघ्रता और भावुकता में लिए गए निर्णय आपको समस्या में डाल सकते हैं। भाइयों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। वाहन का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें। मन में कुछ बड़ा करने की योजना होगी। अपनी कमियों में सुधार करें। बच्चों के लिए शॉपिंग कर सकते हैं।

वृश्चिक
आज दिन उमंग और उत्साह से भरपूर रहेगा। धन के कारण जो काम लंबित थे वे आज पुनः प्रारम्भ होने की संभावना है। परिवार के सदस्य आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नव विवाहित जोड़े यात्रा के लिए जा सकते हैं।

धनु
आज आपकी पाचन क्रिया थोड़ी कमजोर हो सकती है। किसी को उधार धन देने से पहले पेपरवर्क अवश्य कर लें। आय के स्रोतों में कमी आ सकती है। जीवनसाथी का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। पुण्य कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं।

मकर
आज कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की प्रशंसा होगी। प्रतियोगी परीक्षा में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। थोक व्यापारियों के कारोबार में वृद्धि होगी। अध्यात्म में आप अत्यंत रुचि ले सकते हैं। आज प्रियजनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कुंभ
आज अपनी योजनाओं को गुप्त रखें। मांसपेशियों में जकड़न की समस्या हो सकती है। धैर्य बनाकर रखें और प्रयास करते रहें। क्योंकि आपके काम देरी से ही सही पर पूर्ण अवश्य होंगे। घर के किसी अविवाहित सदस्य के विवाह की चिंता होने की संभावना है।

मीन
आज समाज के प्रभावशाली लोगों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कारोबार में आपकी आय बढ़ेगी। प्रेमी जन के साथ आप समय बिताना पसंद करेंगे। रुके हुए काम आज करने का मन बनायेंगे। आज आप घर पर बहुत अच्छा समय बितायेंगे।

आज का पंचांग

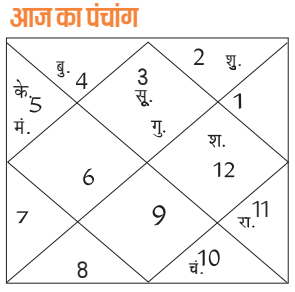

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 06.36 तक तत्पश्चात श्रवण।

सुडोकू-36

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8			7		4		1
3				6	5	7		
	7		4				8	
6			7		3			8
	1						9	
5			1		8			2
	9				4		7	
		3	2	8				4
8		4		1			3	

सुडोकू - 35 का हल

5	9	1	3	2	7	4	8	6
7	8	3	4	6	1	9	5	2
6	2	4	5	8	9	3	7	1
1	3	8	2	4	6	5	9	7
2	5	7	9	1	3	8	6	4
4	6	9	8	7	5	2	1	3
8	1	5	6	3	4	7	2	9
3	7	2	1	9	8	6	4	5
9	4	6	7	5	2	1	3	8

आईटी-वाहन शेयरों में बिकवाली से बाजार धड़ाम

मिले जुले वैश्विक रुझान के बीच तीसरे दिन बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 690 तो निफ्टी 205 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

मिले-जुले वैश्विक रुझानों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), वाहन और बिजली शेयरों में भारी बिकवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 690 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 205 अंकों की गिरावट आई।

वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच अमेरिकी शुल्क को लेकर जुड़ी अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों की धारणा पर असर डाला। बीएसई का सेंसेक्स 689.81 अंक गिरकर 82,500.47 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 205.40 अंक गिरकर 25,149.85 अंक पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में 932.42 अंक की गिरावट देखी गई जबकि एनएसई निफ्टी में 311.15 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की नरमी रही। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टीसीएस का शेयर जून तिमाही के नतीजे आने के बाद 3.46% नुकसान में रहा। टीसीएस ने जून तिमाही में शुद्ध लाभ 6% बढ़कर 12,760 करोड़ होने की सूचना दी है। रुपये में राजस्व 1.3% बढ़कर 63,437 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाइटन, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ट्रेंट, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों मे हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के शेयरों में 4.61% की तेजी रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो) और भारतीय स्टेट बैंक शामिल हैं।

- बाजार पर अमेरिकी शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं ने भी डाला असर

मिड और स्मॉल कैप में आई गिरावट

छोटी कंपनियों से संबंधित बीएसई स्मालकैप सूचकांक में 0.70% की गिरावट रही जबकि मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 0.65% नुकसान में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में प्रौद्योगिकी खंड में सर्वाधिक 1.85% की गिरावट देखी गई जबकि आईटी खंड में 1.65%, वाहन खंड में 1.72% और तेल एवं गैस खंड में 1.28% की गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,450 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि 1,557 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं 158 अन्य कंपनियों के शेयर अपरिवर्तित रहे।

एशियाई बाजार में दिखा मिला-जुला असर

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख था। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.31% बढ़कर 68.85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 221.06 करोड़ के शेयर खरीदे हैं।

अपंजीकृत मंचों को लेकर रहे सतर्क : बीएसई-एनएसई

नई दिल्ली। शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने निवेशकों को अपंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं (ओबीपीपी) के साथ लेनदेन को लेकर शुक्रवार को आगाह किया। इन मंचों की लोकप्रियता के बीच निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। ये मंच बॉण्ड जैसे निश्चित-आय वाले कई साधनों तक आसान पहुंच प्रदान करते हैं। दोनों शेयर बाजारों ने संयुक्त बयान में कहा कि निवेशक किसी भी ऑनलाइन बॉण्ड मंच के जरिये निवेश करने से पहले कई प्रमुख कारकों पर विचार करें। इनमें बॉण्ड की क्रेडिट रेटिंग, जारीकर्ता का पुनर्भुगतान रिकॉर्ड, निवेश साधन की तरलता, निपटान समय-सीमा और कर संबंधी प्रभाव शामिल हैं।

वस्तु व्यापार : वैश्विक अर्थव्यवस्था का आधार

वस्तु व्यापार वह प्रक्रिया है, जिसमें एक देश दूसरे देश से भौतिक वस्तुओं का आयात या निर्यात करता है। इसमें कृषि उत्पाद, खनिज, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, कपड़ा आदि शामिल हैं। यह व्यापार वैश्विक अर्थव्यवस्था का आधार है, जो देशों के बीच संसाधनों के आदान-प्रदान को संभव बनाता है। वस्तु व्यापार न केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम है, बल्कि यह उद्योग, रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देता है। हालांकि, इससे स्थानीय उद्योगों पर दबाव, व्यापार घाटा और पर्यावरणीय प्रभाव जैसे कुछ नुकसान भी होते हैं।

देशों को लाभ

- **आर्थिक विकास :** निर्यात से विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।
- **रोजगार सृजन :** उत्पादन व लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।
- **विशेषीकरण :** देश वस्तुओं के उत्पादन में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं।
- **उपभोक्ता विकल्प :** आयात से उपभोक्ताओं को विविध उत्पाद उपलब्ध होते हैं।
- **तकनीकी उन्नति :** आयातित मशीनरी व तकनीक से उद्योगों का आधुनिकीकरण होता है।

वस्तु व्यापार का महत्व

वस्तु व्यापार विश्व अर्थव्यवस्था का स्तंभ है, जहां देश अपनी उत्पादन क्षमताओं और संसाधनों के अनुसार वस्तुएं निर्यात कर लाभ कमाते हैं तथा आवश्यक वस्तुएं आयात करते हैं। यह व्यापार आपसी निर्भरता को बढ़ाता है और वैश्विक शांति एवं सहयोग को बढ़ावा देता है।

होने वाली संभावित हानि

- **व्यापार घाटा :** आयात ज्यादा और निर्यात कम होने से देश पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है।
- **पर्यावरणीय दुष्प्रभाव :** अत्यधिक उत्पादन और परिवहन से प्रदूषण बढ़ता है।
- **कृषि पर प्रभाव :** सस्ते कृषि आयात से किसानों को नुकसान होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **व्यापार समझौते :** द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौते व्यापार को प्रभावित करते हैं।
- **मूल्य अस्थिरता :** वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से वस्तु व्यापार प्रभावित होता है।
- **भंडारण व परिवहन लागत :** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में लॉजिस्टिक्स एक प्रमुख चुनौती होती है।
- **नियामक बाधाएं :** टैरिफ, गैर-टैरिफ और गुणवत्ता मानक व्यापार को प्रभावित करते हैं।

स्विट्जरलैंड को भारत-ईएफटीए समझौता मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

स्विट्जरलैंड ने भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौते को मंजूरी देने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इससे व्यापार बाधाएं कम होंगी और स्विट्जरलैंड से निर्यात के लिए भारतीय बाजार काफी हद तक खुल जाएगा।

भारत में स्विट्जरलैंड की राजदूत माया तिस्सापी ने इस व्यापार समझौते को भारत के साथ अपने देश के द्विपक्षीय संबंधों में 'मील का पत्थर' बताया। राजदूत ने बताया कि व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) अक्टूबर में लागू किए जाने की उम्मीद है। इस व्यापार समझौते के तहत, आयरलैंड, लिशटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड जैसे ईएफटीए देश 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। आयरलैंड, लिशटेंस्टीन और नॉर्वे पहले ही इस समझौते को मंजूरी दे चुके हैं।

- व्यापार व आर्थिक साझेदारी समझौता अक्टूबर में लागू किए जाने की उम्मीद

मार्च में, चार देशों के इस यूरोपीय समूह ने 16 वर्षों की बातचीत के बाद भारत के साथ टीईपीए पर हस्ताक्षर किए। तिस्सापी ने शुक्रवार को कहा कि कल आधी रात (स्विस समयानुसार) को, ईएफटीए-भारत टीईपीए के लिए जनमत संग्रह की समय सीमा आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। जनमत संग्रह न होने के कारण, स्विस जनता ने इस समझौते पर अपनी मौन स्वीकृति व्यक्त कर दी है। स्विट्जरलैंड द्वारा व्यापार समझौते को मंजूरी स्विस काउंसिल ऑफ स्टेट्स से स्वीकृत होने के सात महीने से अधिक समय मिली। उन्होंने कहा कि टीईपीए हमारे देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त करता है। शुल्क में कमी के अलावा, यह सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, बौद्धिक संपदा सुरक्षा को बढ़ाने और स्थायी कारोबार प्रक्रियाओं के लिए एक ढांचा स्थापित करने में मदद करेगा।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1.34% घटकर 5.63 लाख करोड़

नई दिल्ली। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 10 जुलाई तक 1.34% घटकर 5.63 लाख करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से अधिक रिफंड से कर संग्रह कम हुआ है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

कंपनी कर संग्रह 3.67% गिरकर दो लाख करोड़ रहा, जो गत वर्ष समान अवधि में 2.07 लाख करोड़ था। गैर-कंपनी कर (जिसमें व्यक्तिगत, एचयूएफ और फर्म हैं) 3.45 लाख करोड़ रुपये रहा। 1 अप्रैल से 10 जुलाई के बीच प्रतिभूति लेनदेन कर संग्रह 17,874 करोड़ रहा। इस दौरान देश का कुल शुद्ध संग्रह 5.63 लाख करोड़ रहा, जो गत वर्ष 5.70 लाख करोड़ रुपये से 1.34% कम है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में अब तक शुद्ध रिफंड 38% बढ़कर 1.02 लाख करोड़ रहा। 1 अप्रैल से 10 जुलाई तक सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 6.65 लाख करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 6.44 लाख करोड़ रुपये से 3.17 प्रतिशत अधिक है।

डॉलर का विकल्प तलाशने को विवश ब्रिक्स देश

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की आर्थिक और भू-राजनीतिक कार्रवाइयों से ही देश डॉलर से इतर मुद्राओं में व्यापार करने को प्रेरित हुए हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने डॉलर से इतर मुद्राओं में व्यापार करने वाले सभी ब्रिक्स देशों पर 10% शुल्क का प्रस्ताव रखा है। भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान ब्रिक्स के सदस्य हैं।

'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) ने कहा कि रूस, ईरान तथा वेनेजुएला जैसे देशों पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने डॉलर-आधारित भुगतान को

- जीटीआरआई के अनुसार, अमेरिका की आर्थिक कार्रवाइयों से हैं प्रेरित

अवरुद्ध कर दिया है जिससे भारत और चीन जैसे देशों को रूस के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं का रुख करना कोई विद्रोह नहीं है... बल्कि एकमात्र रास्ता यही बचा था। उन्होंने कहा, रूस-चीन का 90% से अधिक व्यापार अब रूबल (रूस की मुद्रा) या युआन (चीन की मुद्रा) में होता है। भारत रूसी तेल के लिए रुपये और दिरहम (संयुक्त अरब अमीरात की मुद्रा) में भुगतान करता है। यहां तक कि सऊदी अरब भी डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं में तेल व्यापार के लिए तैयार है जो 1970 के दशक के 'पेट्रो-डॉलर' समझौते को तोड़ रहा है। शोध संस्थान ने कहा कि ट्रंप इस तथ्य की अनदेखी कर रहे हैं कि यह अमेरिका की कार्रवाइयां ही थीं, जिन्होंने देशों को डॉलर के विकल्प तलाशने के लिए मजबूर किया। श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रिक्स पर ट्रंप की 10 प्रतिशत शुल्क की योजना और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत जुर्माना लगाने से देशों के लिए अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करना मुश्किल हो रहा है।

राष्ट्रीय

एक नजर

कमलनाथ व गोविंद के खिलाफ याचिका खारिज

इंदौर। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने कुख्यात हनी ट्रैप कांड की सीडी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और पूर्व मंत्री गोविंद सिंह के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज कर दी है। याचिका में दोनों नेताओं के बयान पर दावा था कि हनी ट्रैप कांड की सीडी उनके पास है। याचिका में गुहार थी कि दोनों को निर्देशित किया जाना चाहिए कि वे विशेष जांच दल (एसआईटी) को सीडी सौंप दें।

पुल हादसा : मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 20

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुल ढहने की घटना में घायल एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत और एक लापता व्यक्ति का शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 20 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि लापता व्यक्ति की तलाश जारी है। उसे ढूंढने के प्रयास शनिवार को फिर से शुरू किए जाएंगे, क्योंकि खोज एवं बचाव अभियान शाम को रोक दिया गया।

पंजाब और हरियाणा में फिर ईडी का छापा

जालंधर (पंजाब)। ईडी ने इस साल अमेरिका द्वारा प्रत्यर्पित किए अवैध भारतीय प्रवासियों से जुड़े डंकी रूट मामले की धन शोधन की जांच में पंजाब और हरियाणा में शुक्रवार को फिर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पंजाब के मनसा और हरियाणा के कुरुक्षेत्र और करनाल में 7 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि ये छापे नौ जुलाई को इन दोनों राज्यों में 11 स्थानों पर ली गई तलाशी के दौरान प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं पर आधारित हैं।

वामपंथी संगठनों पर नकेल कसेगा महाराष्ट्र

मुख्यमंत्री फडणवीस ने उग्रवादी संगठनों पर अंकुश लगाने के विधेयक को विधानसभा की मंजूरी को सराहा

विशेष जन सुरक्षा विधेयक

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को वामपंथी संगठनों की गतिविधियों पर अंकुश संबंधी विधेयक को विधानसभा की मंजूरी मिलने की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में सक्रिय लेकिन अन्य राज्यों में प्रतिबंधित ऐसे समूहों पर नकेल कसने के लिए यह आवश्यक था। साथ ही मुख्यमंत्री ने इसके दुरुपयोग की आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया।

फडणवीस ने बताया कि छह ऐसे संगठन हैं जो अन्य राज्यों में प्रतिबंधित हैं, लेकिन महाराष्ट्र में सक्रिय हैं। विशेष जन सुरक्षा विधेयक में पर्याप्त कानूनी सुरक्षा उपाय शामिल हैं। शहरी नक्सलवाद और पैसिव मिलिटेंसी पर केंद्रित वामपंथी उग्रवादी संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से लाया गया यह विधेयक विधानसभा द्वारा पारित कर दिया गया है। जल्द ही विधान परिषद में पेश होने की उम्मीद है। पैसिव मिलिटेंसी, संघर्ष का तरीका है, जिसमें लोग बिना हिंसा का सहारा लिए, सरकार या किसी अधिकार के खिलाफ असहमति व्यक्त करते हैं। फडणवीस महाराष्ट्र के गृह मंत्री भी हैं। उन्होंने चरमपंथी संगठनों से निपटने में इस विशेष विधेयक पर जोर दिया और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) जैसे कड़े कानूनों की सीमाओं के बारे में बताया। फडणवीस ने यहां विधान भवन में पत्रकारों से कहा कि मुझे खुशी है कि महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक 2024 को गुरुवार को विधानसभा द्वारा मंजूरी दे दी गयी, जिसे पिछले साल दिसंबर में शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किया गया था। यह पूछे जाने पर कि विधेयक के कानून बन जाने से कितने संगठन प्रभावित होंगे, इस पर फडणवीस ने कहा कि राज्य में 64 संगठन सक्रिय हैं, जिनमें से छह पहले से ही इसी तरह के कानूनों के तहत अन्य राज्यों में प्रतिबंधित हैं।

- सीएम बोले- शहरी नक्सलवाद और पैसिव मिलिटेंसी रोकने के लिए लाया गया विधेयक

कैंटीन कर्मी पर हमले की जांच के लिए इंतज़ार नहीं करे पुलिस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि बासी खाना परोसने के आरोप में शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा कैंटीन कर्मचारी पर हमला किए जाने की घटना की जांच शुरू करने के लिए पुलिस को किसी औपचारिक शिकायत की प्रतीक्षा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने विधानभवन परिसर में कहा कि पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए और अगर यह संज्ञेय अपराध है, तो वे उचित कार्रवाई करेंगे। एक वायरल वीडियो में गायकवाड़ एमएलए हॉस्टल की कैंटीन में बासी खाना परोसने पर एक कर्मचारी के साथ मारपीट करते हुए दिख रहे हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा था कि विधायकों का इस तरह का आचरण गलत संदेश देता है। इससे पहले, गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि पुलिस गायकवाड़ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती, क्योंकि इस संबंध में उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

75 साल की उम्र में नेता रिटायर हों : भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में एक कार्यक्रम में कहा कि नेताओं को 75 साल की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने मोरोपंत पिंगले की स्मृति में किताब लोकार्पण समारोह में यह बात कही।

भागवत ने कहा कि जब कोई व्यक्ति 75 साल का हो जाता है और लोग उसे बधाई देने लगते हैं, तब उसे रुक जाना चाहिए और दूसरों को अवसर देना चाहिए। उन्होंने पिंगले के जीवन और उनके राजनीतिक पूर्वानुमानों की प्रशंसा की। भागवत के इस बयान से राजनीतिक हलचल तेज हो गई क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी इसी वर्ष सितंबर में 75 वर्ष के होने जा रहे हैं।

मोदी को भागवत ने दिलाई 75 साल की याद : कांग्रेस

भागवत की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए यह कैसी घर वापसी है कि विदेश से लौटने पर भागवत ने उन्हें याद दिलाया कि वह इस साल 75 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री भी भागवत से कह सकते हैं कि वह भी तो 11 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे।

राहुल गांधी को बचाने के लिए संविधान बचाओ रैली राजनीतिक पर्यटन : प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा में संविधान बचाओ रैली पर शुक्रवार को कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि यह संविधान के बजाय कांग्रेस के 'शहजादे' राहुल गांधी एवं पार्टी को बचाने के लिए राजनीतिक पर्यटन है। प्रधान ने तंज कसा कि आज राहुल गांधी की स्थिति नाच न आवे आंगन टेढ़ा कहावत को चरितार्थ करती है।

प्रधान ने एक्स पर कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित संविधान बचाओ रैली दरअसल कांग्रेस के शहजादे का एक और राजनीतिक पर्यटन था। यह संविधान बचाओ नहीं बल्कि राहुल गांधी और कांग्रेस बचाओ समावेश है। ओडिशा में भाजपा की जनहितैषी सरकार के प्रति जनता का अडिग विश्वास कांग्रेस को परेशान कर रहा है। ओडिशा में कांग्रेस का कोई वजूद ही नहीं है। ओडिशा के गरीबों, दलितों, आदिवासियों, किसानों और मजदूरों ने कांग्रेस को दशकों पहले नकार दिया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस का इतिहास हमेशा से गरीबों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की अनदेखी करने का रहा है। दिल्ली से कांग्रेस की सरकारों द्वारा भेजे पैसों को कभी बिचौलिए लूट लेते थे, तो कभी कांग्रेस अपने खास वोटबैंक को समर्पित कर देती थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान बचाने का उपदेश कांग्रेस दे रही है, जिसने उसका गला घोंटा है।

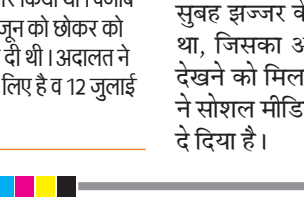

छत्तीसगढ़ : 37.50 लाख के इनामी 22 नक्सलियों ने किया सरेंडर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 22 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से कुछ पर कुल 37.50 लाख रुपये का इनाम था। आत्मसमर्पण करने वाले 22 नक्सलियों में आठ महिला नक्सली भी शामिल हैं। डिवीजनल कमेटी सदस्य मनकू कुंजाम उर्फ सुखलाल पर आठ लाख, एरिया कमेटी सदस्य हिड़मे कुंजाम, मिलिशिया कमांडर पुन्ना लाल उर्फ बोटी और सनीराम कोर्राम उर्फ धर्मू पर पांच-पांच लाख का इनाम था। इसके अलावा आत्मसमर्पण करने वाले 11 नक्सलियों पर एक-एक लाख और 7 नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम था। ये नारायणपुर जिले के माड़ संभाग के कुतुल, नेलनार और इंद्रावती एरिया कमेटी अंतर्गत सक्रिय थे। नारायणपुर एसपी रोबिनसन गुड़िया ने बताया, हम नक्सली भाई-बहनों से अपील करते हैं कि भ्रामक विचारधारा त्याग कर सरेंडर करें।

20 नदियां उफान पर, असम और बिहार में 3 स्थानों पर स्थिति गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को जारी दैनिक बाढ़ बुलेटिन में कहा कि देश भर में 20 नदियों में बाढ़ की स्थिति है, जिनमें से असम में एक और बिहार में दो स्थान बाढ़ की गंभीर स्थिति हैं। बाढ़ की गंभीर स्थिति वाले असम के गोलाघाट में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे स्थित इलाके तथा बिहार के मुजफ्फरपुर और गोपालगंज में गंगा की सहायक नदियों क्रमशः बागमती और गंडक के तट पर स्थित हैं। इन स्थानों पर जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। कुल मिलाकर, केंद्रीय जल आयोग ने 20 स्थानों के लिए बाढ़ को लेकर चिंता जताई है, जिनमें असम, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल हैं। ब्रह्मपुत्र और गंगा नदी उच्च-जोखिम वाले स्थानों पर हैं। हालांकि, अभी तक कोई भी नदी बाढ़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर नहीं पहुंची है। आयोग ने 17 स्थानों पर बाढ़ की स्थिति को असमान्य बताया है।

प्रधानमंत्री, आरएसएस पर आपत्तिजनक पोस्ट का मामला, कार्टूनिस्ट पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं के आपत्तिजनक कार्टून अपलोड करने के आरोपी इंदौर के कार्टूनिस्ट की अग्रिम जमानत पर सुनवाई के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हेमंत मालवीय द्वारा दायर उस याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगी, जिसमें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उन्हें राहत देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी गई है। वकील वृंदा ग्रोवर ने इस मामले पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया है। उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का घोर दुरुपयोग है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक वापस जेल में करें आत्मसमर्पण

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर को 1500 करोड़ के धनशोधन मामले में 12 जुलाई को वापस जेल में आत्मसमर्पण करने को कहा तथा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। छोकर को ईडी ने 4 मई को नई दिल्ली स्थित पांच सितारा होटल से गिरफ्तार किया था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 19 जून को छोकर को चिकित्सा आधार पर जमानत दी थी। अदालत ने कहा कि जमानत एक बार के लिए है व 12 जुलाई को आत्मसमर्पण करें।

दिल्ली-एनसीआर में दूसरे दिन भी भूकंप, झज्जर के पास केंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में शुक्रवार शाम को 3.7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर था।

भूकंप का झटका शाम 7:49 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र झज्जर से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व और दिल्ली से 51 किलोमीटर पश्चिम में स्थित था। रोहतक, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, गुरुग्राम, गाजियाबाद और नोएडा सहित कई जिलों में लोगों ने भूकंप का झटका महसूस किया। यह इस क्षेत्र में गत दो दिनों में आया दूसरा भूकंप था। गुरुवार सुबह झज्जर के पास 4.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका असर दिल्ली सहित कई स्थानों पर देखने को मिला था। लगातार दो दिन आए भूकंपों ने सोशल मीडिया पर चिंता और अटकलों को जन्म दे दिया है।

खुद अकादमी खुलवाई तो क्यों की बेटी की हत्या

टेनिस खिलाड़ी की हत्या का मामला

गुरुग्राम, एजेंसी

गुरुग्राम पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि वह पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या की जांच कर रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि घटना के समय उसकी मां क्या कर रही थीं। राधिका के चाचा कुलदीप यादव की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना के समय राधिका की मां मंजू यादव मकान की पहली मंजिल पर ही थीं। वहीं बताया जा रहा है कि राधिका के कंधे में चोट के बाद अभ्यास नहीं कर पाने पर दीपक ने डेढ़ करोड़ की लागत टेनिस एकेडमी बनाया था। सवाल ये है कि फिर दीपक ने ऐसा क्यों किया।

आरोपी दीपक यादव।

गुरुग्राम के पॉश इलाके सुशांत लोक में स्थित दो मंजिला मकान में गुरुवार को दीपक यादव ने बेटी राधिका (25) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राधिका पिछले साल संगीत वीडियो में नजर आई थीं। पुलिस के अनुसार इसकी वजह से घर में तनाव हो, इसलिए वह इसकी भी जांच करेंगे। दीपक ने राधिका पर गोली चलाई क्योंकि उसे उसकी कमाई पर निर्भर रहने का ताना मारा जाता था। दीपक द्वारा खुलवा गया टेनिस अकादमी ही दोनों में विवाद का कारण रहा। पुलिस प्रवक्ता संदीप सिंह ने कहा दीपक ने खुलासा किया कि उसे बेटी द्वारा टेनिस अकादमी चलाने पर आपत्ति थी, जिसे लेकर दोनों में विवाद हुआ था। दीपक ने राधिका को अकादमी बंद करने के लिए कहा था, लेकिन वह नहीं मानी।

अदालत ने आरोपी पिता को पुलिस हिरासत में भेजा

अपनी बेटी एवं टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के आरोप में गिरफ्तार पिता दीपक यादव को अदालत ने शुक्रवार को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत के बाहर एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने आरोपी की दो दिन की हिरासत मांगी थी। हमें उसकी लाइसेंसी रिवॉल्वर (अपराध में इस्तेमाल) की गोलियां बरामद करनी है। हमें यह भी सत्यापित करना है कि उसने कितनी गोलियां खरीदी थी। अधिकारी ने कहा, रेवाड़ी के पास कसाम गांव में आरोपी की जमीन है। हमें गोलियां वहीं से लानी है।

आप यहां छुट्टी मनाने के लिए नहीं आए हैं : गंभीर

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने लंबी विदेशी यात्राओं के दौरान क्रिकेटरों के परिवार की उपस्थिति को सीमित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को यह महसूस करना चाहिए कि वे छुट्टी पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य पर हैं।

बीसीसीआई ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया से 1-3 की हार के बाद एक संशोधित यात्रा नीति तैयार की है। इसके तहत 45 दिनों से अधिक के दौरों के लिए परिवार के सदस्यों के रहने की अवधि अधिकतम दो सप्ताह तक सीमित कर दी गई है। छोटे दौरों के लिए यह अवधि सात

● बीसीसीआई के परिवार नियम का समर्थन किया भारतीय मुख्य कोच ने

दिनों तक सीमित कर दी गई थी। गंभीर ने 'सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क' पर चेतेश्वर पुजारा से कहा परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण है लेकिन आपको एक बात समझनी होगी। आप यहां एक उद्देश्य के लिए आए हैं। यह कोई छुट्टी नहीं है। आप एक बहुत बड़े उद्देश्य के लिए यहां हैं। उस ड्रेसिंग रूम में या इस दौरे पर बहुत कम लोग हैं जिन्हें देश को गौरवान्वित करने का यह अवसर मिलता है। उन्होंने कहा मैं परिवारों को हमारे साथ नहीं रखने के खिलाफ नहीं हूं।'' इससे पहले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने खिलाड़ियों के साथ परिवार को रखने का समर्थन किया था। कोहली का तर्क था कि अधिक दबाव वाली स्थितियों के दौरान परिवार की मौजूदगी से काफी मदद मिलती है।

गंभीर ने हालांकि बाकी सब चीजों से पहले देश को रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा परिवार का होना महत्वपूर्ण है। आपका ध्यान अगर देश को गौरवान्वित करने की ओर है और आपकी भूमिका किसी भी अन्य चीज़ से कहीं ज्यादा बड़ी है और आप उस लक्ष्य, उस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं तो मुझे लगता है कि बाकी सब ठीक है। मुझे लगता है कि वह उद्देश्य और वह लक्ष्य किसी भी अन्य चीज से कहीं ज्यादा अहम है। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के इतर गंभीर ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें खेल से खुद को अलग करना मुश्किल लगता है। उन्होंने खुलासा किया कि बर्मिंघम में इंग्लैंड पर भारत की जीत के कुछ ही मिनटों बाद वह टीम संयोजनों के बारे में सोच रहे थे। गंभीर से जब पूछा गया कि वह तनाव मुक्त कैसे होते है तो उन्होंने कहा यह एक कठिन सवाल है।

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर शुक्रवार को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन खेल शुरू होने से पहले रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन के लिए एक श्रद्धांजलि समारोह में भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ी, अंपायर और अन्य लोग शामिल हुए। ● एजेंसी

एक नजर

सुरक्षा समीक्षा के बाद ही हॉकी टीम भारत भेजेगा पाकिस्तान

कराची : पाकिस्तान इस साल के आखिर में होने वाले एशिया कप और जूनियर विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने से पहले वहां की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा है कि यदि राष्ट्रीय टीम को सुरक्षा को लेकर किसी तरह का खतरा होगा तो उसे भारत नहीं भेजा जाएगा। प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मसूद ने कहा कि सरकार के सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही पाकिस्तान की टीम को भारत का दौरा करने की अनुमति दी जाएगी। पूर्व मंत्री मसूद ने कहा, सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगी और यदि वह संतुष्ट नहीं होगी तो वह अपने किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे खतरे में नहीं डालेगी। उन्होंने बताया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत यात्रा करना सुरक्षित नहीं है।

लारा ने कहा, मुल्डर को रिकॉर्ड बनाना चाहिए था

जोहानिसबर्ग : ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के सर्वोच्च व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर के करीब होने के बावजूद उनके रिकार्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं करने के वियान मुल्डर के फैसले को वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने भी सही नहीं बताया और कहा कि दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज को उस मुकाम तक पहुंचना चाहिए था। मुल्डर जिंबॉब्वे के खिलाफ हाल में टेस्ट मैच के दौरान जब 367 रन बनाकर खेल रहे थे तब उन्होंने पारी समाप्त करने की घोषणा करके लारा का रिकॉर्ड तोड़ने का सुनहरा अवसर गंवा दिया था। दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान ने बाद में कहा कि लारा के प्रति सम्मान के कारण उन्होंने ऐसा किया। लारा ने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ यह ऐतिहासिक पारी खेली थी।

अदिति की फ्रांस में सधी शुरुआत संयुक्त सातवें पायदान पर

एवियन ले बेंस (फ्रांस) : भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के शुरुआती दिन शुक्रवार को चार अंडर 67 के कार्ड के साथ शानदार शुरुआत की। अपना 45वां 'मेजर' खेल रही अदिति इस शानदार शुरुआत के बाद तालिका में संयुक्त सातवें स्थान पर है। वह शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी से दो शॉट पीछे है। अदिति ने पहले, सातवें, नौवें और 11वें और 14वें होल पर बर्डी लगाया। वह 13वें होल पर बोगी कर बैठी।

जीत के साथ शृंखला का अंत करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बर्मिंघम : शृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम मैच में अपना दबदबा कायम रखते हुए पांच मैचों की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला का शानदार अंत करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम ने शुरुआती मैचों में बल्ले और गेंद ने कमाल दिखाया। वहीं चौथे मैच में उसकी फील्डिंग भी शानदार रही जिससे वह इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शृंखला जीतने में सफल रही। अरुंधति रेड्डी के सीमा रेखा पर लिए गए तीन कैच और राधा यादव की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने चौथा मैच जीतने के साथ शृंखला में 3-1 की निर्णायक बढ़त भी हासिल की।

बुमराह और राहुल के नाम रहा दूसरा दिन

इंग्लैंड पहली पारी में 387 रन पर सिमटा, भारत ने तीन विकेट पर बनाए 145 रन

लंदन, एजेंसी

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (74 रन देकर पांच विकेट) के सुबह के खतरनक स्पैल के बाद शुक्रवार को यहां तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जो रूट के 37वें शतक के बावजूद इंग्लैंड को पहली पारी में 387 रन पर समेटने के बाद स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 145 रन बना लिए।

बुमराह ने इस तरह कपिल देव के विदेशी सरजमीं पर 12 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और लॉर्ड्स पर 'ऑनर्स बोर्ड' पर अपना नाम दर्ज कराया। बुमराह ने इस तरह टेस्ट में 15 बार पांच विकेट लेने का कारनामा दिखाया। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में भी पांच विकेट झटके थे। स्टंप तक केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारतीय टीम इंग्लैंड से पहली पारी के हिसाब से 242 रन पीछे है। राहुल ने निरंतरता जारी रखते हुए शोएब बशीर की गेंद पर एक रन लेकर 97 गेंद में 50 रन पूरे किए। भारत ने चाय काल तक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13 रन) का गंवा दिया था। करूण नायर 40 रन बनाकर आउट हुए जो एक बार फिर अच्छी शुरूआत को लंबी पारी में तब्दील नहीं कर सके। इंग्लैंड ने कप्तान शुभमन गिल (16) को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया। युवा खिलाड़ी जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर

लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर शॉट लगाते भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल। ● एजेंसी

का पहला शिकार बने। आर्चर की वापसी में तीसरी गेंद जायसवाल के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर दूसरी स्लिप में खड़े हैरी ब्रुक के हाथों में चली गई। लेकिन अनुभवी राहुल और नायर डट कर खेल थे। नायर हालांकि आर्चर और ब्रायडन कार्स की गेंदों के खिलाफ थोड़े असहज दिखे। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शॉर्ट लेंथ गेंद पर नायर को आउट किया। पहली स्लिप में खड़े रूट ने एक हाथ से उनका बेहतरीन कैच लपका, हालांकि तीसरे अंपायर को इसे चेक करना पड़ा। इस कैच के साथ ही रूट क्षेत्ररक्षक के तौर पर सबसे ज्यादा 211 कैच लने वाले खिलाड़ी बन गए। भारत को तीसरा झटका 107 रन पर लगा। क्रिस वोक्स की ऑफ स्टंप के अंदर आती गेंद गिल के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के हाथों में चली गई। लेकिन सुबह का सत्र निश्चित रूप से बुमराह के नाम रहा जिन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत एजबेस्टन टेस्ट के दौरान आराम दिया गया था। रूट (199 गेंद में 104 रन) ने दिन की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपना आठवां शतक

भारत पहली पारी

145/3 (43 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का ब्रुक बो आर्चर	13
केएल राहुल खेल रहे हैं	53
करूण नायर का रूट बो स्टोक्स	40
शुभमन गिल का स्मिथ बो वोक्स	16
ऋषभ पंत खेल रहे हैं	19

गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 13-1-56-1, जोफ्रा आर्चर 10-3-22-1, ब्रायडन कार्स 8-1-27-0, बेन स्टोक्स 6-2-16-1, शोएब बशीर 6-1-22-0

जड़ा जो लॉर्ड्स में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा सैकड़े हैं। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 251 रन से की। लेकिन बुमराह के तीन विकेट झटकने से उसका स्कोर सात विकेट पर 271 रन हो गया था। बुमराह ने पहले घंटे में कप्तान बेन स्टोक्स (44), रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) के विकेट झटके। जिसके बाद फॉर्म में चल रहे जैमी स्मिथ (56 गेंद में 51 रन) और कार्स (56 रन) ने आठवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी कर मेजबान टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया। स्मिथ को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब केएल राहुल ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर फॉर्म में चल रहे इस विकेटकीपर बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया। स्टोक्स दिन में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे। बुमराह पर स्क्वायर कट लगाने के बाद अगली गेंद पर स्टोक्स बोल्ड हो गए।

कड़ी आलोचना के बीच ड्यूक गेंद निर्माता बदलाव के लिए तैयार

लंदन : भारत-इंग्लैंड टेस्ट शृंखला में ड्यूक गेंद को लेकर खिलाड़ियों की ओर से काफी आलोचना हुई है, लेकिन इसके मालिक दिलीप जाजोदिया चाहते हैं कि 'खेल के सुपरस्टार' इस विवादास्पद विषय पर थोड़ा और धैर्य दिखाएं। तीसरे टेस्ट के दौरान जाजोदिया ने पीटीआई से कहा कि इंग्लैंड में असामान्य रूप से गर्म मौसम और मौजूदा समय में बल्लेबाजों के आक्रामक खेल को ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी सुधार करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। ड्यूक गेंद 18वीं सदी से इंग्लैंड में इस्तेमाल हो रही है। लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में दो बार गेंद को बदला गया। महज 10 ओवर के खेल के बाद गेंद को दोबारा बदलने को लेकर भारतीय खिलाड़ियों में रोष दिखा। उन्होंने कहा विश्व क्रिकेट में केवल तीन मान्यता प्राप्त निर्माता हैं (ड्यूक्स, एसजी और कूकाबुरा)। क्रिकेट गेंद बनाना आसान नहीं है। यह अगर आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निर्माता होते। जाजोदिया ने कहा इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझने की जरूरत है कि हम हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं हैं। हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अगर कोई समस्या है तो उसकी समीक्षा की जाएगी और हम उसका हल निकालने की कोशिश करेंगे। चाहे वह चमड़े की खराबी हो या किसी और चीज की। हम इसकी जांच करेंगे। मैं आराम से बैठा सिगार नहीं पी रहा हूं। खिलाड़ी मेरी क्रिकेट गेंद की आलोचना कर सकते हैं।

भारत को नीतीश को टीम में बनाए रखना चाहिए : कुंबले

लंदन : पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें टेस्ट टीम में नियमित रूप से शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने खुद को अनुशासन और प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण साबित किया है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे में अपना दूसरा मैच खेल रहे रेड्डी गुरुवार को तीसरे टेस्ट के पहले दिन दो विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज रहे। कुंबले ने जियोस्टार से कहा मैं यह देखकर हैरान था कि नीतीश कुमार रेड्डी ने कितनी अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार सही क्षेत्रों में गेंद डाली। वह भाग्यशाली थे जो उन्हें लेग साइड में डाली गई शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट मिला।

भारतीय गेंदबाजों के सामने रन बनाना आसान नहीं: पोप

लंदन : इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी टीम की रक्षात्मक बल्लेबाजी का बचाव करते हुए कहा कि यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप आक्रामक होकर खेल सकते हैं। इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आक्रामक बल्लेबाजी शैली को अपनाया है लेकिन गुरुवार को उसने भारतीय गेंदबाजों के सामने रक्षात्मक बल्लेबाजी की और पहले दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 251 रन बनाए। पोप ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप खुलकर खेल सकें। भारतीय गेंदबाजों ने अपनी लेंथ बनाए रखी और रन बनाना मुश्किल कर दिया।

सिनियाकोवा और वरबीक ने मिश्रित युगल खिताब जीता

लंदन, एजेंसी

महिला युगल की दिग्गज खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा ने सेम वरबीक के साथ मिलकर लुइसा स्टेफनी और जो सैलिसबरी को 7-6(3), 7-6(3) से हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीता।

चेक गणराज्य की 10 बार की ग्रैंड स्लैम महिला युगल चैंपियन सिनियाकोवा ने गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल में पहले मैच प्वाइंट पर ही करारा शॉट जमाकर खातिाब अपनी झोली में डाला। वरबीक का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने अपने पिता के लिए जन्मदिन का गीत गाकर दर्शकों के साथ जश्न मनाया। सिनियाकोवा दो बार की ओलंपिक चैंपियन भी हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में टॉमस मचाक के साथ

मिश्रित युगल फाइनल जीतने के बाद नीदरलैंड के विजेता सेम वरबीक (बाएं) और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा (दाएं) ट्रॉफी चूमते हुए। ● एजेंसी

मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2021 के टोक्यो ओलंपिक खेलों में बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता था।

अल्कारास और सिनर के बीच होगा फाइनल

लंदन, एजेंसी

जैनिक सिनर ने शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हरा दिया और अब फाइनल में उनका मुकाबला कार्लोस अल्कारास से होगा। इससे पहले अल्कारास ने यहां टेलर फ्रिट्ज़ को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया।

नंबर एक रैंक वाले सिनर सेंटर कोर्ट में अपनी इस जीत के साथ पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं। अल्कारास 22 साल की उम्र में लगातार तीसरा विंबलडन खिताब और कुल मिलाकर छठा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से एक मैच

फाइनल में पहुंचने की खुशी मनाते कार्लोस अल्काराज। ● एजेंसी

दूर हैं तथा उनकी टक्कर फाइनल में 23 साल के इतालवी खिलाड़ी सिनर से होगी। दूसरे वरीय अल्काराज लगातार 24 मैचों की जीत की लय के साथ रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंच गए। अल्काराज ने ऑल इंग्लैंड क्लब में 2023 और 2024 के खिताबी मुकाबलों में जोकोविच को हराया था तथा अब तक मेजर फाइनल में उनका रिकॉर्ड 5-0 है। इसमें एक महीने पहले फ्रेंच ओपन में सिनर पर पांच सेटों में मिली वापसी की जीत भी शामिल है।

विंबलडन को लगातार आठवीं बार मिलेगी पहली महिला चैंपियन

लंदन : आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर अमांडा अनिसिमोवा और इगा स्वियातेक के बीच शनिवार को होने वाले विंबलडन फाइनल मुकाबले से इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिलेगी। अमेरिकी ओपन 2022 के बाद सेरेना विलियम्स के संन्यास लेने के बाद से ऐसी कोई भी प्रभावशाली खिलाड़ी देखने को नहीं मिली है जिसने पूरी तरह से दबदबा बनाया हो और इससे नए चेहरों को काफी मौके मिले है जैसे कि 13वीं वरीयता प्राप्त 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी अनिसिमोवा पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची हैं। अब वह पूर्व नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक से भिड़ेंगी जिनके नाम रोलां गैरां में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी है।

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल बेंगलुरु में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करते हुए। ● एजेंसी

सुमित, प्रीति ने पहले दिन स्वर्ण जीते

बेंगलुरु, एजेंसी

इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने शुक्रवार को यहां सातवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुषों की भाला फेंक (एफ12 एवं एफ64) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। हरियाणा के अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

यह चैंपियनशिप काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस साल के आखिर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित नयी दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने वाले भारतीय दल का चयन यहां के प्रदर्शन पर काफी निर्भर करेगा।

हरियाणा का स्वर्णिम प्रदर्शन एफ40 एवं एफ41 भाला फेंक वर्ग में भी जारी रहा। पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नवदीप सिंह ने 42.63 मीटर भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रिंस ने 31.90 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता और दिल्ली के रितेन्द्र ने 30.85 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भाला फेंक एफ 46 वर्ग में राजस्थान के सुंदर सिंह गुर्जर ने 64.53 मीटर के थ्रो के पहला स्थान हासिल किया जबकि हरियाणा के रिंकू हुड्डा (63.98 मीटर) उत्तर प्रदेश के अजीत सिंह (63.25 मीटर) को काफी कम अंतर से पछाड़कर दूसरे पायदान पर रहे। ट्रैक स्पर्धाओं में महिलाओं की 100 मीटर (टी 35, टी 37 और टी 42) दौड़ में उत्तर प्रदेश की प्रीति पाल ने 15 सेकंड की प्रभावशाली स्प्रिंट के साथ स्वर्ण पदक जीता।

उनके बाद गुजरात की बीना मोर्दिया रहीं जिन्होंने 17.20 सेकंड का समय लिया, जबकि हरियाणा की अवनी ने 20.40 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 100 मीटर (टी12 और टी 13) वर्ग में उत्तर प्रदेश की सिमरन ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए 12.30 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता।

ट्रेनिंग के दौरान अपनी एक समस्या पर काम कर रहा हूं: नीरज चोपड़ा

गुरुग्राम : भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अपने खेल में एक समस्या की पहचान की है और जल्द से जल्द इसमें सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वह इस साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। चोपड़ा 13-21 सितंबर को तोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में पदक के सबसे प्रबल दावेदार हैं। वह 57 दिन तक चेक गणराज्य के प्राग और निम्बर्क में ट्रेनिंग लेंगे। वह आज रात अपने फिजियो इशान मारवाह के साथ रवाना होंगे और पांच सितंबर तक यूरोपीय देश में रहेंगे जिसका कुल खर्चा 19 लाख रुपये है।

अनिश्चितता के कारण आईएसएल स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने शुक्रवार को घोषणा की कि टूर्नामेंट के आयोजकों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच 'मास्टर राइट्स एग्रीमेंट' (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 2025-26 सत्र को स्थगित कर दिया गया है।

देश की शीर्ष स्तरीय फुटबॉल लीग आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक चलती है। आईएसएल का आयोजन करने वाली 'फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड' (एफएसडीएल) और एआईएफएफ के बीच मौजूदा एमआरए (मास्टर अधिकार समझौता) आठ दिसंबर 2025 को समाप्त होने वाला है। तब तक आईएसएल का तीसरा महीना शुरू हो जाएगा।

एफएसडीएल ने आईएसएल के सभी क्लबों को लिखे पत्र में कहा दिसंबर के बाद किसी निश्चित अनुबंधीय समझौते के अभाव में हम 2025-26 आईएसएल सत्र की प्रभावी योजना बनाने, इसे आयोजित करने या इसका व्यवसायीकरण करने में असमर्थ हैं। इसमें कहा गया इस स्थिति को देखते हुए हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि हम वर्तमान में 2025-26 आईएसएल सत्र को आगे बढ़ाने की स्थिति में नहीं हैं और मौजूदा एमआरए अवधि के अंत के बाद अनुबंधीय रूपरेखा पर और स्पष्टता आने तक इसे स्थगित कर रहे हैं।

वांछित अपराधी मुस्तफा का यूएई से हुआ भारत प्रत्यर्पण

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

- मादक पदार्थ के धंधे में लिप्त था कुब्बावाला इंटरपोल ने रेड नोटिस किया था जारी

सिंथेटिक मादक पदार्थ के धंधे में कथित तौर पर लिप्त मुस्तफा कुब्बावाला को शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। वांछित अपराधी कुब्बावाला के खिलाफ इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया था।

सिंथेटिक नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक रूप से निर्मित पदार्थ होते हैं जो प्राकृतिक अफीम जैसे मादक प्रभाव उत्पन्न करते हैं, लेकिन ये पूरी तरह कृत्रिम यानी सिंथेटिक होते हैं। सीबीआई ने इंटरपोल और मुंबई पुलिस की मदद से मुस्तफा को भारत लाने का अभियान चलाया। एक अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ के धंधे में लिप्त वांछित अपराधी मुस्तफा को मुंबई पुलिस का चार सदस्यीय दल संयुक्त अरब अमीरात से देर रात करीब एक बजे यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लेकर आया। हवाई अड्डे पर मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने उसे हिरासत में ले लिया। मुंबई पुलिस ने सांगली में एक सिंथेटिक मादक पदार्थ निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया था, जहां से 126.141 किग्रा मेफेड्रोन मादक पदार्थ जब्त किया गया था।

अमेरिका ने कनाडा पर लगाया 35% आयात शुल्क

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एक पत्र में कहा कि वह कनाडा से आयातित वस्तुओं पर शुल्क 35 प्रतिशत करने जा रहे हैं। अमेरिका के इस कदम से दोनों देशों के दशकों पुराने संबंधों में दरार बढ़ सकती है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को लिखे गए एक पत्र में ट्रंप ने फरवरी में घोषित 25 प्रतिशत शुल्क को और बढ़ाने का निर्णय लेने का जिक्र किया। यह कदम कनाडा पर 'फेंटानायल' की तस्करी पर रोक लगाने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। हालांकि अमेरिका में इस मादक पदार्थ की तस्करी में कनाडा की भूमिका सीमित मानी जाती है।

सुविधाओं के साथ चुनौतियां भी

सेटेलाइट इंटरनेट

सेटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा एक ऐसी तकनीक है जिसमें इंटरनेट कनेक्टिविटी ग्राउंड-बेस्ड केबल्स या मोबाइल टावरों के बजाय धरती के सेटेलाइट्स के माध्यम से प्रदान की जाती है। इस तकनीक के जरिए इंटरनेट सेवाएं दूरदराज पहाड़ी या समुद्री इलाकों में भी उपलब्ध होती है, जबकि साधारण इंटरनेट सेवाओं का कवरेज एरिया निश्चित होता है जो ज्यादातर शहरी इलाकों में ही होता है। सेटेलाइट इंटरनेट की स्पीड 50 से 200 एमबीपीएस तक हो सकती है जो फाइबर इंटरनेट की तुलना में बहुत ज्यादा है।

इन बदलावों की उम्मीद

- गांवों, पहाड़ी क्षेत्रों तक हाईस्पीड इंटरनेट की पहुंच से ग्रामीण भारत में ऑनलाइन शिक्षा, ई-हेल्थ और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। छोटे किसानों और व्यवसायों की बाजार तक पहुंच बढ़ेगी।
- देश के हर कोने से डिजिटल उद्यम उभर सकते हैं। ई-कॉमर्स, ऑनलाइन सर्विसेज, फ्रीलांसिंग आदि में ग्रामीण भागीदारी और छोटे शहरों में वैश्विक स्तर की कंपनियां उभरने की उम्मीद रहेगी।
- शिक्षा और हेल्थ सेक्टर में क्रांति संभव है। रिमोट लर्निंग और टेलीमेडिसिन का ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार होगा। छात्र घर बैठे वर्चुअल क्लास में जुड़ सकेंगे। गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन इलाज संभव।

ये होती है तकनीक

इंटरनेट सिग्नल किसी जियोस्टेशनरी या लो अर्थ ऑर्बिट सेटेलाइट पर भेजा जाता है। वहां से यह डिश एंटीना तक पहुंचता है।

- ग्राउंड स्टेशन यानी गेटवे जो इंटरनेट डेटा सेटेलाइट भेजता है।
- सेटेलाइट जो सिग्नल को स्पेस से यूजर तक रिले करता है।
- यूजर टर्मिनल यानी डिश या रूटर जो डाटा रिसीव करता है।

साइबर सुरक्षा के लिए चुनौतियां

- डेटा इंटरसेप्शन : सिग्नल अंतरिक्ष से भेजे जाते हैं जिन्हें हैकर्स इंटरसेप्ट करने की कोशिश कर सकते हैं अगर एनक्रिप्शन मजबूत न हो।
- सेटेलाइट सिस्टम हैकिंग : यदि सेटेलाइट के ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम पर साइबर अटैक होता है तो पूरी सेवा बाधित हो सकती है।
- जैमिंग/स्पूफिंग : दुश्मन देश या आतंकी संगठन सेटेलाइट सिग्नल को जाम कर सकते हैं या नकली सिग्नल (स्पूफ) भेज सकते हैं।
- विदेशी नियंत्रण : स्टारलिंक अमेरिका की कंपनी है तो इसका डेटा सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन सकता है।

कई गुना महंगा पड़ेगा

- अनुमानित तौर पर स्टारलिंक किट (डिश-राउटर) 50,000 से 75,000 रुपये तक का होगा।
- इसका मासिक सब्सक्रिप्शन शुल्क 5,000 से 8,000 प्रति माह तक होने का अनुमान है।
- भारत में बीएसएनएल, रिलायंस जियो और एयरटेल जैसे प्रदाताओं की तुलना में स्टारलिंक शुरुआत में ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों को प्राथमिकता दे सकती है।

आधी दुनिया में सेवाएं

सेटेलाइट इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियों में प्रमुख रूप से स्टार लिंक, वन वेब, अमेजन कुइपर और ह्यूगेज नेट हैं। इनमें स्टारलिंक अकेले अमेरिका, यूरोप समेत 75 से ज्यादा देशों में सेटेलाइट इंटरनेट सेवा उपलब्ध करा रही है। बाकी कंपनियां फिलहाल कुछ देशों तक सीमित हैं और अपने सेवा क्षेत्र के विस्तार की योजनाएं बना रही हैं। भारत में स्टारलिंक के साथ वन वेब ने भी सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की है।

एक नजर

गृह सचिव गोविंद मोहन का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को गृह सचिव गोविंद मोहन का कार्यकाल अगले वर्ष 22 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया। ये सेवा विस्तार ऐसे समय में किया गया है, जब देश जाति गणना के साथ बड़ी जनगणना की तैयारी कर रहा है और गृह मंत्रालय अगले वर्ष मार्च तक नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की 16वीं जनगणना 2027 में की जाएगी, जिसकी संदर्भ तिथि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में एक अक्टूबर 2026 तथा देश के शेष भागों में एक मार्च, 2027 होगी। सिक्किम कैडर के 1989 बैच के आईएएस के अधिकारी मोहन अगस्त 2024 में गृह सचिव बनाए गए थे।

कंबोडिया में नागरिकता रद्द करने वाला कानून बना

नोम पेन्ह। कंबोडिया की संसद ने राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुँचाने के मकसद से विदेशी देशों के साथ साज़िश रचने वाले किसी भी व्यक्ति की नागरिकता रद्द करने वाला कानून बनाने की इजाजत सरकार को दे दी है। संसद ने देश के संविधान में आज संशोधन करके सरकार को एक कानूनी ढाँचा बनाने की अनुमति दे दी। प्रधानमंत्री हुन मानेट सहित कुल 125 सांसदों ने संविधान में संशोधन को सर्वसम्मति से मंज़ूरी दे दी, जिससे विदेशी देशों के साथ साज़िश रचने वाले कंबोडियाई नागरिकों की नागरिकता रद्द की जा सकेगी।

कश्मीर के धार्मिक नेता मीरवाइज नजरबंद

श्रीनगर। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के मुख्य धार्मिक नेता मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को कहा कि ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में उन्हें जुमे की नमाज अदा करने से रोकने के लिए फिर से नजरबंद कर दिया गया है। मीर वाइज ने नज़रबंदी को 13 जुलाई को मनाए जाने वाले शहीद दिवस से जोड़ा है जो 13 जुलाई-1931 को श्रीनगर केंद्रीय जेल के बाहर सुरक्षाकर्मियों के हाथों 22 कश्मीरियों को मारे जाने की याद में मनाया जाता है, जहां वे निरंकुश शासन का विरोध के लिए एकत्र हुए थे।

फ्रांस: एक्स की डेटा छेड़छाड़ और धोखाधड़ी की जांच

पेरिस। फ्रांसीसी अभियोजकों ने एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' से संबंधित कथित डेटा छेड़छाड़ और धोखाधड़ी की पुलिस जांच शुरू कर दी है। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में जांच शुरू करने की जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि जांच में "विशेष रूप से" दो कथित अपराधों की जांच की जा रही है। इसने कथित गड़बड़ियों का ब्यौरा नहीं दिया। इसने कहा कि जांच के निशाने पर यह सोशल मीडिया मंच और लोग दोनों हैं।

ट्रंप की कोशिशों को झटका, गाजा पर बिना समझौते के लौटे नेतन्याहू

वाशिंगटन में कई दौर की वार्ता के बाद भी शांति समझौते पर नहीं बनी सहमति

वाशिंगटन, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस हफ्ते वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए एक और नामांकन मिला, लेकिन गाजा युद्ध के लिये जो युद्ध विराम वह चाहते थे, वह नहीं हो सका। बिना किसी समझौते के नेतन्याहू शुक्रवार को लौट गए।

ट्रंप ने इजराइल और हमास के बीच 60 दिनों के युद्धविराम समझौते की खातिर अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन नेतन्याहू की यात्रा के दौरान इस दिशा में किसी सफलता की घोषणा नहीं की गई। यह एक ऐसे राष्ट्रपति के लिए निराशा की बात है, जो एक शांतिदूत के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं और जिन्होंने अपनी छवि समझौता कराने वाले के रूप में कायम की है।

'इजराइल पॉलिसी फोरम' की वाशिंगटन प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ फेलो राचेल ब्रैंडेनबर्ग ने कहा, उन्हें समझौते करा पाने की अपनी क्षमता पर गर्व है, इसलिए यह एक और परीक्षण का मामला है। इक्कीस महीने से जारी युद्ध में युद्धविराम समझौता कराने की ट्रंप की क्षमता यह दिखाएगी कि नेतन्याहू पर उनका प्रभाव किस हद तक है, खासकर इस सप्ताह व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए संयुक्त हमलों का बखान किये जाने के बाद।

संवर्धित यूरेनियम भंडार तक पहुंच सकता है ईरान

वाशिंगटन। इजराइल का मानना है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के जिन परमाणु केन्द्रों पर हमला किया था उनमें से एक में गहराई में दबे संवर्धित यूरेनियम भंडार तक अब भी ईरान पहुंच सकता है। इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं जिस एजेंसी ने दो अन्य परमाणु स्थलों पर गिराए गए अमेरिकी बंकर बस्टर बमों का निर्माण किया था उसने कहा कि वह अभी भी डेटा का इंतजार कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये बम लक्ष्यों को भेद पाए या नहीं। दोनों घटनाक्रम हमलों में हुए नुकसान पर अलग-अलग राय रखते हैं। ट्रंप इस बात पर कायम हैं कि अमेरिकी हमलों ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों को नष्ट कर दिया है। वहीं अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने कहा है कि हमलों से फोर्दो, नतांज और इस्फहान परमाणु केन्द्रों को काफ़ी नुकसान पहुंचा है लेकिन वे नष्ट नहीं हुए हैं।

ईरान जाने में गंभीर खतरे, यात्रा न करें अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा न करने की सलाह देते हुए कहा है कि भले ही बमबारी बंद हो गई हो लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वहां की यात्रा सुरक्षित है। अमेरिकी विदेश विभाग ने खासकर अपने ईरानी मूल के नागरिकों को ईरान की यात्रा के गंभीर खतरों के बारे में आगाह किया है। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने ईरानी मूल के लोगों से ईरान की यात्रा से बचने का आग्रह किया है। यह परामर्श ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने ईरानी प्रशासन की ओर से अवैध तेल व्यापार में शामिल कई जगहों में फैले एक नेटवर्क से जुड़ी 22 संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। ब्रूस ने ज़ोर दिया कि ईरानी सरकार दोहरी नागरिकता स्वीकार नहीं करती है और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से राजनयिक पहुंच देने से इनकार करती है।

नोबल शांति पुरस्कार विजेता ने ईरान से जान का खतरा बताया

- नरगिस ने महिला अधिकारों समेत कई मुद्दों पर जारी किए हैं बयान

दुबई। ईरान की सुरक्षा एजेंसियों ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की जान को खतरा बताया है। यह खतरा इजराइल के साथ ईरान के युद्ध के बाद पैदा हुआ है।

नॉर्वे की नोबेल समिति के मुताबिक मोहम्मदी ने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकियां उनके वकील और अन्य अप्रत्यक्ष माध्यमों से मिली हैं क्योंकि मोहम्मदी ने इस्लामिक गणराज्य के धर्मतंत्र, महिला अधिकारों और अन्य मुद्दों पर सार्वजनिक बयान जारी रखे हैं। नोबेल समिति ने कहा, मोहम्मदी के अपने शब्दों में स्पष्ट संदेश यह है कि उन्हें शासन के एजेंटों द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शारीरिक रूप से समाप्त करने की धमकी दी गई है। नोबेल पुरस्कार विजेता की वकालत करने वाली फ्री नरगिस गठबंधन संचालन समिति ने कहा कि ये धमकियां ईरान के खुफिया मंत्रालय की ओर से आई हैं।

केरल: ऑनलाइन ठगी के मामलों में 286 गिरफ्तार 61,361 बैंक खाते सीज

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- केरल पुलिस ने चलाया अभियान 18,653 सिम और 59,218 मोबाइल फोन भी जब्त किए

केरल पुलिस के साइबर विभाग ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ एक विशेष अभियान में अबतक 286 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और 61,361 बैंक खातों पर रोक लगा दी है और धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए 18,653 सिम कार्ड और 59,218 मोबाइल फोन जब्त किया है।

कार्रवाई के अंतर्गत पीड़ितों को 6.5 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक लौटा दी गई है जबकि धोखाधड़ी की गई कुल राशि में से 26.26 करोड़ रुपये बैंक खातों में रोक दिए गए हैं।

यह सुनिश्चित करने की कोशिश जारी हैं कि धोखाधड़ी के शिकारों को अदालती प्रक्रिया के माध्यम से धोखाधड़ी की गई राशि जल्दी से जल्दी वापस की जाए।

जनवरी और मार्च 2025 के बीच, केरल में ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित 9,539 शिकायतें दर्ज की गईं। पीड़ितों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी घटनाओं की सूचना एक घंटे के भीतर दें जिसे पैसा गंवाने का 'गोल्डन ऑवर' कहा जाता है ताकि दोषियों को पकड़ने की संभावना अधिकतम हो सके। शिकायत टोल-फ्री नंबर 1930 पर फोन करके या आधिकारिक वेबसाइट https:ybercrime.gov.in के माध्यम से दर्ज की जा सकती है। विशेष अभियान में केरल के सभी पुलिस स्टेशनों को शामिल किया गया और विभिन्न साइबर अपराध मामलों में 286 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

राज्य में आयोजित हो रहीं जागरूकता कक्षाएं

साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए जागरूकता कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं तथा केरल पुलिस और राज्य पुलिस मीडिया सेंटर के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से लगातार जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं तथा सूचनात्मक पोस्ट एवं वीडियो साझा किए जा रहे हैं। केरल पुलिस ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ एक विशेष अभियान ऑपरेशन-सेफ-केरल 2023 में शुरू किया था।

बलूचिस्तान: बस से उतारने के बाद नौ यात्रियों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद/कराची, एजेंसी

- बंदूकधारी हमलावरों ने पंजाब जा रही दो बसों में पहचान पत्र देखने के बाद यात्रियों को उतारा, फिर गोली मार दी

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बलोच चरमपंथियों ने शुक्रवार को एक बस से पंजाब के नौ यात्रियों को उतारकर उन्हें गोली मार दी। घटना झोब इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात को हुई।

प्रांत के झोब इलाके के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि हथियारबंद चरमपंथियों ने पंजाब जाने वाली दो बसों को रोका। हमलावरों ने पहले यात्रियों के पहचान पत्र देखे और नौ लोगों को बस से उतरने को कहा तथा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। ये सभी लोग पंजाब प्रांत के विभिन्न हिस्सों से थे। प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। बीएलएफ पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हमले करता है। सुरक्षा बल राजमार्ग पर यातायात निलंबित कर दोषियों का पता लगाने के लिए व्यापक अभियान चला रहे हैं।

सुरक्षा चौकियों और सरकारी प्रतिष्ठानों पर भी हमले

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चरमपंथियों ने रात में कई सुरक्षा चौकियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, थानों, बैंकों और संचार टावरों को निशाना बनाया। रिंद ने हमलों की पुष्टि की लेकिन कहा कि किसी घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। चरमपंथी अक्सर इस तेल और खनिज समृद्ध प्रांत में सुरक्षा कर्मियों, सरकारी परियोजनाओं और 60 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को निशाना बनाते हैं।

महाभियोग के लिए सांसदों के हस्ताक्षर एकत्र करना शुरू

नई दिल्ली। सरकार ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने के वास्ते सांसदों के हस्ताक्षर एकत्र करना शुरू कर दिया है। न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली स्थित अपने आवास में आग लगने की घटना के बाद वहां से जले हुए नोटों की गड्डियां मिलने के बाद विवादों में घिर गये थे।

सूत्रों ने बताया कि महाभियोग प्रक्रिया के लिए लोकसभा के कई सांसदों के हस्ताक्षर ले लिए गए हैं, जो इस बात का संकेत है कि यह प्रस्ताव निचले सदन में पेश किया जा सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का प्रस्ताव 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के सत्र में लाया जाएगा। सरकार न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के खिलाफ एकता का संदेश देने के लिए विपक्षी दलों से बात करेगी।

बचाव अभियान

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'इंदिरा प्वाइंट' के दक्षिण-पूर्व में समुद्र में फंसी एक अमेरिकी नौका तथा इसके चालक दल के दो सदस्यों को भारतीय तटरक्षक बल ने बचा लिया। अधिकारियों के मुताबिक पाल उड़ जाने और प्रोपेलर उलझ जाने के कारण यह नौका बेहद कठिन परिस्थिति में फंस गई थी। एजेंसी

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल मराठा शासकों के किले, दुर्ग

नई दिल्ली। यूनेस्को ने कहा है कि मराठा शासकों द्वारा परिकल्पित असाधारण किलेबंदी और सैन्य प्रणाली का प्रतिनिधित्व करने वाले मराठा किलों को शुक्रवार को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कर किया गया।

यह निर्णय पेरिस में चल रहे विश्व धरोहर समिति के 47वें सत्र के दौरान लिया गया। यूनेस्को दर्जा के लिए नामांकन 2024-25 सत्र के लिए किया गया था। मराठा शासकों के 12 किले एवं दुर्ग को यह दर्जा दिया गया, जिनमें साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, स्वर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजय दुर्ग और सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु में जिंजी किला शामिल हैं। विविध भौगोलिक क्षेत्रों में फैले ये धरोहर स्थल मराठा साम्राज्य की सामरिक शक्ति को प्रदर्शित करते हैं।

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए शुरू किया ऑपरेशन शिवा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेना की आतंकवादियों के खतरे के मद्देनजर पहल

भारतीय सेना ने श्री अमरनाथ जी की सुचारू और सुरक्षित यात्रा के लिए नागरिक प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर 'ऑपरेशन शिवा 2025' शुरू किया है।

इस विशेष अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान समर्थित छद्म आतंकवादियों से बढ़े खतरे को देखते हुए उत्तरी और दक्षिणी दोनों यात्रा मार्गों पर मज़बूत और पुख्ता सुरक्षा प्रदान करना है, इस वर्ष अभियान के लिए प्रौद्योगिकी और अन्य जरूरी संसाधनों से लैस 8500 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। साथ ही आतंकवाद-रोधी ग्रिड, सुरक्षा तैनाती और यात्रा मार्गों की सुरक्षा के उपाय किए गए हैं।

सेना ने 50 से अधिक ड्रोन रोधी प्रणाली भी तैनात की है। यात्रा मार्गों और पवित्र गुफा की निगरानी के लिए ड्रोन मिशन चलाए जा रहे हैं। चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए 150 से अधिक डॉक्टर और चिकित्सा कर्मी, दो एडवांस ड्रेसिंग स्टेशन, नौ चिकित्सा सहायता पोस्ट, 100 बिस्तरों वाला एक अस्पताल और 2,00,000 लीटर ऑक्सीजन से लैस 26 ऑक्सीजन बूथ बनाये गये हैं। निर्बाध संचार के लिए सिग्नल कंपनियां, तकनीकी सहायता के लिए ईएमई टुकड़ी और बम निरोधक दस्ते भी तैनात किये गये हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग में होगी 1300 कर्मचारियों की छंटनी

कुआलांलपुर। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में शुरू की गई एक नाटकीय पुनर्गठन योजना के तहत विदेश विभाग 1,300 से अधिक राजनयिकों और प्रशासनिक अधिकारियों की सेवा समाप्त कर रहा है।

विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभाग अमेरिका के भीतर काम कर रहे 1,107 प्रशासनिक अधिकारियों और विदेश सेवा के 246 अधिकारियों को छंटनी का नोटिस भेज रहा है। ट्रंप प्रशासन ने विभाग को और कुशल बनाने के लिए यह कदम जरूरी बताया है, लेकिन मौजूदा और पूर्व राजनयिकों ने इस की कड़ी आलोचना की है। इन राजनयिकों का कहना है कि इससे अमेरिका का प्रभाव कमजोर होगा और विदेशों में मौजूदा और उभरते खतरों का मुकाबला करने की उसकी क्षमता प्रभावित होगी।

खतरे में सांसें सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी किए साल 2025 की पहली छमाही के आंकड़े

मेघालय का बर्निहाट सबसे प्रदूषित शहर, दिल्ली दूसरे नंबर पर

- यूपी का गाजियाबाद, हरियाणा का गुरुग्राम और बिहार के कई शहर टॉप टेन सूची में

नई दिल्ली, एजेंसी

मेघालय के बर्निघाट शहर को देश का सबसे प्रदूषित शहर पाया गया है।

एक नवीनतम विश्लेषण के अनुसार असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्निहाट, 2025 की पहली छमाही में भारत का सबसे प्रदूषित शहर है जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर है। मिजोरम का आइजोल देश का सबसे स्वच्छ शहर रहा।

स्वतंत्र अनुसंधान संगठन सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषण के अनुसार, बर्निहाट में पीएम 2.5 (हवा में मौजूद ढाई माइक्रोमीटर या इससे कम व्यास के कण) की औसत सांद्रता 133 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई, जबकि दिल्ली का पीएम 2.5 स्तर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से दोगुना, 87 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया।

इसके अलावा बिहार का हाजीपुर, यूपी का गाजियाबाद, हरियाणा का गुरुग्राम, बिहार का पटना, सासाराम, ओडिशा का तलचर और बिहार का राजगीर 10 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल हैं। सीआरईए के अनुसार, जनवरी से जून तक, सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों (सीएएक्यूएमएस) वाले 293 शहरों में से 239 में 80 प्रतिशत से अधिक दिनों के लिए सूक्ष्म कण संबंधी आंकड़े उपलब्ध थे। वहीं, 239 शहरों में से 122 में वायु गुणवत्ता वार्षिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रही, जबकि 117 शहर वार्षिक सीमा से नीचे रहे। सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार ने बताया कि उदाहरण के लिए, उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, दिल्ली के आसपास अधिकांश ताप विद्युत संयंत्रों में फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन जैसी महत्वपूर्ण प्रदूषण नियंत्रण तकनीक अब भी उपलब्ध नहीं हैं।

दिल्ली में पुराने वाहन बंद करना समस्या का हल नहीं

सीआरईए ने कहा कि दिल्ली में निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों पर प्रतिबंध वायु गुणवत्ता प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण घटक है, लेकिन इसमें प्रदूषण के अन्य महत्वपूर्ण स्रोतों को नजरअंदाज किया गया है। अध्ययनों के अनुसार, परिवहन से 17 से 28 प्रतिशत और धूल 17 से 38 प्रतिशत के अलावा, कई अन्य क्षेत्रों का पीएम के स्तर में महत्वपूर्ण योगदान है। इनमें आवासीय दहन 8 से 10 प्रतिशत, कृषि दहन 4 से 7 प्रतिशत और औद्योगिक गतिविधियां एवं बिजली संयंत्र 22 से 30 प्रतिशत शामिल हैं। ये अध्ययन दर्शाते हैं कि दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता का संकट केवल वाहनों से होने वाले उत्सर्जन या मौसमी बायोमास के दहन के कारण नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न स्रोतों से होने वाले निरंतर उत्सर्जन के कारण भी है।